झारखण्ड का अपना दैनिक
झारखण्ड उजाला
सच आप तक

रांची, बुधवार, 05 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -50 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आज पहली पुण्यतिथि है. इस मौके पर राजधानी रांची सहित राज्यभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए. मुख्य कार्यक्रम उनके पैतृक गांव नेमरा में हुआ. इधर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पिता शिबू सोरेन की पुण्यतिथि के अवसर पर मोरहाबादी स्थित उनके आवास पहुंचकर उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन की धर्मपत्नी रूपी सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके संघर्षपूर्ण जीवन, योगदान और आदर्शों को स्मरण किया. पद्म भूषण से सम्मानित, झारखंड आंदोलन के महानायक एवं दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन को इस अवसर पर याद करते हुए उपस्थित लोगों ने इनके योगदान को नमन किया. इस मौके पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु ने अपना जीवन झारखंड और यहां के लोगों के अधिकारों की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया था. आज उन्हें राज्य के हर कोने में श्रद्धा और सम्मान के साथ याद किया जा रहा है.

संघर्ष, विचार और योगदान सदैव रहेगा अमर

उन्होंने कहा कि झारखंड वीरों की भूमि है, जहां के लोगों ने सदैव अपने हक और अधिकारों के लिए संघर्ष किया है. इस संघर्ष में अनेक वीर सपूतों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है. हम उन सभी वीर सपूतों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बाबा हमारे बीच भौतिक रूप से नहीं हैं लेकिन उनका संघर्ष, विचार और योगदान सदैव अमर रहेगा. उन्होंने अपना पूरा जीवन झारखंड के मूलवासियों, आदिवासियों, वंचितों और शोषितों के अधिकारों की रक्षा तथा उनके उत्थान के लिए समर्पित किया. उनके द्वारा देखे गए सपनों को साकार करना तथा उनके आदर्शों के अनुरूप राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु का संघर्ष, त्याग और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा. झारखंड की पहचान, अस्मिता और अधिकारों की रक्षा में उनका योगदान अविस्मरणीय है. उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु ने जिस समतामूलक, न्यायपूर्ण और समृद्ध झारखंड की परिकल्पना की थी, उसे साकार करने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है. सीएम ने इस मौके पर झारखंड आंदोलन के सभी वीर शहीदों को भी श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

सागेन मुर्मू
डाड़ी कलां ओपी थाना प्रभारी

नशा मुक्ति के क्षेत्र में समाज को जागरूक करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। नशा एक ऐसा जहर है जो व्यक्ति का तन-मन-धन तीनों नष्ट कर देता है, परिवार बिखेर देता है और समाज को कमजोर बनाता है। नशा एक पल का साथी, जीवन भर का दुख बन जाता है। छोड़ दो इस जहर को, क्योंकि एक पल का नशा, जीवन भर की सजा है।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : 1,33,700
चांदी (प्रति किलो) : 2,36,000
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- 78,428.95
निफ्टी :- 24,614.90

मौसम

अधिकतम तापमान : 29 °
न्यूनतम तापमान : 23 °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- 05:21
संध्या :- 18:29

आज का इतिहास

आज ही के दिन 1278 को कैस्टिले के राजा अल्फोंसो एक्स को स्पेनिश रिकोनक्विस्टा के दौरान शहर के कई लोगों में से पहले, एलेगसिरस की घेराबंदी को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

थाइलैंड से दिल्ली आ रहे एअर इंडिया के विमान में भारी टबुर्लेंस, कई यात्री चोटिल

नयी दिल्ली। थाइलैंड से दिल्ली आ रहे एअर इंडिया के विमान में आज मंगलवार को भारी टबुर्लेंस होने की खबर है. टबुर्लेंस के कारण कई यात्री घायल हो गये. फ्लाईट थाइलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही थी. रास्ते में विमान टबुर्लेंस की चपेट में आ गया. टबुर्लेंस की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि किसी यात्री के कान में तो किसी को गर्दन में चोटें आयी हैं. उनका इलाज कराया जा रहा है. इस खबर की पुष्टि करते हुए एअर इंडिया ने कहा कि 4 अगस्त को फुकेत से दिल्ली आने वाली फ़्लाइट अक2379 को उड़ान के दौरान कुछ देर के लिए टबुर्लेंस का सामना करना पड़ा. टबुर्लेंस के कारण विमान की ऊंचाई में अचानक बदलाव आया. हालांकि विमान दिल्ली में सुरक्षित उतरने में कामयाब रहा. एअर इंडिया ने जानकारी दी कि किसी को गंभीर चोट नहीं आयी है. कुछ यात्रियों और क्रू सदस्यों को मामूली चोटें आया.एअर इंडिया के मेडिकल स्टाफ द्वारा एयरपोर्ट पर मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई गयी है. कुछ को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, इस हादसे के बाद सभी यात्री डरे हुए हैं.

राहे में युवक का शव बरामद, गले पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले

रांची। जिले के राहे थाना क्षेत्र स्थित पारमडीह टुंगरीटोला गांव के समीप मंगलवार को एक युवक का शव बरामद हुआ है. जारागोड़ा इलाके में स्थित चट्टान पर मिले शव की पहचान नहीं हो सकी है. युवक के गले पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है. जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने चट्टान पर एक युवक का शव पड़ा देखा. शव मिलने की खबर सुनकर मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई. वहीं घटना की जानकारी पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही है.

डूरंड कप : दिल्ली एससी की शानदार जीत, जमशेदपुर एफसी को 2-1 से हराया

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए 135वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के ग्रुप-सी मुकाबले में स्पोर्टिंग क्लब (एससी) दिल्ली ने शानदार वापसी करते हुए जमशेदपुर एफसी को 2-1 से हरा दिया. इस मुकाबले में एससी दिल्ली के नए खिलाड़ी लालरिनलियाना ह्नामटे ने डेब्यू मैच को यादगार बनाते हुए दूसरे हाफ में महज पांच मिनट के भीतर दो गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिलाई. जमशेदपुर एफसी ने मुकाबले की शुरूआत आक्रामक अंदाज में की थी और पहले हाफ में बढ़त भी हासिल कर ली थी लेकिन दूसरे हाफ में टीम अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी.

मैच के शुरूआती मिनटों में जमशेदपुर एफसी ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार एससी दिल्ली के गोल पर दबाव बनाया. बाएं विंग से सनन मोहम्मद ने कई बेहतरीन मूव तैयार किए. 22वें मिनट में प्रणय हलदर के शानदार लंबे पास पर सनन मोहम्मद ने बेहतरीन फुटवर्क का प्रदर्शन करते हुए बॉक्स के अंदर से जोरदार लेफ्ट फुट शॉट लगाया, जिसे रोकना गोलकीपर के लिए नामुमकिन था. इस गोल के साथ जमशेदपुर एफसी ने 1-0 की बढ़त बना ली. एक गोल खाने के बाद एससी दिल्ली ने भी वापसी की कोशिशें तेज कर दी. पहले हाफ के अंतिम हिस्से में टीम ने कई अच्छे आक्रमण किए लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर सकी. लालरिनलियाना ह्नामटे के शानदार मूव पर जोसेफ सनी के पास गोल करने का सुनहरा मौका था लेकिन वह उसका फायदा नहीं उठा सके. इस तरह पहले हाफ तक जमशेदपुर एफसी 1-0 से आगे रही.

दूसरे हाफ की शुरूआत में मुकाबला कुछ देर तक बराबरी का रहा लेकिन 51वें मिनट में एससी दिल्ली को गोलकीपर की गलती का फायदा मिला. मोहम्मद ऐमेन के शॉट को जमशेदपुर के गोलकीपर अल्बिनो गोम्स ठीक से नियंत्रित नहीं कर सके और गेंद उनके हाथ से छूट गई. रिबाउंड पर मौजूद ह्नामटे ने बिना गलती किए गेंद को जाल में पहुंचाकर स्कोर 1-1 कर दिया.

इस बराबरी के महज पांच मिनट बाद, 56वें मिनट में ऑगस्टीन लालरोचाना ने शानदार विंग प्ले करते हुए बॉक्स के अंदर सटीक पास दिया, जिस पर ह्नामटे ने पहली ही टच में गेंद को गोल में पहुंचाकर एससी दिल्ली को 2-1 की बढ़त दिला दी. इसके बाद दिल्ली की टीम ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और जमशेदपुर एफसी को बराबरी का मौका नहीं दिया. इंजरी टाइम के अंतिम क्षणों में एससी दिल्ली के डिफेंडर आशुतोष मेहता को सनन मोहम्मद पर खतरनाक टैकल के कारण सीधे रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे टीम 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई. हालांकि, इसका मैच के नतीजे पर कोई असर नहीं पड़ा और एससी दिल्ली ने 2-1 से जीत दर्ज कर तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए. इस हार के बावजूद जमशेदपुर एफसी दो मैचों में तीन अंकों के साथ गोल अंतर के आधार पर ग्रुप-सी में शीर्ष पर बनी हुई है. वहीं एससी दिल्ली ने अपने पहले ही मुकाबले में जीत के साथ शानदार शुरूआत की.

रामगढ़ में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा का सीएम हेमंत सोरेन ने किया अनावरण

समाज की असली ताकत एकजुटता में निहित, शहीदों के आदर्शों से प्रेरणा लेने की जरूरत : हेमंत सोरेन

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रामगढ़/रांची। आज का दिन विशेष रूप से मेरे एवं मेरे पूरे परिवार के लिए, अत्यंत भावुक और भारी दिन है, लेकिन यह पीड़ा केवल हमारे परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे झारखंड प्रदेश के साथ-साथ देश के समस्त आदिवासी, दलित, शोषित और पिछड़े समाज के लिए यह अत्यंत दुःखद और भावुक कर देने वाला क्षण है। पिछले वर्ष आज ही के दिन आदरणीय बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी ने अंतिम सांस ली थी और पंचतत्व में विलीन हुए थे। इस सृष्टि का यही शाश्वत सत्य है कि जिसने इस धरा पर जन्म लिया है, उसे कालचक्र के विधान अनुसार एक दिन प्रकृति में लीन होना ही पड़ता है। आदरणीय गुरुजी ने भी उसी कालचक्र को पूरा किया। कभी-कभी कुछ घटनाओं और समय के चक्र के कारण हमारे प्रिय लोग हमारे बीच से बिछड़ जाते हैं। आज हम सबने लुकैयाटांड़ (बरलंगा) स्थित सोना-सोबरन विद्यालय परिसर में आदरणीय गुरुजी की एक भव्य प्रतिमा का अनावरण किया है। इस प्रतिमा की स्थापना का उद्देश्य यही है कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियाँ अपने इतिहास और जड़ों को कभी न भूलें। उक्त बातें मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कही। वे आज रामगढ़ जिला स्थित लुकैयाटांड़, नेमरा में आयोजित झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री व पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरु स्मृति शेष-स्व० शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण एवं विकास मेला-सह-पारितोषिक वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी के पहले और आजादी के बाद भी जिस प्रकार का शोषण हमारे समाज ने झेला और उस शोषण के विरुद्ध जिस निडरता से हमारे पूर्वजों ने लड़ाई लड़ी–उस संघर्ष से सीख लेना हमारा कर्तव्य है।

दिशोम गुरु स्मृति शेष-स्व0 शिबू सोरेन जी ने अलग झारखंड राज्य के सपने को साकार किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश का मौसम होने के बावजूद आज पूरे राज्यभर में आदरणीय गुरुजी की याद में लोग स्वतःस्फूर्त एकत्रित हो रहे हैं। राजनीतिक दलों से ऊपर उठकर हर जिले में समाज के लोग एकजुट हो रहे हैं। आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी ने अपने आंदोलन के माध्यम से न केवल झारखंड को एक विशिष्ट पहचान दी, बल्कि एक महान जननायक के रूप में अमूल्य योगदान दिया। वे राजनीति की पारंपरिक सीमाओं से बहुत आगे निकल चुके थे–एक ऐसा व्यक्तित्व जिसके समक्ष पद, नेता, विधायक और मंत्री सब फीके पड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुजी जैसे वीर सपूतों ने अपने खून-पसीने से सींचकर हमें यह अलग राज्य बनाकर दिया है, लेकिन आज इस राज्य को सजाने और संवारने की एक भारी-भरकम ज़िम्मेदारी हम सबके कंधों पर है। एक ज़िम्मेदार सरकार होने के नाते हमारा यह निरंतर प्रयास है कि राज्य के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की आवाज और सुविधाएँ पहुँचे और आपकी आवाज सीधी सरकार तक आए। हम सब मिलकर राज्य के उज्ज्वल भविष्य के लिए क्या बेहतर हो सकता है, इसका मार्ग प्रशस्त करें।

प्रथम पुण्यतिथि पर राज्य के मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मंत्री संजय प्रसाद यादव, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, सांसद राज्यसभा महुआ माजी, विधायक उमाकांत रजक, विधायक कुमार जयमंगल सिंह, विधायक अमित महतो, विधायक ममता देवी, पूर्व मंत्री बेबी देवी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार सहित राज्य सरकार के वरीय अधिकारीगण, विशिष्ट अतिथिगण सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

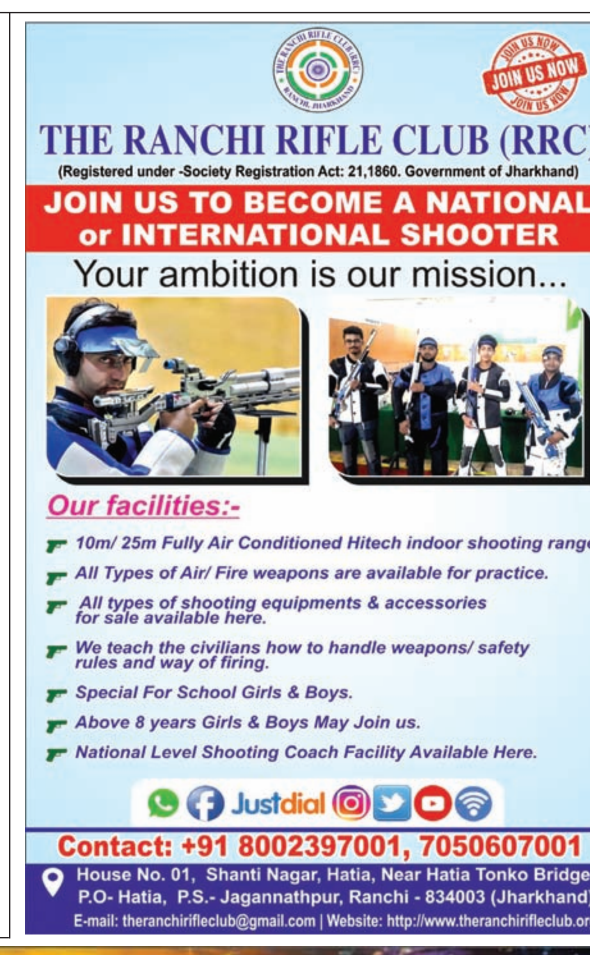

खुली अर्थव्यवस्था और ग्लोबलाइजेशन के चलते आज भारत में कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां करियर की संभावना न हो। यही वजह है कि विदेशी कंपनियां भी आज भारत का रुख कर रही हैं। बीमा क्षेत्र के लिए यहां पर इसलिए भी काफी उम्मीदें की जा सकती हैं, क्योंकि आज भी यहां केवल तीस से बत्तीस प्रतिशत लोग ही इंश्योर्ड हैं, जबकि हर व्यक्ति को उसकी सामर्थ्य के हिसाब से सिक्योरिटी की जरूरत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें व्यक्ति को उसकी मनी सिक्योरिटी या लाइफ सिक्योरिटी की उम्मीद रहती है। अत-इसमें आप तरक्की करके अपने करियर को बुलन्दी पर ले जा सकते हैं।

इंश्योरेन्स
करियर की सिक्योरिटी

मार्केटिंग के इस दौर में हर काम को व्यवसाय की दृष्टि से देखा जा रहा है। यही कारण है कि पहले की अपेक्षा लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है और तकरीबन हर व्यक्ति रोटी, कपड़ा और मकान से निकल कर आगे की सोचने लगा है। अब हर किसी की चाहत रहती है कि वह एक स्टैण्डर्ड लाइफ जिए तथा हर तरह की सुविधाओं के अतिरिक्त उसके पास बैंक बैलेन्स और लाइफ सिक्योरिटी हो। ऐसे में इंश्योरेन्स सेक्टर एक ऐसा सेक्टर है, जो व्यक्ति की दोनों आवश्यकताओं की पूर्ति का दावा करता है। भारत में आज भी बहुत कम लोग बीमित हैं। यही कारण है कि आज विभिन्न कंपनियों के साथ बैंक भी इस क्षेत्र में अपने पैर पसार रहे हैं।

एक सर्वे के अनुसार, पिछले दस-बारह सालों में इंश्योर्ड यानी बीमित लोगों की संख्या दोगुनी के करीब हुई है अर्थात् भारत में इंश्योरेन्स सेक्टर का पदार्पण काफी पहले होने के बाद भी इस क्षेत्र में उतनी तरक्की नहीं हुई, जितनी कि वर्ष 2000 के बाद हुई और इस संख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है। सर्वे के मुताबिक कुल बीमित व्यक्तियों की संख्या में हर साल करीब दस प्रतिशत लोग नए जुड़ जाते हैं और यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले पन्द्रह वर्षों में भारत में करीब साठ प्रतिशत लोग बीमित हो सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव माइंड के हैं और पॉजीटिव सोच रखते हैं तो इंश्योरेंन्स के दरवाजे आपके लिए खुले हुए हैं। इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं का भरोसा इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि आज भी देहातों में इंश्योरेन्स के प्रति लोगों में जागरुकता का खासा अभाव है। हालांकि जब से इंश्योरेन्स कम्पनियों ने छोटे शहरों और कस्बों की ओर रुख किया है, तब से काफी हद तक लोग इंश्योरेन्स को सही मायनों में समझने लगे हैं। लेकिन कम सर्विस और पहुंच के अभाव में अभी भी अधिकतर लोगों को इंश्योरेन्स की उतनी जानकारी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। ऐसे पिछड़े क्षेत्रों में इंश्योरेन्स बेचने और वहां के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने, उन्हें जागरुक करने के लिए सभी इंश्योरेन्स कम्पनियों को कर्मठ और योग्य लोगों की जरूरत रहती है। एक कम्पनी के ट्रेनिंग मैनेजर अजय कुमार बताते हैं कि 'एशियाई देशों में बहुत कम लोग इंश्योर्ड हैं, जबकि आज हर किसी को हाई रिस्क सेफ्टी की जरूरत है। एक सर्वे के अनुसार, हमारे देश में कुल बीस प्रतिशत लोग इंश्योर्ड थे। आज यह आंकड़ा बढ़कर करीब तीस से बत्तीस प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में इंश्योरेन्स सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। वर्ष 2000 तक भारत में काफी कम कम्पनियां इस सेक्टर से जुड़ी थीं, जबकि आज करीब 47 कम्पनियां लाइफ इंश्योरेन्स और जनरल इंश्योरेन्स से जुड़ी हैं, जिनमें लाइफ इंश्योरेन्स करने वाली कम्पनियों की संख्या ज्यादा है। इसके अलावा कुछ बैंक भी इस सेक्टर से जुड़ चुके हैं। इधर विदेशी कम्पनियों ने भी अपने व्यवसाय जमाने शुरू कर दिए हैं।

यदि आप भी मार्केटिंग से जुड़े हैं या जुड़ना चाहते हैं तो इंश्योरेन्स में आपके लिए अपार संभावनाएं हैं। इंश्योरेन्स सेक्टर में आपने कोई कोर्स किया हो अथवा नहीं, आप इस क्षेत्र में पदार्पण कर सकते हैं। यही एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप बिना किसी स्पेशल कोर्स के भी कम से कम बतौर एजेन्ट आगे बढ़ सकते हैं। किसी कम्पनी में बतौर एजेन्ट काम शुरू करना पहली सीढ़ी है, लेकिन जैसे-जैसे बिजनेस यानी आपका टारगेट पूरा होता जाता है, वैसे-वैसे प्रमोशन भी होता जाता है। इस क्षेत्र में किसी भी पद पर प्रमोशन के लिए कम से कम एक साल मिलता है। इसका मतलब यह हुआ कि कोई व्यक्ति हर वर्ष प्रमोशन की सीढ़ी चढ़ सकता है।

दूसरे सेक्टरों की अपेक्षा इंश्योरेन्स सेक्टर एकदम भिन्न है। दूसरे सेक्टरों में जहां काम करने के घंटे निर्धारित होते हैं, इसमें टाइम की कोई पाबंदी नहीं होती, बस आपको ग्राहक से अपनी डीलिंग के हिसाब से चलना पड़ता है। इस सेक्टर में मेहनती और ईमानदार वर्कर्स की बेहद कद्र होती है। इसके लिए जो लोग इस क्षेत्र में अपनी कम्पनी के अधिकतम टारगेट या उससे अधिक का बिजनेस देते हैं, कम्पनी उनको तरह-तरह के आकर्षक और कीमती पुरस्कारों के अतिरिक्त देश-विदेश यात्रा का मौका देती है। इस क्षेत्र में लड़के -लड़कियां दोनों ही अपना भविष्य संवार सकते हैं।

स्कॉलरशिप - कुछ संस्थानों में एससी/एसटी तथा विकलांग और कुछ में पिछड़ा वर्ग को स्कॉलरशिप का प्रावधान है। संबंधित संस्थानों के अपने नियम हैं।

नौकरी के अवसर - इंश्योरेन्स एंड मैनेजमेंट के लोग इंश्योरेन्स, बैकिंग, शेयर बाजार तथा इंश्योरेन्स सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में नौकरी तलाश कर सकते हैं। जिन लोगों ने कोई कोर्स नहीं किया है, वे भी बतौर एजेन्ट या आईएसओ या बीडीओ या एक्जीक्यूटिव इस क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

एजुकेशन लोन - उम्मीदवार संस्थान की प्रवेश स्वीकृति के उपरान्त एजुकेशन लोन ले सकते हैं। लगभग सभी बैंक इसके लिए लोन प्रदान करते हैं। अधिकतम दस लाख तक का लोन मिल सकता है।

वेतन - इंश्यारेंस से संबंधित कोर्स करने वाले व्यक्ति को पन्द्रह हजार से पचास हजार (फ्रेशर की स्थिति में) तथा चालीस से दो लाख तक अनुभव और कोर्स के हिसाब से प्रतिमाह मिल जाते हैं।

करियर की अपार संभावनाएं
होटल मैनेजमेंट

होटल इंडस्ट्री सीधे तौर पर पर्यटन से जुड़ी है, परन्तु पर्यटकों का आना ही काफी नहीं होता, उन्हें मिलने वाली सुविधाएं भी काफी महत्वपूर्ण होती हैं। उनकी गुणवत्ता के आधार पर ही पर्यटकों को इस ओर आकर्षित किया जा सकता है। इसके अलावा बढ़ते औद्योगीकरण ने भी होटल व्यवसाय को तेजी से बढ़ाने में मदद की है।

उदारीकरण के विस्तार में यह निश्चित है कि अर्थव्यवस्था की मजबूती इस क्षेत्र को भी नई ऊंचाइयां देगी। पर्यटन और होटल इंडस्ट्री की जुगलबंदी से न सिर्फ देश में, बल्कि विदेश में भी रोजगार के बेशुमार अवसर सामने आ रहे हैं। भारत की होटल इंडस्ट्री के लिए इसे स्वर्ण युग ही कहा जाएगा और इसमें करियर बनाने वालों के लिए यह अपार संभावनाओं का समय है।

यह ग्लैमर से भरपूर ऐसा पेशा है, जिसमें अच्छे व प्रशिक्षित लोगों की फिलहाल कमी है। कहने को तो अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी रोजगार तलाशने वालों की कमी नहीं है, किन्तु ऐसे लोगों की कमी है, जो इस पेशे के लिए जरूरी योग्यताओं पर खरे उतरते हों। भारत में बढ़ रही व्यावसायिक गतिविधियों का आलम यह है कि यहां के होटलों में कमरे खाली नहीं मिलते। एशिया प्रशांत क्षेत्र में होटल इंडस्ट्री के विकास के मामले में भारत का नम्बर चीन के बाद दूसरा है। एक अनुमान के अनुसार भारत में होटलों में 1,10,000 से भी अधिक कमरे हैं। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक पिछले साल 41 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए और इस साल के रुझान को देखते हुए लगता है कि यह संख्या एक करोड़ को भी पार कर जाएगी। देशी भ्रमणकारियों की भी बड़ी संख्या है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल, भारत के आंकड़े कहते हैं कि बिजनेस ट्रैवल के मामले में भारत का स्थान 18वां है और इस दशक में इसके पांचवें स्थान पर पहुंचने की उम्मीद है। इन बातों के आईने में यह साफ नजर आता है कि होटल मैनेजमेंट कोर्स करके इस क्षेत्र में करियर बनाना एक समझदारी भरा निर्णय हो सकता है।

होटल इंडस्ट्री में कैसा काम

होटल इंडस्ट्री में बतौर प्रशिक्षु कार्य करने से लेकर प्रबंधक बनने तक अनुभव व कार्य कौशल के कई चरणों से होकर गुजरना होता है। यह उम्मीदवार को तय करना पड़ता है कि किस विभाग के कार्य में उसकी विशेष रुचि है और आने वाले समय में उसका लक्ष्य क्या है। यह उसकी व्यक्तिगत योग्यता और व्यक्तित्व पर निर्भर करेगा कि उसे कैसा अवसर मिल पाता है। वैसे किसी भी होटल में प्रबंधक व तमाम विभागों की अलग-अलग जिम्मेदारियां होती हैं। कुछ पर नजर डालते हैं-

प्रबंधक

होटल के प्रबंधक इस बात के लिए जिम्मेदार होते हैं कि उनका होटल सुचारू रूप से चले और लाभ कमाए। महाप्रबंधक तो इस बारे में अपनी योग्यता का इस्तेमाल करते हैं कि वित्त की स्थिति ठीक रहे, कर्मचारी अतिथियों को स्तरीय सेवा प्रदान करने के साथ-साथ संस्थान के नियमों का भी पालन करें, हाउसकीपिंग ठीक हो, खाने का स्वाद व क्वालिटी ठीक हो, होटल की आंतरिक साज-सज्जा उच्च कोटि की हो इत्यादि। अलग-अलग विभागों के सहायक प्रबंधक अपने विभागों के कार्य पर निगरानी रखते हैं। बड़े होटलों में तो रेजिडेंट मैनेजर भी होते हैं।

फ्रंट ऑफिस

फ्रंट ऑफिस में बैठने वाले कर्मचारी होटल में आने वाले अतिथियों का स्वागत करते हैं। यहां रिसेप्शन होता है, सूचना डेस्क होता है, अतिथियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था देखने वाले होते हैं और बेलकैप्टन, बेल बॉय और डोरमैन होते हैं। ये लोग अतिथियों का सामान उनके कमरे में पहुंचवाने से लेकर उनको सूचनाएं भिजवाने का कार्य करते हैं।

फूड एंड बेवरेज (एफ एंड बी)

इस विभाग में तीन ईकाइयां होती हैं- पाकशाला यानी किचन, स्टीवर्ड विभाग और फूड सर्विस विभाग। इस विभाग के मैनेजर और कर्मचारी मिल कर इस विभाग की जिम्मेदारियों को निपटाते हैं। खाना बनाने से लेकर परोसने तक का काम यहां होता है। इससे जुड़ी हर चीज का रख-रखाव करना होता है।

हाउसकीपिंग

किसी भी होटल को उम्दा किस्म की देखभाल की जरूरत होती है। हाउसकीपिंग विभाग सभी कमरों, मीटिंग हॉल, बैंक्वेट हॉल, लाउंज, लॉबी, रेस्तरां इत्यादि की साफ-सफाई की जिम्मेदारी उठाता है। हर चीज करीने से दिखनी चाहिए, यह इस विभाग के काम करने का मूलमंत्र है। यह होटल का बेहद महत्त्वपूर्ण विभाग है और 24 घंटे काम करता है। इसमें पालियों में काम होता है।

मार्केटिंग विभाग

आज होटल में उपलब्ध सेवाओं व सुविधाओं की मार्केटिंग होटल मैनेजमेंट का अहम पहलू है। यह विभाग संभावित ग्राहकों की जरूरतों के लिहाज से पैकेज तैयार करता है और उन्हें बेचता है। इनकी काबिलियत का ही प्रत्यक्ष लाभ होटल को मिलता है। बेहतर पैकेजिंग से आकर्षित होकर जितने ग्राहक आते हैं, वे होटल को न सिर्फ बिजनेस देते हैं, बल्कि दूसरों को भी बताते हैं।इन सबके अलावा होटल में भी अन्य वे विभाग होते हैं, जो दूसरे संगठनों या कंपनियों में होते हैं, जैसे अकाउंट्स, सिक्योरिटी, मेंटेनेंस इत्यादि। अब आपको तय करना है कि एक कामयाब करियर होटल मैनेजमेंट की चुनौतियों को स्वीकार करना है कि नहीं। इंडस्ट्री तो अपनी जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित लोगों को अवसर देने के लिए तैयार है।

पढ़ाई व प्रशिक्षण

अब सवाल यही उठता है कि होटल इंडस्ट्री में काम करने के लिए कहां से क्या पढ़ा जाए तथा कैसा प्रशिक्षण प्राप्त किया जाए? इस विषय में पढ़ाई करने के लिए सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर पीजी कोर्स तक उपलब्ध हैं, जिन्हें अलग-अलग संस्थान कराते हैं। होटल मैनेजमेंट कोर्स कराने वाले सरकारी संस्थान हैं और निजी संस्थान भी। सरकारी संस्थानों में अभ्यर्थी संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिला लेते हैं और निजी संस्थानों में साक्षात्कार व अंक प्रतिशत के आधार पर चयन किया जाता है। निजी संस्थानों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को अपनी सुविधा और सामर्थ्य के मुताबिक संस्थान का चयन करना चाहिए। सरकारी संस्थान बुनियादी सुविधाओं के मामले में तो बेहतर हो सकते हैं, किन्तु उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कोई तरीका नहीं है। फिर भी सरकारी तंत्र के अपने लाभ हैं।

बहरहाल, निम्न पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं -

- बेकरी एंड कन्फेक्शनरी/होटल रिसेप्शन एंड बुक कीपिंग/रेस्तरां एंड काउंटर सर्विस में एक वर्षीय डिप्लोमा
- होटल मैनेजमेंट में तीन वर्षीय डिप्लोमा
- होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी में चार वर्षीय स्नातक डिग्री
- होटल मैनेजमेंट में तीन वर्षीय बीएससी
- हॉस्पिटेलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में तीन वर्षीय बीए
- इंटरनेशनल होटल्स में दो साल का पीजी डिप्लोमा
- हॉस्पिटेलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में दो साल की एमएससी
- होटल एंड केटरिंग मैनेजमेंट में छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स

योग्यता

इन पाठ्यक्रमों को करने के लिए किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 10वीं/ 12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए।

नौकरी के अवसर

होटल मैनेजमेंट कोर्स करने वालों के लिए कई विकल्प हैं-

- होटल एवं हॉस्पिटेलिटी उद्योग में मैनेजमेंट प्रशिक्षु।
- होटलों में किचन मैनेजमेंट या हाउसकीपिंग मैनेजमेंट।
- एयरलाइन केटरिंग एंड केबिन सर्विसेज।
- होटल एवं अन्य सर्विस सेक्टर में गेस्ट या कस्टमर रिलेशन एक्जिक्यूटिव।
- फास्ट फूड चेन।ल्लरिसोर्ट मैनेजमेंट।
- क्रूज शिप होटल मैनेजमेंट, ल्लगेस्ट हाउसेज।
- हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन एंड केटरिंग।
- रेलवे या बैंक या बड़े संस्थानों में केटरिंग या कैंटीन।
- स्वरोजगार

वेतन

कोर्स पूरा करने के बाद नौकरी के तमाम अवसर हैं, जिनमें अपनी रुचि और दक्षता के आधार पर करियर बनाया जा सकता है। इनमें शुरुआती स्तर पर 12,000 रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक का स्टाइपेंड मिलता है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद नियमित नौकरी मिल सकती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ेगा और कुशलता आएगी, वेतन उसी अनुपात में बढ़ता जाएगा, जो लाखों में भी हो सकता है।

व्यक्तिगत गुण

इस पेशे में रुचि रखने वालों के लिए सबसे जरूरी तो यह है कि उनका व्यक्तित्व आकर्षक हो। उनमें ऐसी बात हो कि उससे उनका दोस्ताना रवैया झलके। उनके करीब आते ही सामने वाला इस बात के लिए न हिचके कि वह उनसे मदद मांगे कि नहीं। व्यक्ति ऐसे होने चाहिए कि उनसे शालीन खुलेपन की सुगंध आए। वे अपनी जिम्मेदारियों को समझें, न कि टालमटोल और दूसरों पर डालने की प्रवृत्ति के मारे हों। काम को मिलजुल कर करने का हौसला रखते हों तो क्या कहने। किसी भी मसले पर तरतीब से सोचने की क्षमता हो और प्रशासनिक दक्षता भरपूर हो। इनके अलावा स्वस्थ हों और किसी भी समय कार्य करने के लिए तत्पर हों। आत्म-विश्वास और हर काम की बारीकियों को समझने और उसे अपेक्षानुसार करने का गांभीर्य भी होना चाहिए उन सबमें, जो इस स्वागत सत्कार के संसार में अपनी पहचान बनाने की हिम्मत रखते हों। बताने की जरूरत नहीं कि होटल में आने वाला हर गेस्ट खास होता है। लिहाजा उसकी हर बात को गंभीरता से लेना होता है और उसे समझदारी से संभालना होता है। काम के दबाव में भी आपके चेहरे पर मुस्कान होनी चाहिए, ऐसा इंडस्ट्री के पंडित कहते हैं। यदि ऐसा कुछ आप में है तो कोई वजह नहीं कि कोई आपको नकार दे।

अंगदान दिवस पर रिम्स में एसओटीटीओ का कार्यक्रम, मौके पर दो लोगों ने लिया ऑर्गन डोनेट करने का संकल्प

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। भारतीय अंगदान दिवस के पर स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाईजेशन झारखंड द्वारा फकटर रांची में अंगदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए. कार्यक्रम की शुरूआत विशेष वृक्षारोपण अभियान से हुई. इस अभियान की विशेषता यह रही कि ऐसे पौधों के तनों का रोपण किया गया, जिनसे एक नया पौधा विकसित हो सकता है. यह पहल अंगदान के संदेश 'एक जीवन से अनेक जीवनों को नई आशा' के प्रतीक स्वरूप किया गया. वृक्षारोपण कार्यक्रम में रिम्स के निदेशक प्रो डॉ दीपेंद्र कुमार सिन्हा, चिकित्सा अधीक्षक प्रो डॉ हिरेंद्र बिरुआ, अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी, क्रिटिकल केयर प्रभारी प्रो डॉ प्रदीप भट्टाचार्या, नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ प्रज्ञा पंत घोष, एसओटीटीओ नोडल पदाधिकारी डॉ मनीषा कुजूर तथा रिम्स नर्सिंग कॉलेज के आनंद कुजूर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुई.

पौधारोपण कर अंगदान का दिया संदेश

पौधारोपण मौके पर रिम्स के निदेशक ने कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है. एक व्यक्ति का लिया गया अंगदान का संकल्प कई गंभीर रूप से बीमार मरीजों को नया जीवन दे सकता है. समाज में अंगदान से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों को दूर करना समय की आवश्यकता है. उन्होने कहा कि समाज में अंगदान को लेकर जागरूकता बढ़ाकर ही हम अधिक से अधिक लोगों को इस जीवनदायी अभियान से जोड़ सकते हैं. भारतीय अंगदान दिवस हम सभी के लिए यह संकल्प लेने का अवसर है कि हम स्वयं भी अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच अपनाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें.

अंगदान को लेकर किया नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत

इसके उपरांत रिम्स नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं सैनिटरी इंस्पेक्टरों द्वारा अंगदान जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया. यह प्रस्तुति ट्रॉमा सेंटर, यूरोलॉजी ओपीडी तथा न्यूरोसर्जरी ओपीडी परिसर में आयोजित की गई. नाटक के माध्यम से अंगदान से जुड़े मिथकों का खंडन करते हुए ब्रेन स्टेम डेथ, अंगदान की आवश्यकता तथा समाज में इसकी महत्ता का प्रभावी संदेश आमजन तक पहुंचाया गया.

अंगदान दिवस के अवसर पर क्विज का आयोजन

भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर रिम्स क्विज सोसाइटी के सहयोग से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में एमबीबीएस, बीडीएस एवं नर्सिंग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अंगदान जागरूकता विषय पर अपनी रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का मूल्यांकन रचनात्मकता, विषय की अवधारणा तथा प्रस्तुतीकरण के आधार पर किया गया. इस विजेता प्रतिभागियों को ट्रामा एवं क्रिटिकल केअर इंचार्ज डॉ प्रदीप भट्टाचार्य, यूरोलॉजी विभाग के हेड डॉ अरशद जमाल, नेफ्रोलॉजी विभाग के हेड डॉ प्रज्ञा पंत एवं डॉ मनीषा कुजूर द्वारा सम्मानित किया गया. इसके अलावा नुक्कड़ नाटक में उत्कृष्ट अभिनय करने वाले दो छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति स्वरूप सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया. भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान दो व्यक्तियों ने स्वेच्छा से अंगदान का संकल्प भी लिया. इस अवसर पर उन्हें स्मृति-चिह्न के रूप में ऐसे पौधे भेंट किए गए, जिन पर अंगदान प्रतिज्ञा के लिए एक क्यूआर कोड अंकित था. इस अभिनव पहल का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को क्यूआर कोड स्कैन कर अंगदान की शपथ लेने के लिए प्रेरित करना तथा 'एक संकल्प से अनेक संकल्प' की श्रृंखला तैयार करना है.

झारखंड में इंटर पास स्टूडेंट्स को केंद्र सरकार से मिलेगी छात्रवृत्ति

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। केंद्र सरकार वर्ष 2026 में इंटरमीडिएट करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए सेंट्रल सेक्टर स्कॉलरशिप स्कीम फॉर कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी के तहत प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये देगी. इस स्कीम के तहत झारखंड के 1878 विद्यार्थियों का कोटा निर्धारित किया गया है. इस बाबत झारखंड एकेडमिक काउंसिल के अध्यक्ष डॉ नटवा हांसदा ने केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) सहित राज्य के सभी सरकारी विवि के कुलपति को पत्र भेजकर इस स्कीम के तहत अधिक से अधिक विद्यार्थियों से आवेदन कराने के लिए संबंधित कॉलेजों को दिशा-निर्देश देने का आग्रह किया है.

इन विद्यार्थियों को मिलेगी छात्रवृत्ति

अध्यक्ष ने कहा कि पिछले वर्ष प्रचार-प्रसार नहीं होने के कारण झारखंड का कोटा रिक्त रह गया. अध्यक्ष ने कहा है कि इस स्कीम के तहत वैसे विद्यार्थी, जो वर्ष 2026 में इंटरमीडिएट कला, वाणिज्य व विज्ञान की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हों. साथ ही टॉप 20 परसेंटाइल के अंतर्गत आते हों. वैसे सभी मेधावी विद्यार्थियों को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, नयी दिल्ली के द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान किया जाना है. छात्रवृत्ति संबंधी विस्तृत जानकारी नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर उपलब्ध कराया गया है. विद्यार्थी स्वयं पर लॉगिन कर अपना आइडी बना कर डाटा जमा कर सकते हैं.

छात्रवृत्ति का भुगतान डीबीटी के माध्यम से

छात्रवृत्ति का भुगतान केंद्र द्वारा डीबीटी के माध्यम से सीधे किया जायेगा. संबंधित विद्यार्थी को अपना मोबाइल नंबर, ई-मेल आइडी, अंक पत्र, अपने बैंक का खाता विवरणी, आधार संख्या के साथ-साथ इंटरमीडिएट का रोल नंबर व रोल कोड (एक साथ 10 डिजिट में) लिखना है. डॉ हांसदा ने कहा है कि वर्ष 2024 के वैसे पूर्ववर्ती विद्यार्थी, जो पिछले वर्ष पोर्टल पर आवेदन कर चुके हैं, रिन्युएल के लिए अपना आवेदन कर सकेंगे. अध्यक्ष ने कहा कि छात्रवृत्ति भुगतान होने या नहीं होने पर किसी प्रकार का दावा जैक स्वीकार नहीं करेगा.

मारवाड़ी कॉलेज में जीईईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम, 35 विद्यार्थियों का पहला बैच तैयार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रांची स्थित मारवाड़ी कॉलेज में इंफोसिस फंडेड लर्नेट स्किल्स के सहयोग से ग्रेजुएट एम्प्लॉयबिलिटी इनहांसमेंट ट्रेनिंग कार्यक्रम का सफल संचालन किया जा रहा है. 21 दिनों का यह पूर्णतः निःशुल्क रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रेजुएशन पास-आउट एवं इस वर्ष ग्रेजुएशन पूरा करने वाले (फाइनल ईयर) विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित कर उन्हें जॉब-रेडी बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है. कार्यक्रम के तहत 3 और 4 अगस्त को सेमिनार, करियर काउंसलिंग और करियर रेडीनेस टेस्ट का आयोजन किया गया, जिसमें 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. चयन प्रक्रिया के बाद 35 विद्यार्थियों का पहला बैच तैयार किया गया है, जिसकी नियमित कक्षाएं 5 अगस्त से शुरू होंगी. 21 दिनों के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कम्युनिकेशन स्किल्स, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, एप्टीट्यूड एवं लॉजिकल रीजनिंग, रिज्यूम बिल्डिंग, इंटरव्यू प्रिपरेशन और वर्कप्लेस एटीकेट सहित रोजगार से जुड़े आवश्यक कौशलों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा. इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न कंपनियों की चयन प्रक्रिया के लिए पूरी तरह तैयार करना है. कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक प्रतिभागी को पूर्णतः निःशुल्क ट्रेनिंग किट भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिसमें नोटबुक, प्रशिक्षण पुस्तक, पेन और टी-शर्ट शामिल हैं. प्रशिक्षण और प्रशिक्षण सामग्री दोनों विद्यार्थियों के लिए पूरी तरह निःशुल्क हैं. प्रशिक्षण पूरा होने के बाद विद्यार्थियों को उनकी योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर बीपीओ, मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल, बीएफएसआई, कस्टमर सपोर्ट सहित विभिन्न क्षेत्रों की एंट्री-लेवल कंपनियों में इंटरव्यू और प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे अपने करियर की सफल शुरूआत कर सकें. कॉलेज प्रशासन के अनुसार, अगले बैच के लिए 10 अगस्त को नामांकन (एनरोलमेंट) किया जाएगा, जबकि नई कक्षाएं 13 अगस्त से शुरू होंगी. यह कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रेजुएशन पास-आउट और इस वर्ष ग्रेजुएशन पूरा करने वाले फाइनल ईयर के विद्यार्थियों के लिए संचालित किया जा रहा है. कार्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक विद्यार्थी मारवाड़ी कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

गलत राशन कार्ड तुरंत होंगे निरस्त, खाद्य सचिव का सख्त आदेश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड सरकार के खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने राज्य में गलत तरीके से राशन कार्ड का लाभ ले रहे अपात्र लाभुकों के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया है. भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा राइटफुल टारगेटिंग के तहत प्राप्त (केपीआई वी 2) के आधार पर चिन्हित संपन्न लोगों के राशन कार्ड तुरंत निरस्त करने का आदेश दिया गया है. इस संबंध में विभाग के सचिव राजेश कुमार शर्मा ने राज्य के सभी उपायुक्तों को पत्र जारी कर सख्त निर्देश दिये हैं. विभाग के सचिव ने पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि यदि केपीआई (वी 2) के आलोक में जिलों द्वारा त्वरित कार्रवाई नहीं की गयी, तो केंद्र सरकार द्वारा 31 अगस्त के बाद चिन्हित संख्या का अनाज आवंटन (कोटा) रोक दिया जायेगा. सचिव ने सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि वे कार्रवाई की साप्ताहिक समीक्षा करें. झारखंड के शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिये वर्ष 2026-27 के लिए नगर निकायों को 154 करोड़ रुपये की अनुदान राशि जारी की है. नगर विकास एवं आवास विभाग ने यह राशि नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों के बीच आवंटित की है. इस राशि का उपयोग सड़क, नाली और अन्य बुनियादी विकास कार्यों पर किया जायेगा. नगर निगमों में गिरिडीह नगर निगम को सर्वाधिक 4.90 करोड़ रुपये मिले हैं. रांची नगर निगम को 3.45 करोड़ रुपये लाख रुपये आवंटित किया गया है.

रांची में निकला चेहल्लुम का मातमी जुलूस, 'या हुसैन' की सदाओं से गूंजा शहर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। चेहल्लुम के मौके पर मंगलवार को शिया समुदाय ने मातमी जुलूस निकाला. यह जुलूस हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के 72 शहीदों की याद में निकला गया. इस जुलूस में हजारों अकीदतमंद शामिल हुए. जुलूस स्वर्गीय एडवोकेट सैयद यावर हुसैन के आवास अनवर आर्केड से शुरू हुआ, जो मेन रोड, अंजुमन प्लाजा चौक,उर्दू लाइब्रेरी, डेली मार्केट, ओल्ड टैक्सी स्टैंड, गांधी चौक,काली मंदिर चौक, चर्च रोड,विक्रांत चौक और कर्बला चौक होते हुए कर्बला पहुंचकर संपन्न हुआ. रास्ते में कई जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और अकीदतमंदों के लिए पेयजल, फल व अन्य सेवाओं की व्यवस्था की. जुलूस से पहले अनवर आर्केड में मजलिस-ए-गम का आयोजन भी किया गया. मजलिस को संबोधित करते हुए मुंबई से आए मौलाना नसीर आजमी, मौलाना सैयद गुलाम अली नकवी और मौलाना शबीह गोपालपुरी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ इंसानियत, सत्य और न्याय की रक्षा के लिए अपनी और अपने 72 साथियों की शहादत दी. उनका संदेश आज भी पूरी दुनिया को साहस, इंसाफ और मानवता की राह दिखाता है.

आयोजकों सैयद फराज अब्बास, इकबाल फातमी और नेहाल हुसैन सरियावी ने कहा कि आज के दौर में नफरत, हिंसा और आतंकवाद के खिलाफ इंसानियत, भाईचारे और मोहब्बत का संदेश फैलाने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि कर्बला का पैगाम किसी एक धर्म या समुदाय के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए है. मजलिस में शायरों ने मर्सिया और कलाम पेश कर कर्बला की दर्दनाक घटना को याद किया. फरमान जांगीपुरी, शबीह गोपालपुरी और अमीर गोपालपुरी के कलाम सुनकर माहौल गमगीन हो गया और कई अकीदतमंद भावुक हो उठे. चेहल्लुम के जुलूस को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा. रूट पर पुलिस बल तैनात किया गया था. यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई जगह ट्रैफिक डायवर्जन भी लागू किया गया. इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के महासचिव अकीलुर रहमान, पार्षद गुलाम सरवर रिजवी, कांग्रेस नेता आलोक कुमार दुबे, हाजी साहब अली समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे. वहीं सिटी एसपी निखिल राय, ट्रैफिक प्रभारी पवन कुमार और विभिन्न थाना प्रभारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की.

निगम की कार्रवाई के बाद आदिवासियों का छलका दर्द, बोले - अपनी ही जिला में हो गये बेघर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। नगर निगम अवैध रूप से सरकारी जमीन पर बसे लोगों पर लगातार कार्रवाई कर रही है. मंगलवार को खादगढ़ा बस स्टैंड के सामने चुनुवा टोली में कई लोगों के घर जेसीबी से तोड़ दिया गया. इस मौके पर आधा दर्जन से अधिक लोग बेघर हो गए. घर को टूटते देख लोगों के आंखों में दर्द स्पष्ट रूप से देखा जा रहा था. लोगों ने बताया कि 40-50 वर्षों की गाढ़ी कमाई की सारी पूंजी घर बनाने में लगा दी. आज नगर निगम गरीब देखकर घर उजाड़ने पहुंच गया. ऐसा हालात में न वार्ड पार्षद और न ही महापौर का सहयोग मिल रहा है, अपनी ही राजधानी में पराए बन गए. इसी घर से कई लोगों का शादी हुआ और कई बेटियां बहु बनकर चली गई, घर में नगर निगम का बिजली कनेक्शन, राशन कार्ड समेत अन्य जरुरी दस्तावेज होने के बाद भी आज एस्बेस्टस घरों को तोड़ दिया गया. मालूम हो पिछले दिनों नगर निगम ने घर खाली करने का अल्टिमेटम दिया था, इसे लेकर महापौर से भी मुलाकात की गई. बावजूद इसके आज नगर निगम ने जेसीबी से घर तोड़ दिए.

जेपीएससी परीक्षा घोटाले की जांच तेज : 5 जिलों में 18 ठिकानों पर एक साथ सीआईडी का छापा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग की अलग अलग प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच अब और तेज हो गई है. सोमवार को सीआईडी ने राज्य के पांच जिलों रांची, पलामू, हजारीबाग, बोकारो और धनबाद में एक साथ 18 ठिकानों पर छापेमारी की. यह कार्रवाई पहले से दर्ज मामले की जांच के सिलसिले में स्थानीय पुलिस की मदद से की गई.

अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त

सीआईडी की टीम ने छापेमारी के दौरान कई ऐसे दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं, जिन्हें जांच के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इनमें लैपटॉप, मोबाइल फोन, बैंक पासबुक और चेकबुक के अलावा कई अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी, एडमिट कार्ड, मार्कशीट और अन्य रिकॉर्ड शामिल हैं. अब इन सभी सामग्रियों की तकनीकी और फोरेंसिक जांच कराई जाएगी.

आरोपी की कई भर्ती परीक्षाओं में सफलता की जांच

सीआईडी की जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई है कि मामले का आरोपी अभय तिवारी कई सरकारी भर्ती परीक्षाओं में सफल हुआ था. इनमें वर्ष 2018 की पुलिस अवर निरीक्षक लिखित परीक्षा, वर्ष 2013 की भारतीय नौसेना भर्ती परीक्षा, वर्ष 2014 में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में सहायक पद की परीक्षा, आईआरबी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा, वर्ष 2018 की सीआरपीएफ हेड कांस्टेबल परीक्षा, वर्ष 2014 की नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की पीटी परीक्षा, जेएसएससी पीजीटी शिक्षक भर्ती परीक्षा, जेएसएससी सीजीएल परीक्षा, जेपीएससी की एसीएफ, एफआरओ, एफएसओ और 11वीं से 13वीं संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा शामिल हैं.

भर्ती एजेंसियों से मांगा गया पूरा रिकॉर्ड

सीआईडी ने संबंधित भर्ती और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों से आरोपी के आवेदन, चयन प्रक्रिया, मूल्यांकन रिकॉर्ड और अन्य जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा है. इन रिकॉर्ड की जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश होगी कि कहीं अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं में किसी संगठित नेटवर्क के जरिए गड़बड़ी तो नहीं की गई. जांच एजेंसी का कहना है कि जब्त किए गए दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच के साथ एजेंसियों से मिलने वाले रिकॉर्ड का मिलान किया जाएगा.

नहर टूटने से सैकड़ों किसानों की धान फसल पर संकट, आजसू ने प्रशासन से तत्काल मरम्मत की मांग

बुंडू। प्रखंड के बालिडिंग स्थित नया बांध (तालाब) से निकलने वाली शाखा नहर के टूट जाने से क्षेत्र के सैकड़ों किसानों की धान की फसल पर संकट गहरा गया है। आजसू पार्टी रांची जिला वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा ने प्रशासन से तत्काल नहर की मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि बालिडिंग स्थित नया बांध क्षेत्र के किसानों के लिए सिंचाई का प्रमुख एवं एकमात्र साधन है। इसी तालाब से निकलने वाली शाखा नहर के माध्यम से बालिडिंग, ताऊ, चिटोडीह, दलकीडीह सहित आसपास के दर्जनों गांवों के खेतों तक पानी पहुंचता है। हाल ही में हुई बारिश के कारण नहर बीच से टूट गई है, जिससे खेतों तक पानी का प्रवाह पूरी तरह बंद हो गया है। राजकिशोर कुशवाहा ने कहा कि धान की फसल इस समय सिंचाई पर निर्भर है। यदि शीघ्र नहर की मरम्मत नहीं कराई गई तो किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर जाएगा और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से अविलंब स्थल का निरीक्षण कर युद्धस्तर पर नहर की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि किसानों की फसल को बचाया जा सके और उन्हें संभावित नुकसान से राहत मिल सके।

भारी बारिश में दीवार गिरने से महिला की मौत

बुंडू (रांची): दशम थाना क्षेत्र के तैमारा गांव में मंगलवार को भारी बारिश के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। घर के पास बर्तन धो रही एक महिला पर अचानक कच्ची दीवार गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही गंभीर रूप से चोट लग गई। मृतका की पहचान आरती देवी (26 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि लगातार हो रही बारिश के बीच आरती देवी छाता लेकर अपने घर के पास बर्तन धो रही थीं। इसी दौरान बारिश के कारण घर की दीवार भरभराकर उनके ऊपर गिर गई, जिससे वह दीवार के मलबे में दब गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू कर महिला को मलबे से बाहर निकाला और इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही हादसे के कारणों की जांच भी की जा रही है। लगातार हो रही बारिश के बीच इस हादसे से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

दिशोम गुरु के सपनों का झारखंड बनाने का लिया संकल्प, कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर मंगलवार को रांची स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. इस दौरान उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प भी लिया गया. केशव महतो कमलेश ने कहा कि शिबू सोरेन का पूरा जीवन झारखंड की पहचान, जल-जंगल-जमीन की रक्षा, आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों और गरीब, किसान, मजदूर व वंचित लोगों के सम्मान की लड़ाई के लिए समर्पित रहा. उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन सिर्फ झारखंड राज्य के निर्माण तक सीमित नहीं थे, बल्कि वह ऐसा झारखंड बनाना चाहते थे, जहां हर व्यक्ति को सम्मान, न्याय और विकास का समान अवसर मिले. उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार दिशोम गुरु के विचारों और जनकल्याण की सोच को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है. कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा और महागठबंधन के सभी दल सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और संविधान की रक्षा के संकल्प के साथ राज्य के विकास में जुटे हैं. उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन के बताए रास्ते पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

केशव महतो कमलेश ने कहा कि आज देश में संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक संस्थाओं और सामाजिक सौहार्द को चुनौती देने की कोशिशें हो रही हैं. ऐसे समय में शिबू सोरेन के विचार और संघर्ष पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी उनके संघर्ष, त्याग और जनसेवा की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहेगी. श्रद्धांजलि सभा में मौजूद नेताओं ने भी शिबू सोरेन के जीवन और संघर्षों को याद किया. उन्होंने कहा कि झारखंड के इतिहास में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा और आने वाली पीढ़ियां उनके जीवन से प्रेरणा लेती रहेंगी. कार्यक्रम में रविन्द्र सिंह, सतीश पॉल मुंजनी, प्रदीप तुलस्यान, बिनय सिन्हा दीपू, कुमार गौरव, राकेश सिन्हा, किशोर सहदेव, राजीव रंजन प्रसाद, तोसिफ, सुरेंद्र सिंह, सोनल शांति, केदार पासवान, सुनील सिंह, उज्जवल तिवारी, पूर्णिमा पांडेय, मिर्दुल राज, मनोज कुमार, देबू चटर्जी, राकेश तिवारी, मृत्युंजय कुमार, शकील अख्तर, सुनील उरांव, मनीष राज, राजीव नारायण प्रसाद और प्रेम नाथ मुंडा समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे.

आवासीय विद्यालय में रसोई से कक्षा तक एसडीएम ने परखी व्यवस्थाएं

भोजन की गुणवत्ता सुधारने का दिया निर्देश, मेन्यू प्रदर्शित करने को कहा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तमाड़। प्रखंड परिसर स्थित अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका विद्यालय का मंगलवार को बुंडू अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) मोहन लाल मरांडी ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अनिल कुमार मिंज भी मौजूद थे। निरीक्षण से पूर्व विद्यालय परिसर में पद्मभूषण दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद एसडीएम विद्यालय के रसोईघर पहुंचे और छात्राओं के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने रसोई की साफ-सफाई एवं भोजन व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। इसके पश्चात एसडीएम विभिन्न कक्षाओं में पहुंचे और छात्राओं से बातचीत किये। उन्होंने प्रभारी प्राचार्या कुमारी मंजूलता को छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए कहा कि भोजन का निर्धारित मेन्यू शीघ्र विद्यालय की दीवार पर प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि छात्राओं के भोजन की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान प्रभारी प्राचार्या ने विद्यालय में शिक्षकों, सुरक्षा गार्ड एवं रसोइया की कमी की समस्या से एसडीएम को अवगत कराया। एसडीएम ने मामले पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बोरियो में छात्रों का फूटा गुस्सा, जेपीएससी पेपर लीक मामले में मशाल जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बोरियो/साहिबगंज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बोरियो इकाई के द्वारा नगर मंत्री निखिल राज के नेतृत्व में सैकड़ों छात्र झारखंड लोक सेवा आयोग में हुए गड़बड़ी, घोटाले व भ्रष्टाचार के विरोध में मशाल यात्रा निकाल कर सेटिंग गेटिंग नाय चलतो, 14 वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करों 60/40 नाय चलतो जैसे नारे लगाकर विरोध जताया। परीक्षा में पारदर्शिता लाने की बात कहीं ओर जेपीएससी व जेएससीए परीक्षाओं का सी बी आई जांच कर दोषियों पर कार्रवाई कर कड़ी से कड़ी सजा देने की बात कही। विभाग संयोजक संजय दादा ने कहा विद्यार्थी परिषद झारखंड के राजधानी रांची में जयपालसिंह मुंडा स्टेडियम पर चल रहे छात्र आंदोलन का समर्थन करता है। उन्होंने आगे कहा कि विगत ग्यारह दिनों से झारखंड के हजारों युवा में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं, किंतु राज्य सरकार का रवैया अत्यंत उदासीन है। युवाओं की आवाज सुनने के बजाय सरकार मौन धारण किए हुए है, जो उनके भविष्य के प्रति गैर- जिम्मेदारी को दशार्ता है। झारखंड लोक सेवा आयोग की बात करें तो प्रथम से लेकर हालिया परीक्षाएं ने राज्य गठन के बाद से अब तक कुल 14 सिविल सेवा परीक्षाएं ली हैं, जिनमें पहली बार JPSC 2003 से लेकर 11वीं से 13वीं और हाल ही में हुई 14वीं प्रारंभिक परीक्षा शामिल हैं।पेपर लीक और अनियमितताएं: लगभग हर बार प्रारंभिक परीक्षा के पेपर लीक, उत्तर पुस्तिकाओं में हेरफेर, और कट-ऑफ तय करने में भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। विशेष रूप से 2012 की JPSC परीक्षा में सीबीआई उइकने जांच करके कई अधिकारियों व उम्मीदवारों पर चार्जशीट दाखिल की थी। वहीं नगर मंत्री निखिल राज ने कहा झारखंड के मुख्यमंत्री ही शिक्षा मंत्री है जेपीएससी में हुए धांधली का उत्तरदाई कौन लेगा सरकार हर साल रोजगार देने का वादा किया था लेकिन अब छात्रों को बकरी और सुअर पालने को कह रही है और परीक्षा एंजेसियों के हाथों सारी सीटें बेचकर छात्रों को धोखा देने का काम कर रहा है एक तो क्लस्टर सिस्टम ला करके छात्रों के ऊपर ठोकने का प्रयास कर रहा है तो वहीं दूसरी ओर छात्रवृत्ति सरकार नहीं दे पा रही है इससे छात्रों का भविष्य अंधकार में की ओर बढ़ रहा है। माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना है कि झारखंड के युवाओं को मैया योजना नहीं रोजगार चाहिए और आप नहीं दे सकते हैं तो अपना त्यागपत्र दे दीजिए। कार्यकारिणी सदस्य सुरज तुरी ने कहा हम सरकार और संबंधित अधिकारियों से एक सीधा सवाल पूछना चाहता हैं जो विद्यार्थी बचपन से ही 10-12 साल तक दिन-रात मेहनत करके पढ़ाई करते हैं, अपने सपनों के लिए संघर्ष करते हैं, उनका क्या दोष है? जब परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो जाता है या पैसे के दम पर सीटें खरीदा जाता हैं, तब सबसे बड़ा नुकसान उन्हीं मेहनती युवाओं का होता है। अगर कुछ लोग लाखों रुपये देकर प्रश्नपत्र खरीद लें या भर्ती प्रक्रिया को भ्रष्ट बना दें, तो क्या इसका मतलब यह है कि मेहनत और ईमानदारी की कोई कीमत नहीं रह गया क्या सरकार युवाओं को यह संदेश देना चाहती है कि पढ़ाई और परिश्रम छोड़कर पहले पैसे कमाओ, फिर पैसे के दम पर नौकरी हासिल कर लो?

हम ऐसी व्यवस्था का विरोध करते हैं। हमारी मांग है कि सभी प्रतियोगी परीक्षाएँ पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी हों। पेपर लीक और भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, ताकि मेहनत करने वाले हर छात्र को उसका न्याय और अधिकार मिल सके। मोके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अंकित कुमार , विप्लव दास नगर सह मंत्री सौरव यादव, रौशन दत्त, प्रवीण कुमार, आर्यन्द्र कुमार, प्रेमानंद कुमार, छोटू कुमार,इन्द्रोजीत कुमार,दीपक सहित अन्य उपस्थित रहे।

मंडरो में 34 छात्र-छात्राओं को मिली नि:शुल्क साइकिल, शिक्षा से जुड़ने का बढ़ा उत्साह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

मंडरो/साहिबगंज। प्रखंड क्षेत्र के प्लस-2 उच्च विद्यालय भगैया में मंगलवार को राज्य सरकार की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत चार विद्यालयों के कुल 34 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण करने तथा साइकिल का सुरक्षित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। लाभुकों में उत्क्रमित मध्य विद्यालय कालाझोर के 2 छात्र एवं 5 छात्राएं, उत्क्रमित उच्च विद्यालय छोटा लक्ष्मी के 3 छात्र, उत्क्रमित मध्य विद्यालय चुनाखरी के 3 छात्र एवं 5 छात्राएं तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय घटियारी के 12 छात्र एवं 4 छात्राएं शामिल हैं। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मो. एहसान अहमद ने कहा कि सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना विद्यार्थियों की विद्यालय तक पहुंच आसान बनाने, नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा शिक्षा के प्रति उनका आत्मविश्वास मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में फ्रांसिस सोरेन, सलोनी मरांडी, सिलास मुर्मू, शहाबुद्दीन अंसारी सहित अन्य शिक्षाकर्मी एवं सभी लाभ ुक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रात के अंधेरे में चल रहा था अवैध चिरान का खेल, वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहेट/साहिबगंज। थाना क्षेत्र में अवैध लकड़ी के कटान और तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है. वही वन विभाग के कर्मी सिमलढाब गांव से 8 पीस कीमती शीशम का पाटरा और तैयार चौखट जब्त कर वन विभाग कार्यालय लाया गया है.मिली जानकारी के अनुसार वन परि क्षेत्राधिकारी को पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में प्रतिबंधित और कीमती पेड़ों के अवैध कटान की शिकायतें मिल रही थीं. वही बीते दिन सोमवार को विभाग को सूचना मिली कि तस्करों द्वारा शीशम की कीमती लकड़ी को पाटरा और चौखट की तैयार कर ठिकाने लगाने या अवैध रूप से बाजार में बेचने की तैयारी की जा रही है.सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने संदिग्ध ठिकाने पर दबिश दी.वन कर्मियों को आते देख मौके पर मौजूद लकड़ी तस्कर और घने क्षेत्र का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे, लेकिन टीम ने मौके से भारी मात्रा में चिरान की हुई लकड़ी अपने कब्जे में ले ली.वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, जब्त किए गए शीशम के 8 पीस पाटरा और चौखट की कीमत बाजार में हजारों रुपये आंकी जा रही है.जब्त की गई पूरी खेप को वन परिसर लाकर सीज कर दिया गया है.अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वन अधिनियम के तहत गांव के सिमलढाब निवासी गंगा साह के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है.फरार लकड़ी तस्करों को पकड़ने के लिए विभाग की टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं.वन विभाग ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले और अवैध लकड़ी का धंधा करने वाले माफियाओं को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा.

जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती में धांधली के विरोध में जेएलकेएम का धरना, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा आठ सूत्री ज्ञापन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। जेपीएससी जेएसएससी भर्ती प्रतियोगिता परीक्षा में गड़बड़ी धांधली के विरोध में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के जिलाध्यक्ष अर्जुन कुमार महतो के नेतृत्व में सदर अनुमंडल कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना प्रदर्शन में जेएलकेएम के नेता व युवा छात्र हाथों में बैनर पोस्टर तख्ती लेकर अपना विरोध प्रकट किया ओर प्रदेश सरकार खिलाफ नारेबाजी ओर दोषियों के ऊपर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को आठ सूत्री मांग पत्र सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि टीडीपीएल एजेंसी के चयन कार्यप्रणाली भूमिका की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच हो, जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करते हुए दोषी अधिकारियों व संबंधित व्यक्तियों के विरोध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, जिन परीक्षाओं में अनियमितता प्रमाणित हो उन्हें निरस्त कर पुनः निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से आयोजित किया जाए, भविष्य में जेपीएससी जेएसएससी की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का संचालन निजी एजेंसियों के बजाय आयोग स्वयं अपनी प्रत्यक्ष निगरानी में कराए, मुख्य परीक्षाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कर पारदर्शी मूल्यांकन वय साथ लागू की जाए, भर्ती परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए प्रभावी एवं कठोर कानून बनाया जाए, आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति पूर्णतः योग्यता निष्पक्षता एवं पारदर्शी प्रकिया के आधार पर की जाए, भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों का विश्वास बहाल करने हेतु व्यापक संस्थागत एवं प्रशासनिक सुधार किया जाए। वही धरना प्रदर्शन में कई वक्ताओं ने अपना अपना वक्तव्य दिया। मौके पर मो जावेद, नारायण महतो, हरीश कुमार महतो, मोतीलाल सरकार, जयप्रकाश महतो, श्रीराम कुमार साहा, भोला महतो, संजय कुमार साह, श्याम पासवान, अब्दुल कय्यूम, असित महतो, प्रकाश कुमार महतो, पवन ठाकुर, विपिन कुमार पंकज, कमलेश सिंह, दीपक कुमार साहनी, सुंदर पहाड़िया,सकरा मालतो, धर्मा मालतो, सकरा पहाड़िया, सहित अन्य थे।

पतना प्रखंड में भाजपा की मासिक बैठक संपन्न, बूथ संगठन मजबूत करने पर जोर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। भारतीय जनता पार्टी की पतना प्रखंड इकाई की मासिक बैठक मंगलवार को गोगो रेस्टोरेंट, पतना में प्रखंड अध्यक्ष कुणाल किशोर मंडल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा बूथ स्तर तक पार्टी की मजबूती सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया। बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू एवं जिला अध्यक्ष के निदेर्शानुसार आयोजित हुई। इसमें जिला उपाध्यक्ष होपना टुडू, चौकीदार हांसदा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मंडल मुर्मू, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष पंकज ठाकुर, प्रखंड उपाध्यक्ष सुंदरू माल्टो, अशोक ठाकुर, सोनिया देवी, प्रखंड मंत्री पूनम देवी, गीता देवी, ओमयो गोराई, कोषाध्यक्ष भोला शाह, मीडिया प्रभारी संजय शाह, संजय तुरी, प्रखंड प्रतिनिधि जितेंद्र तुरी, रोबिन दास, विष्णु शाह, तारिणी मंडल, उमेश बेसरा सहित सभी शक्ति केंद्रों के संयोजक, सह-संयोजक एवं प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रखंड के सभी बूथों पर संगठन को मजबूत करने के लिए बूथ समितियों का गठन शीघ्र पूरा करने का निर्णय लिया गया। साथ ही केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने, आम जनता को योजनाओं की जानकारी देने तथा गरीब एवं असहाय लोगों की हरसंभव सहायता और सहयोग करने का संकल्प लिया गया। बैठक के अंत में संगठन की मजबूती, कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर साहिबगंज में उमड़ा जनसैलाब, 15 हजार से अधिक लोगों ने दी श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा का अनावरण, सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा आयोजित

साहिबगंज। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक व पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरू वीर शिबू सोरेन की साहिबगंज में प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई। झामुमो के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा व दिशोम गुरू शिबू सोरेन की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में लगभग 15 हजार से अधिक लोग शामिल हुए। मुख्य अतिथि प्रदेश के राजस्व एवं परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ, राजमहल विधायक एमटी राजा, पूर्व मंत्री आलमगीर आलम व अन्य ने लगभग 12:32 बजे साक्षरता चौक एवं इसके उपरांत समाहरणालय समीप चिल्ड्रेन्स पार्क में दिशोम गुरू शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इसके उपरांत सिदो-कान्हू स्टेडियम में सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा हुई। मंत्री सहित अन्य अतिथियों ने स्टेडियम पहुंचते ही वहां स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद सभा स्थल पर दिशोम गुरू की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत श्रद्धांजलि सभा हुई। जिसकी अध्यक्षता झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने की। इस दौरान भाजपा नेता अमित सिंह, डॉ विजय, झामुमो जिला सचिव सुरेश टुडू, पूर्व विधायक ध्रुव भगत सहित राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा, झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा, पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, मंत्री दीपक बिरुआ ने सभा को संबोधित किया। झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू, नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान, चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, प्रो कमल महावार, अनवर अली, सुनील सिंह, राजेश चौधरी, सुनील सिन्हा, चतुरानंद पांडेय, प्रो नजरुल इस्लाम, केताबुद्दीन शेख, मो कलीमुद्दीन, बास्की यादव, संजीव सामु हेंब्रम, मो सरफराज, नगर परिषद उपाध्यक्ष विनीता देवी, जिप सदस्य रणधीर सिंह सहित झामुमो, कांग्रेस, भाजपा, आजसू, जदयू सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता व कार्यकर्ता व हजारों की संख्या में आम जन मौजूद थे।

ईमानदारी की मिसाल: जोंका स्कूल के शिक्षक रितेश कुमार ने लौटाया यात्री का मोबाइल

तीनपहाड़/साहिबगंज। हावड़ा से सुल्तानगंज-तारापुर जा रही हावड़ा-जमालपुर एक्सप्रेस से सफर के दौरान एक महिला का मोबाइल तीनपहाड़ स्टेशन के रेलवे ट्रैक पर गिर गया था। वहीं मोबाइल जोंका स्कूल के शिक्षक रितेश कुमार को मिला। रितेश कुमार साहिबगंज के रहने वाले हैं और हर रोज ड्यूटी के लिए तीनपहाड़ आते-जाते हैं।मोबाइल पर कॉल आने पर शिक्षक ने कॉल रिसीव कर बताया कि मोबाइल तीनपहाड़ रेलवे लाइन के पास मिला है। उन्होंने मोबाइल के मालिक को तीनपहाड़ आकर लेने की जानकारी दी।सूचना मिलने पर मोबाइल की मालिक रुक्मिणी देवी अपने लड़के के साथ तीनपहाड़ पहुंचीं और आरपीएफ ऑफिस के पास रितेश कुमार से मोबाइल प्राप्त किया।मोबाइल वापस मिलने पर रुक्मिणी देवी ने रितेश कुमार की ईमानदारी की सराहना की और धन्यवाद दिया।

मंत्री दीपक बिरुआ ने डायल-112 बोलेरो वाहनों को हरी झंडी दिखा किया रवाना

साहिबगंज। जिले में आम जनता की सुरक्षा और त्वरित पुलिस सहायता को और मजबूत करने के उद्देश्य से 04 अगस्त 2026, अपराह्न 12:00 बजे पुलिस केंद्र, साहिबगंज में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड सरकार के दीपक बिरुआ, मंत्री राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार तथा परिवहन विभाग, साहिबगंज जिला को डायल-112 सेवा हेतु उपलब्ध कराए गए नए बोलेरो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।डायल-112 की इन आधुनिक वाहनों के आने से जिले में आपातकालीन स्थिति में पुलिस की पहुंच और प्रतिक्रिया समय पर बेहतर होगा। इससे आम लोगों को त्वरित सहायता मिल सकेगी और कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सकेगा।कार्यक्रम में विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा, केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा, पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

बोरियो में बीएलओ को दावा-आपत्ति व सत्यापन कार्य का प्रशिक्षण, 5 अगस्त को प्रकाशित होगी मतदाता सूची का प्रारूप

बोरियो/साहिबगंज। प्रखंड कार्यालय के सभागार में राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मंगलवार को दावा, आपत्ति, नोटिश एवं सत्यापन के कार्य को लेकर बीएलओ व बीएलओ प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ नागेश्वर साव ने दिया। बीडीओ ने कहा कि पांच अगस्त को मतदाता सूची का प्रारूप का प्रकाशन होना है। पांच के बाद मतदाताओं का दावा, आपत्ति, नोटिश एवं सत्यापन की तिथि निर्धारित है। एसआईआर के बाद बीएलओ को दावा, आपत्ति के मामले से निपटना है। बीडीओ ने उपस्थित बीएलओ एवं बीएलओ प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। मौके पर बीएलओ रिक्ता देवी, विभा मंडल, मनोज गोस्वामी, रवि कुमार, मुकेश कुमार, शुन्तला हांसदा, पर्यवेक्षक जेई हीरू लाल हांसदा, अर्जुन साह, पैट्रिक हांसदा, बीपीआरओ परमानंद मंडल, कृषि पदाधिकारी जोसेफ टुडू, परमानंद मंडल आदि थे।

बरहेट में 'सबकी योजना, सबका विकास अभियान-2026' के तहत ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल का प्रशिक्षण संपन्न

बरहेट/साहिबगंज। बरहेट प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को सबकी योजना सबका विकास अभियान 2026 के तहत ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल का दो दिवसीय प्रशिक्षण का सम्पन्न हुआ । इस मौके पर प्रशिक्षण सत्र को ट्रेनर प्रभात कुमार सिंह , कोऑर्डिनेटर विमल हांसदा ने ग्राम के विकास के लिए योजना के चयन के लिए दल के लोगों को कई जानकारी दी । इसके साथ ही सबका योजना सबका विकास अभियान के तहत पंचायत से गांव तक के विकास कार्य को लेकर गांवो का विकास होगा । इस मौके पर विकास कुमार,मनोज मुर्मू, बासित मुर्मू, मानवेल हांसदा,थोमस मालतो,पंचायत सचिव परेशचन्द घोष व अन्य उपस्थित थे ।

उधवा में बीएलओ को एसआईआर का प्रशिक्षण, 5 अगस्त से प्रकाशित होगी ड्राफ्ट मतदाता सूची

उधवा/साहिबगंज। प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित सभागार में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह एसडीओ सदानंद महतो की अध्यक्षता में मंगलवार को एसआईआर से संबंधित एक दिवसीय बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया।इस दौरान एसडीओ श्री महतो ने सभी बीएलओ को एसआईआर की प्रक्रिया,फार्म भरवाने की विधि और समय-सीमा की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 5 अगस्त को सभी मतदान केंद्रों पर ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 5 अगस्त से आगामी 4 सितंबर तक कोई भी पात्र मतदाता अपना नाम जुड़वाने,कटवाने या संशोधन के लिए दावा-आपत्ति कर सकते है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 अक्टूबर को किया जाएगा। मौके पर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ जयंत कुमार तिवारी,प्रभारी जीपीएस संतोष कुमार सुमन,बाबूधन हेंब्रम, बीएलओ मीरा कुमारी,आशा कुमारी, शहनाज प्रवीण, संगीता देवी,सुशीला देवी सहित अन्य मौजूद थे।

साहिबगंज में एएसआई पर चाकू से हमला, आरोपी युवक गिरफ्तार

बरहरवा/साहिबगंज। साहिबगंज जिले के कोटालपोखर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात को ड्यूटी के दौरान एक एएसआई पर चाकू से हमला कर दिया गया. घटना में कोटालपोखर थाना में पदस्थापित एएसआई हेमंत यादव गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें तत्काल इलाज के लिए पाकुड़ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है.जानकारी के अनुसार, कोटालपोखर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि पलासबोना गांव में एक युवक नशे की हालत में हाथ में चाकू लेकर घूम रहा है और लोगों के बीच दहशत फैला रहा है. सूचना मिलने के बाद एएसआई हेमंत यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे.

युवक को पकड़ने के दौरान किया हमला: पुलिस जब आरोपी युवक को पकड़ने का प्रयास कर रही थी, तभी उसने अचानक एएसआई हेमंत यादव पर चाकू से हमला कर दिया. चाकू लगने से एएसआई गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिसकर्मियों ने तत्काल उन्हें घटनास्थल से निकालकर इलाज के लिए पाकुड़ सदर अस्पताल पहुंचाया.

आरोपी गिरफ्तार, जांच में जुटी पुलिस: घटना के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को मौके से गिरफ्तार कर लिया. मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

एसडीपीओ ने की पुष्टि: बरहरवा के एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि चाकू से हमला करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

उपायुक्त ने जन समाधान दिवस में सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के दिए निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

आवेदनों की निष्पक्ष जांच कर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश

पाकुड़ : समाहरणालय में मंगलवार को आयोजित जन समाधान दिवस के अवसर पर उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को नियमानुसार त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जन समाधान दिवस के दौरान नागरिकों ने व्यक्तिगत एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मामलों में आवेदन प्रस्तुत किए।प्राप्त आवेदनों में जाति प्रमाण-पत्र निर्गत करने, पंचायत सचिव के वार्षिक वेतनवृद्धि (इनक्रिमेंट), शिक्षा विभाग से संबंधित मामलों सहित अन्य जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों के आवेदन शामिल थे।उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने सभी मामलों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन की निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण जांच कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जन समाधान दिवस प्रशासन और आमजन के बीच संवाद, विश्वास एवं जवाबदेही को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी मंच है। इस पहल के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याओं को सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं, जिससे मामलों के निष्पादन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं गति सुनिश्चित होती है।उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों का निष्पादन पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता एवं गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ समय पर और सुगमता से प्राप्त हो सके। जिला प्रशासन का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक तक न्याय, सुविधा एवं सरकारी सेवाओं की समयबद्ध पहुँच सुनिश्चित करना है।

दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि पर जिला प्रशासन ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबाग: झारखंड के दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि (4 अगस्त) पर उपायुक्त श्री हेमन्त सती, उप विकास आयुक्त श्रीमती रिया सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमन कुमार एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों व आम जनता ने बरही चौक अवस्थित उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने कहा कि

भारतीय एवं झारखंड की राजनीति में देदीप्यमान आदरणीय दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि पर हम उन्हें नमन करते है। आदरणीय श्री शिबू सोरेन जी का योगदान झारखंड के इतिहास में अविस्मरणीय है, उन्होंने न केवल झारखंड को राजनीतिक पहचान दिलायी बल्कि सामाजिक क्षेत्र में उनके द्वारा किये गए कार्यों को प्रत्येक झारखंडवासी याद करता है। उनके बहुमूल्य योगदान को लेकर भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण सम्मान से नवाजा है। इस प्रथम पुण्यतिथि पर हमसब दिशोम गुरु आदरणीय श्री शिबू सोरेन जी को सादर नमन करते है।

उपायुक्त के निदेशानुसार समाहरणालय में आयोजित हुआ जनता दरबार

कई मामलों का हुआ ऑन द स्पॉट निष्पादन

धनबाद।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन के निर्देशानुसार मंगलवार को समाहरणालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी श्री नियाज अहमद एवं जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी श्री संजय कुमार झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं।जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों में पेंशन, आंगनवाड़ी सहायिका चयन, नियोजन, स्थानांतरण,जन्म प्रमाण पत्र, मारपीट, राशन कार्ड, सरकारी योजना, भूमि विवाद, पेयजल, सड़क, आवास सहित अन्य जनहित से जुड़े मामलों पर शिकायतें एवं आवेदन प्राप्त हुए।अधिकारियों ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया।अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन करें।

मालपहाड़ी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5 बाइक पर लदा 22 क्विंटल अवैध कोयला जब्त

पाकुड़: मालपहाड़ी ओपी क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में कोयला जब्त किया है। थाना प्रभारी के नेतृत्व में चलाए गए छापेमारी अभियान के दौरान रांगामटिया मोड़ के समीप पांच मोटरसाइकिलों पर लदे करीब 20 से 22 क्विंटल अवैध कोयले को पकड़ा गया।पुलिस के अनुसार, अवैध कोयले का परिवहन चोरी-छिपे किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान कोयला लदी सभी मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया गया। मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ कांड दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।मालपहाड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में अवैध कोयला खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। ऐसे अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रगतिशील महिला समिति ने ढिशुम गुरु शिबू शरण की पहली पुण्यतिथि पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बलियापुर /धनबाद। मंगलवार को प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी की डांगापाड़ा स्थित आवासीय कार्यालय में प्रगतिशील महिला समिति द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति की महिलाओं ने झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता एवं 'ढिशुम गुरु' के नाम से प्रसिद्ध शिबू शरण की पहली पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं ने शिबू शरण के सामाजिक योगदान एवं जन सेवा को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। उप प्रमुख आशा देवी ने कहा कि शिबू शरण का संघर्ष और समाज के प्रति समर्पण हमेशा प्रेरणा स्त्रोत रहेगा। श्रद्धांजलि सभा में सुनीता देवी, प्रतिमा देवी,अनीता देवी,सावित्री देवी, पंचमी देवी, जबा देवी,वृंदा देवी, ज्योत्सना देवी ,अष्टमी देवी सहित प्रगतिशील महिला समिति की कई सदस्य उपस्थित थीं।

बड़ी जीत: 15 दिनों से बंद बलियापुर-सिंदरी जलापूर्ति योजना बहाल, बकाए मानदेय का ऑन-द-स्पॉट भुगतान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बलियापुर/धनबाद: आखिरकार कर्मचारियों के हक की लंबी लड़ाई रंग लाई। श्री राम एजेंसी की वादाखिलाफी और पिछले एक साल से बकाए मानदेय के विरोध में पिछले 15 दिनों से 'बलियापुर सिंदरी पेयजल के तहत फेज-1' के कर्मचारी हड़ताल पर थे, जिससे क्षेत्र में जलापूर्ति पूरी तरह ठप थी। लेकिन जनप्रतिनिधियों की मजबूत एकजुटता और विशेष पहल के आगे आखिरकार एजेंसी और विभाग को झुकना पड़ा। मंगलवार को धनबाद समाहरणालय सभागार में उप विकास आयुक्त (डीडीसी), जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती शारदा सिंह, पीएचईडी विभाग के कार्यकारी अधिकारियों और श्री राम एजेंसी के बीच एक उच्चस्तरीय और अहम बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी एवं जिला परिषद सदस्य उषा महतो की विशेष नेतृत्व के साथ-साथ विधायक प्रतिनिधि सह मीडिया प्रभारी शीतल दत्ता, मुखिया प्रतिनिधि दिनेश सरखेल, एवं प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक ने जोरदार तरीके से कर्मचारियों का पक्ष रखा। जनप्रतिनिधियों के एकजुटता के चलते एजेंसी को बैकफुट पर आना पड़ा।

ऑन–द–स्पॉट हुआ चेक से भुगतान

वार्ता के दौरान ही एजेंसी ने मौके पर सभी कर्मचारियों को उनके बकाए मानदेय का चेक सौंप दिया। मौके पर भुगतान मिलते ही कर्मचारियों के चेहरे खिल उठे– किसी को 1,35,000 रुपये, किसी को 1,38,000 रुपये, तो किसी को 1,00,000 रुपये तक की बकाया राशि का भुगतान किया गया।

कर्मचारियों ने जताया आभार

अपनी मेहनत का हक मिलने के बाद कर्मचारियों में भारी उत्साह देखा गया। उन्होंने प्रमुख पिंकी देवी ,जिला परिषद सदस्य महोदय उषा महतो, विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता ,मुखिया दिनेश सरखेल ,प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक के प्रति दिल से आभार व्यक्त किया तथा तुरंत जलापूर्ति सेवा बहाल करने की घोषणा की। इस पहल से बलियापुर-सिंदरी क्षेत्र की जनता को पेयजल संकट से बड़ी राहत मिलने जा रही है।

जंगल से जननायक तक:दिशोम गुरु शिबू सोरेन की वह विरासत, जो हर झारखंडी के दिल में हमेशा जिंदा रहेगी

4 अगस्त 2026 केवल एक पुण्यतिथि नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा को याद करने का दिन बन गया। यह वह दिन है जब पूरा राज्य अपने महान क्रांतिकारी, जननायक और झारखंड आंदोलन के सबसे सशक्त चेहरों में से एक ढिशुम गुरु शिबू सोरेन को नम आंखों से याद कर रहा है। उनकी पहली पुण्यतिथि पर पूरे झारखंड में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित हुईं और विभिन्न जिलों में उनकी प्रतिमाओं का अनावरण किया गया।शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष, साहस और जनसेवा की लंबी यात्रा का प्रतीक रहा। उन्होंने आदिवासी, दलित, पिछड़े, किसान, मजदूर और वंचित समाज की आवाज को बुलंद किया। जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए उन्होंने दशकों तक आंदोलन किया और झारखंड की पहचान तथा अस्मिता की लड़ाई को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। लोग उन्हें केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि 'गुरुजी' कहते थे। यह संबोधन किसी पद या सत्ता से नहीं, बल्कि जनता के अटूट विश्वास, स्नेह और सम्मान से मिला था। गांव-देहात के साधारण लोगों से उनका गहरा जुड़ाव था। वे मानते थे कि राजनीति का उद्देश्य सत्ता नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना है। झारखंड राज्य के गठन के आंदोलन में उनका योगदान ऐतिहासिक माना जाता है। कठिन परिस्थितियों, संघर्षों और अनेक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया। यही कारण है कि उनका नाम झारखंड आंदोलन के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। आज जब उनकी प्रतिमाएं झारखंड के विभिन्न जिलों में स्थापित हो रही हैं, तो वे केवल पत्थर की मूर्तियां नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को संघर्ष, स्वाभिमान और जनसेवा की प्रेरणा देने वाले प्रतीक हैं। उनकी स्मृतियां हर उस व्यक्ति के दिल में जीवित हैं जिसने उन्हें जनता के बीच चलते, उनकी पीड़ा सुनते और उनके अधिकारों के लिए लड़ते देखा।दिशोम गुरु शिबू सोरेन आज भले ही हमारे बीच शारीरिक रूप से नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, उनका संघर्ष और झारखंड के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा। झारखंड की मिट्टी, जंगलों की हरियाली और यहां के लोगों की यादों में 'गुरुजी' हमेशा अमर रहेंगे। उनके संघर्ष और योगदान की कहानी समय के साथ और अधिक प्रेरणादायी बनती जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर डीसी ने की बैठक,पुलिस लाइन स्टेडियम में होगा मुख्य समारोह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

14 अगस्त की शाम भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का होगा आयोजन,15 अगस्त को शराब की दुकानें रहेंगी बंद

मेदिनीनगर (पलामू)

जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में मंगलवार को आगामी 15 अगस्त को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों संग बैठक आयोजित की गयी।समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि आजादी के पर्व को धूमधाम एवं भव्य तरीके से आयोजित करने में सभी पदाधिकारी अपना-अपना सहयोग दें।बैठक में बताया गया कि स्वतंत्रता दिवस का मुख्य कार्यक्रम का आयोजन पुलिस लाइन केंद्र मेदिनीनगर में प्रातः 9:05 बजे होगा।इसके बाद पलामू प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय,जिला समाहरणालय, नगर निगम,सहित जिले के समस्त कार्यालय,सदर अनुमंडल कार्यालय,जिला परिषद कार्यालय एवं रेड क्रॉस सोसाइटी परिसर में झंडोत्तोलन किया जायेगा।परेड में अर्धसैनिक बलों की अलग-अलग टुकड़ियां शामिल होगी।उपायुक्त ने सहायक नगर आयुक्त को स्टेडियम में कार्यक्रम को लेकर बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए।वहीं सड़कों पर बैरिकेडिंग व मेडिकल टीम के तैनाती सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की।बेहतर परेड के लिये टुकड़ियों को सम्मानित भी किया जायेगा।समारोह को लेकर पुलिस लाइन स्टेडियम सहित शहर के सभी चौक-चौराहों पर स्थापित प्रतिमाओं व मूर्तियों की साफ सफाई करने का निर्णय लिया गया।इसके साथ ही 15 अगस्त को जिले में शराब की दुकानों को बंद रखने का निर्णय लिया गया।वहीं स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर टाउन हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन करने का निर्णय लिया गया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कपील चौधरी,उप विकास आयुक्त सादात अनवर, सदर एसडीएम,सहायक समाहर्ता समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

धर्मेंद्र राम के मौत मामले में नाराज ग्रामीणों और परिजनों ने आक्रोश रैली निकाली

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू

छतरपुर, पलामू: देवगन डैम में मिले लापता युवक धर्मेंद्र राम के मौत मामले में अब तक न्याय नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों और परिजनों ने आज आक्रोश रैली निकाली। रैली छतरपुर ब्लॉक से थाना तक निकाली गई। रैली का नेतृत्व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी संदीप सरकार और प्रमुख गुड्डू यादव ने किया। प्रदर्शनकारियों ने ₹पुलिस प्रशासन मुदार्बादद₹ के नारे लगाए। नेताओं और परिजनों की मांग है कि मृतक के आश्रितों को सरकारी नौकरी दी जाए और मामले में दर्ज अभियुक्तों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उन्हें फांसी से कम कोई सजा स्वीकार नहीं है। उल्लेखनीय है कि 2 अगस्त को देवगन डैम से धर्मेंद्र राम का शव मिला था। परिजनों ने इसे हत्या बताया था। मामले की जांच जारी है।प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इस मामले में जल्द से जल्द संज्ञान लें। छत्तरपुर थाना प्रभारी सौरव चौबे ने बताया कि पुलिस द्वारा कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

दल से ऊपर उठा सम्मान: पहली पुण्यतिथि पर 'गुरुजी' को झुका पूरा झारखंड, भाजपा नेता बाबुधन मुर्मू ने भी अर्पित की श्रद्धांजलि

पाकुड़ : शिबू सोरेन की प्रतिमा अनावरण समारोह में दिखी राजनीतिक सौहार्द की तस्वीर, सभी दलों के नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पाकुड़: झारखंड आंदोलन के महानायक और ढिशुम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर मंगलवार को पूरे राज्य में श्रद्धा, सम्मान और भावनाओं का अनूठा संगम देखने को मिला। विभिन्न जिलों में उनकी प्रतिमाओं का अनावरण किया गया, जहां झारखंड मुक्ति मोर्चा और गठबंधन दलों के नेताओं के साथ-साथ विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। पाकुड़ में आयोजित कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बाबूधन मुर्मू ने भी गुरुजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। यह दृश्य केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि इस बात का प्रतीक बना कि शिबू सोरेन का व्यक्तित्व राजनीतिक सीमाओं से कहीं बड़ा था। कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा सहित गठबंधन के कई नेताओं और कार्यकताओं ने गुरुजी के संघर्षों और योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को जनआंदोलन बनाने तथा झारखंड की पहचान स्थापित करने में गुरुजी की भूमिका ऐतिहासिक रही है।श्रद्धांजलि समारोह में भाजपा नेताओं की उपस्थिति ने भी यह संदेश दिया कि ढिशुम गुरु शिबू सोरेन केवल किसी एक दल के नेता नहीं थे, बल्कि पूरे झारखंड के ₹गुरुजी₹ थे। उनके संघर्ष, विचार और जनसेवा के प्रति समर्पण ने उन्हें ऐसी पहचान दिलाई, जिसका सम्मान राजनीतिक मतभेदों से परे जाकर किया जाता है। पहली पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रमों ने यह साबित किया कि झारखंड की राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन राज्य के निर्माण और उसकी अस्मिता के लिए जीवन समर्पित करने वाले नेताओं के प्रति सम्मान सभी के मन में समान है। गुरुजी की स्मृतियां और उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना रहेगा।

प्री-बिड बैठक में विकास योजनाओं की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर जोर, संवेदकों को नगर अध्यक्ष ने दिए स्पष्ट निर्देश

अरविंद अग्रवाल, झारखंड उजाला, ब्यूरो पलामू

छतरपुर: नगर पंचायत छतरपुर के सभागार में मंगलवार को नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में प्री-बिड बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक में नगर पंचायत क्षेत्र में प्रस्तावित विकास योजनाओं के सफल क्रियान्वयन, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर योजनाओं को पूरा करने को लेकर नगर पंचायत प्रशासन एवं पंजीकृत संवेदकों के बीच विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में होने वाले प्रत्येक विकास कार्य का सीधा संबंध आम नागरिकों से है। इसलिए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी संवेदकों से अपील की कि वे नगर पंचायत की विकास योजनाओं को पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता और निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप पूरा करें। नगर अध्यक्ष ने कहा कि नगर पंचायत और संवेदकों के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से ही विकास योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से उतारा जा सकता है। हमारा उद्देश्य केवल योजनाओं को पूरा करना नहीं, बल्कि ऐसी गुणवत्तापूर्ण परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, जिनका लंबे समय तक नगरवासियों को लाभ मिल सके। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से खिलवाड़ करने अथवा योजनाओं के क्रियान्वयन में अनियमितता बरतने वालों के साथ किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। जनहित से जुड़े विकास कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी फैजूर रहमान अंसारी एवं संबंधित कनीय अभियंताओं ने संवेदकों को निविदा की शर्तों, तकनीकी मानकों, कार्य निष्पादन की गुणवत्ता, आवश्यक प्रक्रियाओं एवं निर्धारित समय-सीमा के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत द्वारा संचालित सभी विकास कार्यों में नियमों एवं निर्धारित मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाएगा तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में नगर प्रबंधक मुतुर्जा अंसारी, कनीय अभियंता पंकज कुमार गुप्ता एवं अभिषेक कुमार, लेखापाल सूरज कुमार पासवान, दयानंद महतो, वार्ड पार्षद अब्दुल जलील अंसारी, दीपक कुमार, पंकज कुमार, रामसेवक यादव, हाशिमुद्दीन अंसारी, संजय कुमार सिंह सहित अन्य वार्ड पार्षद, नगर पंचायत के कार्यालय कर्मी एवं बड़ी संख्या में पंजीकृत संवेदक उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी संवेदकों ने नगर पंचायत की विकास योजनाओं को गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप पूरा करने का आश्वासन दिया। नगर पंचायत प्रशासन ने सभी संवेदकों एवं संबंधित पक्षों से अपील की कि वे जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विकास योजनाओं के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय सहयोग प्रदान करें, ताकि छतरपुर को स्वच्छ, सुंदर, व्यवस्थित और बेहतर सुविधाओं से युक्त नगर बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा जा सके।

जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों ने अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि, संघर्ष, त्याग एवं सामाजिक न्याय के प्रति उनके ऐतिहासिक योगदान को किया नमन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पद्म भूषण दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा का भव्य अनावरण

पाकुड़ : झारखंड आंदोलन के प्रणेता, पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को पुराने डीसी कार्यालय स्थित में स्थापित उनकी आदमकद प्रतिमा का भव्य एवं गरिमामय वातावरण में अनावरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर दिशोम गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट किया। कार्यक्रम में विधायक महेशपुर प्रो. स्टीफन मरांडी, माननीय विधायक लिट्टीपाड़ा हेमलाल मुर्मू, उपायुक्त मेघा भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौरभ चंद्रा, परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमित कुमार, जिला नजारत उप समाहर्ता श्री विकास कुमार त्रिवेदी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दिशोम गुरु की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करने के साथ हुआ। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने झारखंड राज्य के निर्माण, आदिवासी समाज के उत्थान, जल-जंगल-जमीन की रक्षा, सामाजिक न्याय की स्थापना तथा वंचित एवं शोषित वर्गों के अधिकारों के लिए उनके आजीवन संघर्ष और ऐतिहासिक योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। विधायक महेशपुर प्रो. स्टीफन मरांडी ने कहा कि दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन ने अपना संपूर्ण जीवन झारखंड की अस्मिता, आदिवासी समाज के अधिकारों एवं सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए समर्पित कर दिया। उनका संघर्ष, दूरदर्शी नेतृत्व एवं जनसेवा आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि स्थापित की गई यह प्रतिमा झारखंड की गौरवशाली विरासत, संघर्ष और जनआकांक्षाओं की जीवंत पहचान है तथा नई पीढ़ी को अपने इतिहास एवं महान विभूतियों से जोड़ने का कार्य करेगी। विधायक लिट्टीपाड़ा हेमलाल मुर्मू ने कहा कि दिशोम गुरु का जीवन त्याग, संघर्ष और जनसेवा की अद्भुत मिसाल है। उन्होंने जल- जंगल- जमीन की रक्षा, आदिवासी समाज के सम्मान तथा झारखंड राज्य के निर्माण के लिए जो ऐतिहासिक योगदान दिया, वह सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को उनके आदर्शों एवं विचारों से प्रेरणा लेते हुए समरस, न्यायपूर्ण एवं विकसित झारखंड के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन जी का जीवन जनसेवा, सामाजिक समरसता, समानता एवं समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर संघर्ष का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की स्मृतियों को संरक्षित करना केवल उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को उनके विचारों, मूल्यों एवं आदर्शों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उनकी यह प्रतिमा आने वाले वर्षों तक समाज को सेवा, समर्पण, सामाजिक न्याय एवं जनकल्याण के मूल्यों की प्रेरणा देती रहेगी।इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने भी दिशोम गुरु के संघर्षपूर्ण जीवन, सादगी, जनसरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा झारखंड आंदोलन में उनके ऐतिहासिक योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने समाज में स्वाभिमान, सामाजिक चेतना एवं जनअधिकारों की मजबूत नींव रखी। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव झारखंडवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक पदाधिकारियों एवं नागरिकों ने दिशोम गुरु को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने तथा झारखंड के सर्वांगीण विकास, सामाजिक समरसता एवं जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम, उपाध्यक्ष समद अली, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य उपासना मरांडी, कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, बुद्धिजीवी, जनजातीय समाज के सदस्य, युवा एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में पाकुड़ के समाजसेवी लुत्फल हक को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पाकुड़।ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में दैनिक जागरण द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'जागरण अचीवर्स अवार्ड' समारोह में झारखंड के पाकुड़ जिले के प्रख्यात समाजसेवी लुत्फल हक को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया।उन्हें "Excellence in Social Impact" (सामाजिक प्रभाव में उत्कृष्टता) एवं "Social Impact Icon" (सामाजिक प्रभाव आइकॉन) सम्मान से नवाजा गया।यह सम्मान उन्हें समाज सेवा, जनकल्याण और मानवीय कार्यों के क्षेत्र में लंबे समय से किए जा रहे उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकुड़ के समाजसेवी को मिले इस सम्मान से जिले के लोगों में हर्ष और गौरव का माहौल है। समारोह में भारत के कई प्रतिष्ठित उद्योगपति, उद्यमी और विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में न्यू साउथ वेल्स (ऑस्ट्रेलिया) के ग्रुप जनरल मैनेजर फिल हेड्स तथा भारत मूल के सीनियर बिजनेस एनालिस्ट एस. जानकी रमन उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने सम्मानित व्यक्तित्वों की सराहना करते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोग पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा हैं।कार्यक्रम के सफल आयोजन में जागरण ग्रुप के उप्रबंधक शैलेन्द्र नाथ जेटली एवं बिपोय खटवानी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि जागरण अचीवर्स अवार्ड का उद्देश्य उन लोगों को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपने कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मिसाल कायम की है।पाकुड़ के समाजसेवी लुत्फल हक को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिले इस सम्मान ने न केवल जिले,बल्कि पूरे झारखंड का मान बढ़ाया है।उनके इस सम्मान को समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत लोगों के लिए प्रेरणादायी उपलब्धि माना जा रहा है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर प्रतिमा का अनावरण, डॉ. तनवीर आलम हुए शामिल

पाकुड़: दिशोम गुरु एवं झारखंड आंदोलन के महानायक आदरणीय शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर पाकुड़ के पुराना डीसी मोड़ स्थित उनकी प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव डॉ. तनवीर आलम ने भी भाग लिया तथा श्रद्धासुमन अर्पित कर दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में डॉ. तनवीर आलम ने कहा कि शिबू सोरेन जी का संपूर्ण जीवन झारखंड के लोगों के अधिकार, सम्मान और सामाजिक न्याय की लड़ाई को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु के संघर्ष, त्याग और जनसेवा की विरासत आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन जी ने झारखंड की पहचान, आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों तथा राज्य के समग्र विकास के लिए ऐतिहासिक योगदान दिया, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने लोगों से उनके आदर्शों पर चलने और सामाजिक सौहार्द, न्याय तथा जनसेवा के मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। समारोह श्रद्धा, सम्मान और भावनात्मक वातावरण के बीच संपन्न हुआ।

स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में पाकुड़ नगर परिषद की पहल, महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

पाकुड़ : स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ शहर के निर्माण के संकल्प के साथ पाकुड़ नगर परिषद ने शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में पहल तेज कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को नगर परिषद के उपाध्यक्ष राणा ओझा की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में स्वच्छता प्रबंधन एवं नगर विकास से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधान सहायक देवाशीष देव बर्मन, नगर मिशन प्रबंधक मनीष कुमार मिश्रा, विवेक कुमार, मधुसूदन साहा,पुरुषोत्तम पांडेय, शुभम परासर, संजय कुमार राय सहित वार्ड पार्षद निभा देवी, पूनम देवी, तनु दास, राखी सरदारनी, राजा अंसारी, विमल चंद्र राउत, रियाज अंसारी एवं अनिकेत गोस्वामी उपस्थित रहे। बैठक में नगर परिषद के सभी 21 वार्डों की स्वच्छता व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं एवं विकास योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष राणा ओझा ने कहा कि उत्कृष्ट स्वच्छता कार्यों के कारण पाकुड़ नगर परिषद को पूर्व में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सफाई व्यवस्था में आई कमियों एवं अव्यवस्थाओं को दूर करने के लिए सुनियोजित कार्ययोजना तैयार की गई है। नगर परिषद का लक्ष्य पाकुड़ को पुनः स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी एवं आदर्श नगर के रूप में स्थापित करना है। बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर के सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थलों की विशेष सफाई कराई जाएगी। हटिया परिसर की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाएगी तथा शहर के सभी तालाबों की चरणबद्ध सफाई अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक रविवार को एक तालाब की विशेष सफाई की जाएगी। प्रत्येक शुक्रवार मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जाएगा, वहीं सावन माह के निमित्त शिवालयों एवं अन्य धार्मिक स्थलों के आसपास भी नियमित सफाई एवं ब्लीचिंग का छिड़काव कराया जाएगा। शहर में जमा कचरे के नियमित उठाव एवं उसके समुचित निस्तारण की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर सर्वसम्मति बनी। उपाध्यक्ष राणा ओझा ने नगर परिषद के सभी पर्यवेक्षकों, स्वच्छता कर्मियों एवं जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नगरवासियों के सहयोग एवं सामूहिक सहभागिता से पाकुड़ नगर परिषद को स्वच्छ, सुंदर, स्वस्थ एवं आदर्श नगर के रूप में स्थापित किया जा सकेगा।

भाजपा नगर मंडल की बैठक में कलश रथ स्वागत, बूथ गठन और तिरंगा यात्रा की तैयारियों पर मंथन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

5 अगस्त को पाकुड़ पहुंचेगा संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज का कलश रथ, कार्यकताओं को दी गई जिम्मेदारियां

पाकुड़: भारतीय जनता पार्टी पाकुड़ नगर मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को नगर अध्यक्ष सोहन मंडल की अध्यक्षता में ब्याहुत धर्मशाला में आयोजित की गई। बैठक में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के कलश रथ के 5 अगस्त को पाकुड़ आगमन पर भव्य स्वागत, बूथ समितियों के गठन तथा प्रस्तावित तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए नगर अध्यक्ष सोहन मंडल ने कहा कि रांची से चलकर आने वाले कलश रथ का पाकुड़ में ऐतिहासिक और भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं को कार्यक्रम की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया तथा स्वागत व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही नगर क्षेत्र के शेष 13 सदस्यीय बूथ समितियों का गठन जल्द से जल्द पूरा करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक बूथ पर सक्रिय और सशक्त टीम का गठन आवश्यक है। बैठक में आगामी तिरंगा यात्रा को पूरे उत्साह और भव्यता के साथ आयोजित करने की रणनीति भी बनाई गई। कार्यकताओं को यात्रा की तैयारियों में जुटने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।बैठक में जिला उपाध्यक्ष शर्मिला रजक, जिला महामंत्री रूपेश भगत, पूर्व जिलाध्यक्ष अमृत पांडेय, अनुग्रहित प्रसाद साह, विवेकानंद तिवारी, धर्मेंद्र त्रिवेदी, मनीष पांडेय, अरुण चौधरी, मंडल अध्यक्ष सुशांत घोष, त्रिलोचन दास, कर्ण मंडल, बापन सरकार, मोहन सरकार, चमरू रजवार, प्रणव सिंह, सुशील साह, पार्वती देवी, रश्मि भगत, निधि गुप्ता, मनोरमा देवी, गोपी दुबे, जीतू सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वर्गीय सुजाता की स्मृति में रक्तदान व नेत्रदान शिविर आयोजित, 24 यूनिट रक्तदान एवं 3 ने लिया नेत्रदान का संकल्प

सिंदरी /धनबाद। स्वर्गीय विज्ञान शिक्षिका सुजाता की स्मृति में सोमवार को रोडाबांध स्थित ऑफीसर्स क्लब सिंदरी में रक्तदान एवं नेत्रदान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 24 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया जबकि 3 लोगों ने नेत्रदान करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वर्गीय सुजाता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया। गौरतलब है की 2 अगस्त 2021 को एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद रिम्स रांची में इलाज के दौरान विज्ञान शिक्षिका सुजाता का निधन हो गया था। इस दुखद घड़ी में उनके पति विकास कुमार ठाकुर ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए अपनी पत्नी की आंखें दान करने का निर्णय लिया था। उनके इस प्रेरणादायक कदम से समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ी। कार्यक्रम में महिलाओं ने रानी मिश्रा के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा का संचालन किया। वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान और नेत्रदान दोनों ही महादान है ,जो जरूरतमंदों को नया जीवन और नई रोशनी प्रदान करते हैं। उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान एवं नेत्रदान के लिए आगे आने की अपील की गई।

पाकुड़ पॉलिटेक्निक के 17 छात्रों का टीवीएस ब्रेक्स इंडिया लिमिटेड में चयन, 2.42 लाख का वार्षिक पैकेज

मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल शाखा के विद्यार्थियों को मिला रोजगार का अवसर, प्राचार्या ने नियुक्ति पत्र सौंपकर दी शुभकामनाएं

पाकुड़: सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थान, पाकुड़ के लिए गर्व का क्षण है। संस्थान के सत्र 2023-26 के मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखा के कुल 17 छात्रों का चयन प्रतिष्ठित कंपनी टीवीएस ब्रेक्स इंडिया लिमिटेड में हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को कंपनी की ओर से 2.42 लाख रुपये का प्रारंभिक वार्षिक पैकेज प्रदान किया जाएगा। इस उपलब्धि पर संस्थान में खुशी का माहौल है। प्राचार्या डॉ. सुषमा यादव ने चयनित छात्रों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उनकी सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी विद्यार्थी अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान और जिले का नाम रोशन करेंगे।प्राचार्या ने छात्रों से अनुशासन, ईमानदारी और लगन के साथ कार्य करने की अपील करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं चयनित छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों, अभिभावकों और संस्थान को दिया।संस्थान के शिक्षकों ने भी इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में अधिक से अधिक छात्रों को देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार दिलाने के लिए प्लेसमेंट गतिविधियों को और मजबूत किया जाएगा। 17 छात्रों का एक साथ चयन संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता और उद्योग जगत से बढ़ते जुड़ाव का प्रमाण माना जा रहा है।

पाकुड़ व्यवहार न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था का एसपी ने लिया जायजा, बिना सघन तलाशी किसी को प्रवेश नहीं देने का निर्देश

कोर्ट परिसर व न्यायाधीश आवास की सुरक्षा समीक्षा, CCTV, DFMD, HHMD, कैदी एस्कॉर्ट और सुरक्षा व्यवस्था का किया निरीक्षण

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़: जिले में न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह (भा.पु.से.) ने जिला व्यवहार न्यायालय परिसर एवं न्यायाधीशों के आवासीय परिसर का विस्तृत सुरक्षा निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ कोर्ट सुरक्षा नोडल पदाधिकारी-सह-पुलिसउपाधीक्षक (मुख्यालय) तथा कोर्ट सुरक्षा प्रभारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान एसपी ने न्यायालय परिसर में तैनात सुरक्षाबलों की गार्ड होशियार कार्रवाई कराई तथा कोर्ट परिसर की चारदीवारी, मोर्चा, कॉन्सर्टिना वायर, सीसीटीवी कैमरे, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (DFMD), हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर (HHMD), कोर्ट हाजत, कैदी एस्कॉर्ट व्यवस्था और प्रवेश द्वार पर की जा रही सघन तलाशी (Frisking) की गहन समीक्षा की।समीक्षा के बाद पुलिस अधीक्षक ने न्यायालय सुरक्षा में तैनात सभी पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को पुलिस मुख्यालय, झारखंड द्वारा जारी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) का अक्षरशः पालन करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रत्येक सुरक्षा पोस्ट से वायरलेस सेट के माध्यम से हर दो घंटे पर खैरियत प्रतिवेदन देने के निर्देश भी दिए गए।एसपी ने स्पष्ट कहा कि बिना सघन तलाशी किसी भी व्यक्ति को न्यायालय परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाए। तलाशी के दौरान यदि किसी के पास आग्नेयास्त्र, ज्वलनशील पदार्थ, नुकीले हथियार या अन्य प्रतिबंधित सामग्री पाई जाती है तो उसे हर हाल में परिसर में प्रवेश से रोका जाए।इसके अलावा कैदी एस्कॉर्ट में तैनात पुलिसकर्मियों को कैदियों को न्यायालय लाने और वापस ले जाने के दौरान विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। न्यायालय परिसर एवं ज्यूडिशियल कॉलोनी में तैनात सुरक्षाबलों को किसी भी परिस्थिति में अपनी संतरी पोस्ट नहीं छोड़ने की हिदायत दी गई। एसपी ने कोर्ट सुरक्षा नोडल पदाधिकारी एवं कोर्ट सुरक्षा प्रभारी को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन रोस्टर के अनुसार समय बदल-बदलकर न्यायालय परिसर और ज्यूडिशियल कॉलोनी का औचक निरीक्षण करें तथा सुरक्षा व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें। साथ ही आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए न्यायालय परिसर में अलर्ट सायरन लगाने का भी निर्देश दिया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षाबल तत्काल प्रभाव से कार्रवाई कर सकें।

पाकुड़ में 95 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ तीन गिरफ्तार, बंगाल से टोटो में लाई जा रही थी खेप

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

एसपी अनुदीप सिंह के निर्देश पर गठित SIT की बड़ी कार्रवाई, झिकरहटी गांव में छापेमारी कर शराब और ई-रिक्शा जब्त

पाकुड़: अवैध महुआ शराब के कारोबार पर नकेल कसते हुए पाकुड़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देश पर गठित विशेष छापेमारी दल (SIT) ने पाकुड़ (मुफस्सिल) थाना क्षेत्र के झिकरहटी गांव में छापेमारी कर 95 लीटर अवैध देशी महुआ शराब बरामद की और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि झिकरहटी निवासी सष्टी राजवंशी अपने घर से अवैध महुआ शराब की खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने देखा कि दो व्यक्ति AHANA कंपनी के टोटो (ई-रिक्शा) से प्लास्टिक जार उतारकर सष्टी राजवंशी के घर के अंदर ले जा रहे थे। पुलिस को देखते ही दोनों भागने लगे, लेकिन टीम ने पीछा कर अब्दुल हाकिम और जैनल आवेदिन, दोनों निवासी भसाईपाईकर, समशेरगंज (मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल) को पकड़ लिया।

हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में अस्थि एवं जोड़ सप्ताह का शुभारंभ, दुर्घटना से बचाव का दिया संदेश

हजारीबाग: शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसबीएमसीएच), हजारीबाग में मंगलवार को अस्थि एवं जोड़ सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सुनील वर्मा, अधीक्षक प्रो. (डॉ.) एच.के. सिंह तथा अस्थिरोग विभाग के प्रो. (डॉ.) पवन कुमार ने फीता काटकर किया।अस्थि एवं जोड़ सप्ताह का आयोजन 3 से 10 अगस्त तक पूरे देश में किया जाता है। इस दौरान लोगों को हड्डियों एवं जोड़ों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) पवन कुमार ने लोगों को हड्डियों को मजबूत रखने के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार, हरी सब्जियों और कैल्शियम युक्त भोजन के सेवन की सलाह दी। उन्होंने नियमित व्यायाम करने, बाइक चलाते समय हेलमेट पहनने तथा कार में आगे और पीछे बैठने वाले सभी लोगों को सीट बेल्ट लगाने की अपील की। साथ ही वाहन चलाते समय शराब का सेवन बिल्कुल नहीं करने का संदेश दिया।कार्यक्रम के तहत अस्पताल की ओपीडी में मरीजों के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। मरीजों को दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय बताए गए तथा कैल्शियम एवं विटामिन की गोलियों का वितरण भी किया गया।

कोर वोट बैंक पाला बदलने पर यूं ही मजबूर नहीं होता, ये बात बीजेपी को समझ आ गयी होगी

करण कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

बांकीपुर का जनादेश इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसी साधारण विधानसभा क्षेत्र का चुनाव नहीं था। यह वही इलाका है जहां मुख्यमंत्री आवास, राजभवन, विधानसभा, सचिवालय और सत्ता के तमाम केंद्र मौजूद हैं। भाजपा का प्रदेश मुख्यालय भी यहीं है। राजनीति में कोई भी दल जब किसी क्षेत्र को अपना अभेद्य किला और वहां के मतदाताओं को अपना स्थायी वोट बैंक मानकर निश्चिंत हो जाता है, तभी उसकी पराजय की पटकथा लिखनी शुरू हो जाती है। लोकतंत्र में जनता किसी की बंधक नहीं होती। वह सत्ता देती भी है और उसी सत्ता के अहंकार को ध्वस्त भी करती है। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव ने इसी लोकतांत्रिक सच को एक बार फिर स्थापित कर दिया है। तीन दशक से अधिक समय तक भाजपा के सबसे सुरक्षित गढ़ माने जाने वाले बांकीपुर में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत मात्र एक उम्मीदवार की जीत नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक मानसिकता की हार है जो यह मान बैठी थी कि कुछ सीटें और कुछ वोट हमेशा के लिए उसके नाम लिखे जा चुके हैं।

बांकीपुर का जनादेश इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसी साधारण विधानसभा क्षेत्र का चुनाव नहीं था। यह वही इलाका है जहां मुख्यमंत्री आवास, राजभवन, विधानसभा, सचिवालय और सत्ता के तमाम केंद्र मौजूद हैं। भाजपा का प्रदेश मुख्यालय भी यहीं है। लंबे समय से यह सीट भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व का प्रतीक रही है। ऐसे में यहां मिली हार सिर्फ सीट गंवाने की घटना नहीं, बल्कि सत्ता के आत्मविश्वास पर जनता का करारा प्रहार है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस परिणाम के बाद भाजपा के भीतर भी आत्ममंथन शुरू हो गया है। पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि इस चुनाव ने सबसे बड़ा संदेश यह दिया है कि कोर वोट बैंक भी अब स्थायी नहीं रहा। जिस मतदाता को वर्षों तक पार्टी का अटूट समर्थक माना जाता था, उसने इस बार अपना रुख बदलकर बता दिया कि लोकतंत्र में समर्थन किसी दल की जागीर नहीं होता। मतदाता अब काम, व्यवहार और नेतृत्व की शैली के आधार पर फैसला करेगा, न कि केवल पुराने राजनीतिक रिश्तों के आधार पर।

यह भी स्वीकार किया जा रहा है कि सत्ता का आत्मविश्वास कई बार अहंकार में बदल जाता है और यही चुनावी हार की सबसे बड़ी वजह बनता है। चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह कुछ नेताओं के बयान सामने आए, उन्होंने भी यह संदेश दिया कि पार्टी अपने गढ़ को लेकर अत्यधिक आश्वस्त थी। लेकिन जनता ने मतदान के जरिए यह बता दिया कि किसी भी मतदाता को हल्के में लेने की कीमत राजनीतिक दलों को चुकानी पड़ सकती है। इस हार के पीछे केवल विपक्ष की रणनीति नहीं, बल्कि भाजपा के भीतर की बेचैनी भी चर्चा का विषय बनी। उम्मीदवार चयन से लेकर संगठनात्मक बदलाव तक कई फैसलों को लेकर असंतोष की बातें सामने आईं। राज्य की सरकार में नेतृत्व परिवर्तन के बाद पार्टी के अंदर जिस तरह की खींचतान दिखाई दी, उसका असर भी चुनावी परिणामों में झलकता नजर आया। यह संदेश भी साफ है कि मजबूत संगठन होने का दावा तभी तक प्रभावी है, जब तक कार्यकर्ता और स्थानीय नेतृत्व स्वयं को सम्मानित महसूस करे।

मध्य प्रदेश के दतिया उपचुनाव ने भी लगभग यही कहानी दोहराई। भाजपा के लिए यह हार केवल कांग्रेस की जीत नहीं थी, बल्कि उसके सबसे प्रभावशाली नेताओं में रहे राज्य के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के राजनीतिक प्रभाव पर भी सवाल खड़े कर गई। स्थानीय स्तर पर लंबे समय से चली आ रही गुटबाजी, टिकट वितरण को लेकर नाराजगी और मिश्रा समर्थक संगठनात्मक ढांचे का पूरी तरह सक्रिय न हो पाना भाजपा पर भारी पड़ा। दूसरी ओर कांग्रेस ने स्थानीय असंतोष, बेरोजगारी, पलायन, खाद की कमी और कथित प्रशासनिक दबंगई जैसे मुद्दों को चुनाव का केंद्र बनाया। पार्टी ने चुनाव को सरकार के पक्ष या विपक्ष की लड़ाई बनाने के बजाय स्थानीय जनभावनाओं से जोड़ा और उसी का लाभ उठाया। साफ है कि मतदाताओं ने यहां भी यह संकेत दिया कि किसी एक नेता की राजनीतिक पकड़ या पुराने प्रभाव के भरोसे चुनाव नहीं जीते जा सकते।

वहीं बांकीपुर का संदेश केवल भाजपा तक सीमित नहीं है। यह उतनी ही बड़ी चेतावनी राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल (यू) और देश के अन्य राजनीतिक दलों के लिए भी है। वर्षों से बिहार की राजनीति जातीय समीकरणों और परंपरागत वोट बैंकों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन इस उपचुनाव ने संकेत दिया है कि मतदाता अब नए विकल्पों को भी मौका देने के लिए तैयार है। यदि कोई दल यह मानकर चल रहा है कि कोई विशेष जाति, वर्ग या क्षेत्र हमेशा उसके साथ रहेगा, तो बांकीपुर का परिणाम उस भ्रम को तोड़ने के लिए पर्याप्त है। बांकीपुर में प्रशांत किशोर की जीत का महत्व भी केवल एक सीट जीतने तक सीमित नहीं है। इस परिणाम ने यह संकेत दिया है कि बिहार की राजनीति में वर्षों से हावी जातीय ध्रुवीकरण के बीच अब विकास, शिक्षा, रोजगार, भ्रष्टाचार और पलायन जैसे मुद्दों के लिए भी राजनीतिक जगह बन रही है। भाजपा के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले शहरी गढ़ में जीत हासिल कर प्रशांत किशोर ने यह साबित किया कि यदि कोई राजनीतिक दल पारंपरिक वोट बैंक की राजनीति से आगे बढ़कर जनता के वास्तविक सरोकारों को लगातार उठाता है, तो वह स्थापित दलों के लिए चुनौती बन सकता है। यह जीत भाजपा के लिए सत्ता के अहंकार के खिलाफ चेतावनी है तो राजद के लिए भी संदेश है कि भाजपा विरोधी राजनीति पर उसका एकाधिकार अब निर्विवाद नहीं रहा। यानी यह परिणाम बिहार की राजनीति में एक नए राजनीतिक विकल्प के उभरने का संकेत भी देता है।

यही कारण है कि प्रशांत किशोर की जीत को केवल एक चुनावी सफलता के रूप में नहीं देखा जा रहा। इसे बिहार की राजनीति में एक नए राजनीतिक हस्तक्षेप के रूप में भी देखा जा रहा है। पिछली बार उन्हें चुनावी सफलता भले नहीं मिली थी, लेकिन उन्होंने शिक्षा, रोजगार, भ्रष्टाचार और पलायन जैसे मुद्दों को राजनीतिक बहस के केंद्र में लाने का प्रयास किया था। अब बांकीपुर की जीत ने उन मुद्दों को राजनीतिक वैधता भी प्रदान कर दी है। इस जीत का सबसे बड़ा प्रतीकात्मक महत्व यही है कि यह भाजपा के सबसे मजबूत माने जाने वाले शहरी गढ़ में हासिल हुई। इससे यह संकेत भी मिला कि यदि कोई तीसरी राजनीतिक ताकत जनता के बीच विश्वसनीय विकल्प बनती है, तो बिहार की परंपरागत द्विध्रुवीय राजनीति का समीकरण बदल सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बिहार इस समय नेतृत्व परिवर्तन और राजनीतिक पुनर्संरचना के दौर से गुजर रहा है। एक ओर पुराने राजनीतिक चेहरे अपने प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश में हैं।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि, नई दिल्ली।

मेष राशि :- शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं. आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है. आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं.

वृषभ राशि :- आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है. आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा. विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा. आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. रोमांस के लिहाज से रोमांचक दिन है. शाम के लिए कोई खास योजना बनाएँ और जितना हो सके, इसे उतना रुमानी बनाने की कोशिश करें.

मिथुन राशि :- आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं. लेकिन ऐसे खुदगर्ज और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इजाफा कर सकता है. जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है. वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा. जिन्हें भावनात्मक संबल की जरूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं.

कर्क राशि :- स्वयं को शांत बनाए रखें क्योंकि आज आपको ऐसी कई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनके चलते आप काफी मुश्किल में पड़ सकते हैं. खास तौर पर अपने गुस्से पर काबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है. धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे. अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ.

सिंह राशि :- आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा. कई लोग आपकी खासी तारीफ कर सकते हैं. धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं. परिवार के सदस्यों की जरूरतों को तरजीह दें. उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाकई उनका खयाल रखते हैं. आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे.

कन्या राशि :- अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं. जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है. अपनी महत्वाकांक्षाओं को ऐसे बड़ों के साथ बांटें, जो आपकी सहायता कर सकते हैं. रोमांस के नजरिए से आज जिन्दगी बहुत जटिल रहेगी. आज किए गए निवेश काफी फायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है.

तुला राशि :- दूसरों की इच्छाएँ आपकी अपना खयाल रखने की इच्छा से टकराएगी- अपने जज्बात को बांधे नहीं और वे काम करें जिससे आपको सुकून मिले. जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें. आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान खरीद सकते हैं. सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है.

वृश्चिक राशि :- मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी. आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है. आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा. दोस्तों का साथ राहत देगा. अपने प्रिय की गैर-जरूरी भावनात्मक मांगों के सामने घुटने न टेकें. नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी. रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए।

धनु राशि :- खयाली पुलाव पकाने में वक्त जाया न करें. सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें. आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इजाफा करेगा. किसी नजदीकी रिश्तेदार या मित्र की तरफ से मिली अच्छी खबर के साथ दिन की शुरूआत होगी. प्यार का भरपूर लुत्फ मिल सकता है. आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौके होंगे. अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते.

मकर राशि :- स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा दिन है. आपकी खुशमिजाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी. कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं. अपना कीमती वक्त अपने बच्चों के साथ गुजारें. यह सबसे बेहतर मरहम है. वे कभी न खत्म होने वाली खुशियों का स्रोत साबित होंगे.

कुम्भ राशि :- नियमित व्यायाम के माध्यम से वजन को नियन्त्रित रखें. खर्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी. कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा. अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है. मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा. दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा.

मीन राशि :- आपका सकारात्मक रुख आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा. अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है. शाम को रसोई के लिए जरूरी चीजों की खरीदारी आपको व्यस्त रखेगी. कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम खूबसूरत तोहफों और फूलों से भरपूर रहेगी. कार्यक्षेत्र के नजरिए से आज का दिन आपका है. इसका भरपूर फायदा उठाएँ. आज आप खुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे।

शुद्धि आंदोलन के अग्रदूत स्वामी श्रद्धानंद

भारत में आज जो मुसलमान हैं, उन सबके पूर्वज हिन्दू ही थे। उन्हें अपने पूर्वजों के पवित्र धर्म में वापस लाने का सर्वाधिक सफल प्रयास स्वामी श्रद्धानन्द ने किया। संन्यास से पूर्व उनका नाम मुंशीराम था। उनका जन्म 1856 में ग्राम तलवन (जिला जालन्धर, पंजाब) में एक पुलिस अधिकारी नानकचन्द जी के घर में हुआ था। 12 वर्ष की अवस्था में ही उनका विवाह हो गया। बरेली में आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानन्द के प्रवचनों से वे अत्यन्त प्रभावित हुए। उन्होंने अस्पृश्यता तथा जातीय भेदभाव के विरुद्ध प्रबल संघर्ष करते हुए अपनी पुत्री अमृतकला तथा पुत्रों पंडित हरिश्चन्द्र विद्यालंकार व पंडित इन्द्र विद्यावाचस्पति का अंतरजातीय विवाह किया। 1917 में संन्यास लेने पर उनका नाम स्वामी श्रद्धानन्द हो गया। स्वामी जी और गांधी जी एक दूसरे से बहुत प्रभावित थे। 30 मार्च, 1919 को चांदनी चौक, दिल्ली में रौलट एक्ट के विरुद्ध हुए सत्याग्रह का नेतृत्व स्वामी श्रद्धानंद जी ने ही किया। वहां सैनिकों ने सत्याग्रहियों पर लाठियां बरसायीं। इस पर स्वामी जी उनसे भिड़ गये। सैनिक अधिकारी ने उनका सीना छलनी कर देने की धमकी दी। इस पर स्वामी जी ने अपना सीना खोल दिया। सेना डर कर पीछे हट गयी।

स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लेने के कारण उन्हें एक वर्ष चार माह की सजा दी गयी। जेल से आकर वे अछूतोद्धार तथा मुसलमानों के शुद्धिकरण में लग गये। 1924 में शुद्धि सभा की स्थापना कर उन्होंने 30,000 मुस्लिम (मलकाना राजपूतों) को फिर से हिन्दू बनाया। इससे कठमुल्ले नाराज हो गये; पर स्वामी जी निर्भीकता से परावर्तन के काम में लगे रहे।

1924 में स्वामी जी अखिल भारत हिन्दू महासभा के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। मुसलमानों में देशप्रेम जगाने के लिए खिलाफत आन्दोलन के समय वे चार अप्रैल, 1919 को दिल्ली की जामा मस्जिद में भाषण देने गये। स्वामी जी ने हरिद्वार के पास 21 मार्च, 1902 को होली के शुभ अवसर पर ह्यगुरुकुल कांगड़ी की स्थापना की। इसके लिए नजीबाबाद (जिला बिजनौर, उ.प्र.) के चौधरी अमनसिंह ने 120 बीघे भूमि और 11,000 रु. दिये।

इसकी व्यवस्था के लिए स्वामी श्रद्धानंद जी ने अपना घर बेच दिया और सर्वप्रथम अपने दोनों लड़कों को प्रवेश दिलवाया। उन्होंने जालन्धर और देहरादून में कन्या पाठशाला की भी स्थापना की। जलियाँवाला बाग नरसंहार के बाद जब पंजाब में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन करने का निर्णय हुआ, तो भयवश कोई कांग्रेसी उसका स्वागताध्यक्ष बनने को तैयार नहीं था। ऐसे में स्वामी श्रद्धानन्द जी आगे आये और 1920 में अमृतसर में अधिवेशन हो सका। इसमें स्वामी जी ने हिन्दी में भाषण दिया। इससे पूर्व अधिवेशनों में अंग्रेजी में भाषण होते थे। इसी प्रकार भाई परमानन्द और लाला लाजपतराय जी निर्वासन के बाद जब स्वदेश लौटे, तो स्वामी जी ने लाहौर में उनका सम्मान जुलूस निकलवाया। स्वामी जी द्वारा प्रारम्भ परावर्तन का कार्य क्रमशः पूरे देश में जोर पकड़ रहा था। भारत के मुस्लिमों में अपने देश, धर्म और पूर्वजों का अभिमान जाग्रत होते देख कुछ मुस्लिम नेताओं ने उनके विरुद्ध फतवा जारी कर दिया। 23 दिसम्बर, 1926 को अब्दुल रशीद नामक एक कट्टरपन्थी युवक ने उनके सीने में तीन गोलियाँ उतार दीं। स्वामी जी के मुख से ह्यओम्ह्ल की ध्वनि निकली और उन्होंने प्राण त्याग दिये।

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे। भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है।

कमजोर मानसून तो महंगाई का लगेगा तड़का, अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि मानसून हमेशा सामान्य ही रहेगा यह सोचना अपने आप में गलत होगा। जिस तरह से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़ पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं। मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूवार्नुमानों को माने तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता।

बिहार के कलाकार का दुनिया भर में बजा डंका, फोर्ब्स बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज

एजेंसी

मुंगेर: बिहार की धरती से निकलकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परचम पूरी दुनिया में लहराने वाले अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है. जन-जागरूकता और सामाजिक संदेशों पर आधारित अपनी अनूठी रेत कलाकृतियों के लिए प्रसिद्ध मधुरेंद्र कुमार का नाम फोर्ब्स बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है. यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे बिहार और देश के लिए गौरव का विषय मानी जा रही है.

सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार का विश्व रिकॉर्ड: पटना स्थित 7, सर्कुलर रोड आवास पर आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, जनता दल (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने मधुरेंद्र कुमार को स्मृति-चिह्न, मेडल और वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया.

नीतीश कुमार ने दी शुभकामनाएं: इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मधुरेंद्र कुमार बिहार के पहले ऐसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के रेत कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी कला को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक जागरूकता अभियानों से जोड़कर लाखों लोगों तक सकारात्मक संदेश पहुंचाया है. उन्होंने मधुरेंद्र को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणा है.

जनकल्याणकारी योजनाओं को रेत पर उकेरा: समारोह में फोर्ब्स बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अंतरराष्ट्रीय सचिव टॉम वाशिंगटन ने बताया कि वर्ष 2005 से 2026 के बीच बिहार सरकार की विभिन्न राजनीतिक एवं प्रशासनिक यात्राओं, जैसे न्याय यात्रा, निश्चय यात्रा, समाधान यात्रा, प्रगति यात्रा और समृद्धि यात्रा के दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से मधुरेंद्र कुमार ने पूरे बिहार में 100 से अधिक विशाल रेत कलाकृतियों का निर्माण किया. इन्हीं रचनात्मक प्रयासों के आधार पर उन्हें प्रमाणपत्र संख्या FBWR00239 के तहत फोर्ब्स बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान दिया गया है.

रेत, पत्तों फल-सब्जियों और अनाज से उकेरी कला: विश्वविख्यात सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार का कला-सफर भी अपने आप में अनूठा है. उन्होंने अब तक 5,000 से अधिक सैंड स्कल्पचर एवं कोयले की राख से बनी कलाकृतियां, 4,000 से अधिक मार्बल, ग्रेनाइट, धातु, तांबा, पीतल और एल्यूमिनियम की मूर्तियां, 20,000 से अधिक लीफ आर्ट, 3,000 से अधिक फल एवं सब्जियों पर नक्काशी, 2,000 से अधिक प्लाईवुड एवं थर्मोकोल आधारित कलाकृतियां, 500 से अधिक अनाज के दानों से बनी कलाकृतियां और 1,000 से अधिक पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) आधारित कलाकृतियां तैयार कर समाज को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति का संदेश दिया है.

माता-पिता का झगड़ा शांत कराने गए बच्चे की धारदार हथियार से हत्या, आरोपी पिता फरार

एजेंसी

बिहार : बिहार के नवादा जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां कादिरगंज थाना क्षेत्र के अंदर बाजार मोहल्ले में माता-पिता का झगड़ा शांत कराने गए छह वर्षीय बच्चे की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई. आरोप है कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पिता सुधीर गोस्वामी फरार हो गया है. मृत बच्चे की पहचान आजाद कुमार के रूप में हुई है.

पिता को शांत कराने की कोशिश कर रहा था बच्चा

जानकारी के मुताबिक, सुधीर गोस्वामी अपने बेटे को सोमवार की सुबह बाजार लेकर गया था और खाना खिलाकर घर लौटा था. इसके बाद सुबह करीब 10:30 बजे सुधीर गोस्वामी और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई.माता-पिता का झगड़ा देख आजाद अपनी मां के पास पहुंचा और पिता को शांत कराने की कोशिश करने लगा. आरोप है कि इसी दौरान गुस्से में आकर सुधीर ने बच्चे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई.परिजन और आसपास के लोग घायल बच्चे को तुरंत नवादा सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. बेटे की मौत के बाद मां का रो-रोकर बुरा हाल है और परिजन गहरे सदमे में हैं. घटना के बाद गांव में भी दहशत का माहौल है.

आर्थिक तंगी और घरेलू विवाद की बात सामने आई

स्थानीय लोगों के अनुसार, सुधीर गोस्वामी और उसकी पत्नी गांव-गांव घूमकर सिंदूर, टिकली और महिलाओं के श्रृंगार का सामान बेचते थे. बताया जा रहा है कि आर्थिक परेशानियों के कारण घर में अक्सर तनाव रहता था. कुछ लोगों का यह भी कहना है कि पति-पत्नी के बीच आपसी शक को लेकर भी विवाद होता था. हालांकि पुलिस ने फिलहाल इन दावों की पुष्टि नहीं की है.

एफएसएल टीम ने घटनास्थल से जुटाए जरूरी साक्ष्य

इधर घटना की सूचना मिलते ही कादिरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की घेराबंदी कर दी. फॉरेंसिक (एफएसएल) टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जरूरी साक्ष्य जुटाए. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.पुलिस का कहना है।

छात्राओं का भविष्य संवार रही 'कलेक्टर दीदी', बिहार के इस आईएएस अधिकारी की अनोखी पहल

एजेंसी

वैशाली: मुझे आईएएस बनना है..यह सवाल लेकर छात्रा राजप्रिया वैशाली डीएम के पास पहुंची. डीएम ने छात्राओं के हर सवाल का जवाब दिया और उन्हें विस्तार से समझाया कि इसके लिए कैसे तैयारी करनी है. डीएम अपनी इस अनोखी पहल से जिले के नौनिहालों का भविष्य संवार रही हैं.

सराहनीय प्रशासनिक पहल: आमतौर पर किसी जिले के डीएम के कंधे पर पूरे जिले की जिम्मेदारी होती है और वे व्यवस्था को ही सुदृढ़ करने में व्यस्त रहते हैं. लेकिन वैशाली जिले की कमान एक ऐसी महिला अधिकारी के हाथ में है, जो व्यवस्था बेहतर बनाने के साथ-साथ बच्चों का मार्गदर्शन भी कर रही हैं.

कलेक्टर दीदी की क्लास: हम बात कर रहे हैं वैशाली डीएम वर्षा सिंह की, जो प्रत्येक सप्ताह समाहरणालय में बच्चों की क्लास लगाती हैं. यह पहल बच्चों को उनका लक्ष्य हासिल करने में कारगर साबित हो रही है. उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राएं हर शनिवार समाहरणालय में आयोजित होने वाली क्लास में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं.

सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा: वहां बच्चों के हर सवाल का जवाब और उनके डाउट्स कलेक्टर दीदी क्लियर करती हैं. इतना ही नहीं, बच्चे भी कलेक्टर दीदी की तरह ही आगे चलकर एक सफल आईएएस बनना चाहते हैं. इस क्लास में बच्चों की पढ़ाई से लेकर उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया जाता है.

छात्रों को मिल रहा भरपूर लाभ: खास बात यह है कि बच्चे भी कलेक्टर दीदी की क्लास का भरपूर फायदा उठा रहे हैं और डीएम की इस पहल की सराहना कर रहे हैं. बहरहाल आज भले ही यह एक छोटा सा प्रयास है, लेकिन आने वाले दिनों में इसका बड़ा असर देखने को मिलेगा.

अनुष्का प्रिया का अनुभव: छात्रा अनुष्का प्रिया ने बताया कि लोग कहते थे कि कलेक्टर का ओहदा बहुत बड़ा होता है. यह सुनकर यहां आने में भी डर लगता था. यहां आने के बाद पता चला कि हमारी कलेक्टर दीदी बहुत अच्छी और प्यारी हैं. वह बच्चों की बातों को बहुत अच्छे से सुनती और समझती हैं.

सफलता के मूल मंत्र: जिला पदाधिकारी वर्षा सिं ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सकारात्मक सोच, अनुशासन, धैर्य और निरंतर मेहनत सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं. उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता, यदि उसे पूरी ईमानदारी, लगन और मेहनत से हासिल किया जाए.

राजप्रिया को मिली दिशा: कलेक्टर दीदी के सामने छात्रों ने करियर के कन्फ्यूजन को लेकर खुलकर बात की. छात्रा राजप्रिया ने बताया कि कलेक्टर दीदी ने साफ तरीके से समझाया कि पढ़ाई कैसे करनी है. उन्होंने एनसीईआरटी की किताब पढ़ने के लिए कहा है और बताया कि बिना कोचिंग के भी तैयारी की जा सकती है.

डिजिटल माध्यमों का सही उपयोग: इसके साथ ही उन्होंने प्रतिदिन गुणवत्तापूर्ण समाचार-पत्र पढ़ने, समसामयिक घटनाओं पर विशेष ध्यान देने तथा डिजिटल माध्यमों का सकारात्मक उपयोग करते हुए ऑनलाइन अध्ययन करने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि आज के समय में स्मार्टफोन सही दिशा में उपयोग करने पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का प्रभावी साधन बन सकता है.

प्रशासनिक सेवाओं पर चर्चा: कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बड़ी उत्सुकता के साथ जिला पदाधिकारी से प्रश्न पूछे. इसके माध्यम से उन्होंने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रशासनिक सेवाओं और करियर निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं. जिला पदाधिकारी ने विद्यार्थियों को सैंपल प्रश्न-पत्र, नोटबुक एवं पेन भी उपलब्ध कराए, ताकि वे अपनी तैयारी को और बेहतर बना सकें.

संक्षिप्त खबरें

3675 करोड़ की लागत से पटना में यहां बनेगा 12 किमी लंबा एलिवेटेड-एटग्रेड रोड, बिहार सरकार ने केंद्र से मांगी मदद

पटना: राजधानी पटना में रोड कनेक्टिविटी को लगातार मजबूत किया जा रहा है. ऐसे में अब सरिस्ताबाद से दीदारगंज तक करीब 12 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड और एट-ग्रेड रोड बनाने की तैयारी चल रही है. इस परियोजना की अनुमानित लागत 3,675 करोड़ रुपये है. इसके पूरा होने से न्यू बाइपास, अनीसाबाद, 90 फीट, भूतनाथ रोड या पहाड़ी मोड़ के पास जाम से काफी हद तक छुटकारा मिल सकेगा.योजना को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी मिलते ही निर्माण का रास्ता साफ हो जाएगा. अभी परियोजना का मूल्यांकन जारी है. केंद्र ने बिहार सरकार से लगभग 1,600 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी देने का अनुरोध किया है. इसमें सिविल निर्माण लागत का 25 प्रतिशत, राज्य जीएसटी, निर्माण सामग्री पर सीग्नॉरेज शुल्क और अन्य मदों का खर्च शामिल है.इस परियोजना की सबसे बड़ी खासियत होगी दीदारगंज से मीठापुर बस स्टैंड के पहले तक बनने वाला 7.51 किलोमीटर लंबा सिक्स लेन एलिवेटेड कॉरिडोर. इसके अलावा स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए दोनों ओर टोटल 21.84 किलोमीटर लंबा सर्विस रोड बनाया जाएगा, ताकि आसपास की कॉलोनियों के लोगों को मुख्य सड़क तक पहुंचने में आसानी हो.सिर्फ एलिवेटेड रोड ही नहीं, बल्कि पूरी परियोजना मॉडर्न ट्रैफिक व्यवस्था को ध्यान में रखकर तैयार की गई है. इसमें 10 एंट्री और एग्जिट रैंप, दो फ्लाईओवर, पटना-गया रेलवे लाइन पर आठ लेन का रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), तीन छोटे पुल, चार लाइट व्हीकल अंडरपास और पांच किलोमीटर से अधिक लंबी नई जलनिकासी प्रणाली भी बनाई जाएगी. इससे ट्रैफिक के साथ-साथ पानी जमने की समस्या कम करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है.यह परियोजना हाइब्रिड वार्षिकी मॉडल (HAM) के तहत बनाई जाएगी. इसके तहत सरकार शुरूआती 40 प्रतिशत राशि खर्च करेगी, जबकि बाकी की 60 प्रतिशत राशि निर्माण एजेंसी लगाएगी. बाद में सरकार संचालन और रख रखाव की अवधि के दौरान 15 सालों में ब्याज सहित यह राशि एजेंसी को लौटाएगी.इस सड़क का सबसे बड़ा फायदा न्यू बाइपास के किनारे रहने वाली 10 लाख से अधिक आबादी को मिलेगा. अभी भारी गाड़ियों की वजह से सड़क पार करना जोखिम भरा होता है और कई प्रमुख चौराहों पर दिनभर लंबा जाम लगा रहता है. नई परियोजना पूरी होने के बाद ट्रकों और अन्य भारी गाड़ियों की आवाजाही आसान, सफर का समय घटेगा, ईंधन की बचत होगी और रोजाना लाखों यात्रियों को राहत मिलेगी. इस परियोजना से आने वाले सालों में पटना की ट्रैफिक व्यवस्था की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है.

पीएम मोदी से मिले नीतीश कुमार, बांकीपुर में एनडीए की हार के बाद मुलाकात बेहद अहम

पटना: जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है. नीतीश कुमार और पीएम मोदी की मुलाकात उस समय हो रही है, जब बीजेपी को पटना के बांकीपुर विधानसभा चुनाव में बड़ी हार मिली है. प्रशांत किशोर ने बीजेपी का किला ढहा दिया है. प्रधानमंत्री से नीतीश की मुलाकात की तस्वीर जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने सोशल मीडिया पर जारी की है. उन्होंने इस मुलाकात पर लिखा, 'जदयू के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष, राज्यसभा सांसद तथा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के साथ माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से संसद भवन स्थित उनके कार्यालय में आत्मीय मुलाकात का अवसर मिला.'इस दौरान बिहार सहित पूर्वोत्तर भारत के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई. इस मुलाकात के दौरान संजय झा के अलावा केंद्रीय मंत्री और जेडीयू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह भी मौजूद थे. तो उसी में भाग लेने के लिए दिल्ली गए हुए हैं लेकिन नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात को अहम माना जा रहा है. मुलाकात के माध्यम से एक मैसेज देने की कोशिश भी है, क्योंकि लंबे अर्से के बाद दोनों नेता एक दूसरे से मिले हैं. खासकर बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में मिली हार से एनडीए कार्यकताओं में मायूसी है.जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन की पारंपरिक सीट रही बांकीपुर में एनडीए को करारी शिकस्त दी है. बीजेपी प्रत्याशी नीरज सिन्हा को 19 हजार से अधिक मतों से हराया है.

बिहार के 10 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, पटना समेत कई शहरों में जलजमाव

पटना: बिहार में मानसून एक बार फिर पूरी तरह सक्रिय हो गया है. रविवार सुबह करीब 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक झमाझम बारिश हुई. इससे जहां किसानों के चेहरे खिल उठे, वहीं पटना समेत कई शहरों के विभिन्न इलाकों में भारी जलजमाव ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी. मौसम बदलने और तापमान गिरने से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है.पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले 24 घंटों में राजधानी सहित सभी जिलों में बादल छाए रहेंगे और रिमझिम वर्षा जारी रहेगी. राज्य के 10 जिलों अररिया, भोजपुर, बक्सर, कटिहार, किशनगंज, सारण और सिवान में भारी वर्षा का अनुमान है. वहीं समस्तीपुर, वैशाली और पश्चिम चंपारण जिले में अति भारी वर्षा को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है. अगले 48 घंटों में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री की गिरावट आ सकती है. सोमवार को पटना सहित 11 जिलों के अधिकतम तापमान में कमी आई, जहां पटना का अधिकतम तापमान 30.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं राज्य में सबसे अधिक तापमान सुपौल में 35.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. मानसून ट्रफ इस समय बीकानेर, दिल्ली, लखनऊ और पटना होते हुए मणिपुर की ओर गुजर रही है. इसके प्रभाव से अगले तीन-चार दिनों तक भारी वर्षा की गतिविधियां जारी रहेंगी.सावन की पहली सोमवारी को पटना, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और सुपौल, सहरसा में भारी बारिश से जलजमाव हो गया. सुबह की तेज बारिश से मौसम सुहावना रहा. राज्य के 25 जिलों में आंधी-पानी की स्थिति बनी रही और हवा की रफ्तार 30 से 40 किमी प्रति घंटा दर्ज की गई. क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, अगवानपुर के कृषि मौसम सेवा विभाग ने 33.1 मिमी वर्षा दर्ज की. दोपहर बाद बारिश थमने के बाद भी सड़कों पर पानी और कीचड़ के कारण लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. बीते 24 घंटों में सारण के अमनौर में सबसे ज्यादा 98.0 मिमी वर्षा हुई. इसके अलावा पूर्णिया के गौरा में 92 मिमी, कस्बा में 72 मिमी, सीतामढ़ी के सोनबरसा में 60 मिमी, रोहतास के तिलौथू में 59 मिमी और सिवान के भगवानपुर हाट में 53 मिमी बारिश दर्ज की गई.

बिहार में मां मुंडेश्वरी धाम के लिए हेली टूरिज्म का आगाज, स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार

एजेंसी

कैमूर: बिहार के कैमूर स्थित विश्व प्रसिद्ध मां मुंडेश्वरी धाम में हेली टूरिज्म योजना के अंतर्गत पहली बार सफलतापूर्वक हेलीकॉप्टर लैंड हुआ. इस उद्घाटन फ्लाइट में सवार श्रद्धालुओं ने सीधे मां मुंडेश्वरी के दरबार पहुंचकर पूजा-अर्चना की और दर्शन का लाभ उठाया. ऐतिहासिक धरती पर पहली बार हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है.

मुख्यमंत्री की बड़ी सौगात: गौरतलब है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद जब सम्राट चौधरी पहली बार कैमूर के दौरे पर आए थे, तब उन्होंने कई घोषणाएं की थीं. उन्हीं महत्वपूर्ण सौगातों में से एक मां मुंडेश्वरी धाम को हेलीकॉप्टर पर्यटन सेवा से जोड़ना था. इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य बिहार के धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देना है.

सुरक्षा के कड़े इंतजाम: वहीं पहली बार हो रही हेलीकॉप्टर लैंडिंग के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद और अलर्ट नजर आया. इन सुरक्षा व्यवस्थाओं के कारण उड़ानों के संचालन में किसी भी प्रकार की तकनीकी या व्यावहारिक दिक्कत नहीं आई.

यूनेस्को साइट का बड़ा प्लान: इस ऐतिहासिक मौके पर पटना से आई भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) अधिकारी मिहिर कुमार ने भी मुंडेश्वरी धाम का निरीक्षण किया. मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि सरकार का मुख्य ध्यान इस धाम का चौमुखी विकास करने पर केंद्रित है. उन्होंने बताया कि आने वाले सालों में इस ऐतिहासिक परिसर को यूनेस्को हेरिटेज साइट घोषित कराया जाएगा.

स्थानीय रोजगार और विकास: मिहिर कुमार ने कहा कि इस योजना से यहां देश-विदेश के पर्यटक आएंगे और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा. मंदिर के जितने भी ऐतिहासिक अवशेष टूटे या बिखरे हुए हैं, उन्हें पुरातत्व विभाग के नियमों के तहत सहेजा जाएगा. वैज्ञानिक तरीकों से इन प्राचीन धरोहरों को समेटने और सजाने का काम बहुत जल्द शुरू किया जाएगा.

किराया और बुकिंग प्रक्रिया: बता दें कि पटना से मां मुंडेश्वरी धाम तक का प्रति सीट किराया मात्र 6,000 रुपए निर्धारित किया गया है. यह विशेष हेलीकॉप्टर सेवा हर शनिवार और रविवार को पर्यटकों के लिए नियमित रूप से संचालित की जाएगी. यात्रा के लिए श्रद्धालु पर्यटन विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग आसानी से कर सकते हैं.

प्रशांत किशोर की जीत के पीछे 3 रणनीतिकार कौन? जिनकी मदद से नितिन नवीन के किले को ढहाया

एजेंसी

बिहार: सोमवार को बिहार की राजनीति में उलटफेर देखने के लिए मिला. जन सुराज के प्रशांत किशोर ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के किले को ढहा दिया और जीत दर्ज की. बीजेपी को उसके गढ़ में शिकस्त देकर प्रशांत किशोर ने ना सिर्फ एक चुनाव जीता, बल्कि बिहार की सियासत में एक नया संदेश लिख दिया है.

क्यों खास रहा बांकीपुर का नतीजा?

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बांकीपुर के मतदाताओं ने सिर्फ उम्मीदवार को वोट नहीं दिया, बल्कि उस बेबाक अंदाज, आक्रामक तेवर और खुलकर बोलने वाली छवि को भी समर्थन दिया है, जिसके साथ प्रशांत किशोर बिहार की राजनीति में अपनी नई जमीन तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं. बांकीपुर का ये नतीजा इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां से अब सिर्फ एक विधायक नहीं निकला है बल्कि बिहार की सियासत में एक नई राजनीतिक चुनौती ने दस्तक दे दी है.किसी भी चुनाव में जीत हार वोटर तय करते हैं. मुद्दों का गणित समीकरण को बनाता और बिगाड़ता है. लेकिन कामयाबी की हर कहानी लिखने के पीछे रणनीतिकारों की एक टीम जरूर होती है. प्रशांत की इस जीत में वैसे तो पूरी टीम की मेहनत लगी है, लेकिन तीन चेहरों के नाम प्रमुखता से लिए जा रहे हैं.

ये हैं तीन प्रमुख चेहरे

जन सुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती– कहा जाता है कि मनोज भारती ने प्रशांत किशोर को चुनाव लड़ने के लिए तैयार किया. साथ ही प्रचार को लेकर रणनीति भी बनाई. मनोज भारती चुनाव के शुरूआत से आखिर तक एक्टिव रहे. उन्होंने जीत की रणनीति बनाई उसे एग्जीक्यूट भी किया. जन सुराज की जीत पर **उन्होंने** पूरा फोकस किया.

पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना– किशोर कुमार मुन्ना के बारे में बताया जाता है कि वे एक वक्त पटना के चर्चित छात्र नेता हुआ करते थे. ऐसे में उन्हें शहर की बारीकियों का बखूबी अंदाजा था. हर बूथ के लिए अलग-अलग रणनीति मुन्ना ने ही तैयार की थी. किस इलाके के वोटर और किस तरह से सोचते हैं, इसके बारे में उन्हें अच्छे से जानकारी है.

पटना के बेउर जेल विवाद में नया मोड़, पांच निलंबित.. सहायक अधीक्षकों पर एफआईआर

एजेंसी

पटना: राजधानी पटना स्थित आदर्श केंद्रीय कारा बेउर में प्रभार हस्तांतरण को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पुलिस जांच तक पहुंच गया है. जेल प्रशासन की शिकायत पर बेउर थाना में पांच निलंबित सहायक अधीक्षकों समेत अन्य अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. मामले की पुष्टि प्रभारी डीएसपी अजीत कुमार ने करते हुए बताया कि बेउर थाना में एफआईआर दर्ज कर ली गई है. हालांकि, अब तक इस मामले में किसी भी आरोपित को न्यायिक हिरासत में नहीं भेजा गया है.

हस्तांतरण को लेकर शुरू हुआ विवाद: यह पूरा विवाद प्रभार हस्तांतरण की प्रक्रिया से जुड़ा है. जेल प्रशासन की ओर से पहले एक आधिकारिक पत्र जारी कर संबंधित मंडल कारा अधीक्षकों से अनुरोध किया गया था कि निलंबित सहायक अधीक्षक अभिषेक कुमार, मनीष कुमार ठाकुर, शालिनी और कुंदन कुमारी को बेउर जेल भेजा जाए, ताकि वे अपने-अपने शाखा का विधिवत प्रभार नवपदस्थापित अधिकारियों को सौंप सकें. पत्र में यह भी उल्लेख किया गया था कि चार्ज हैंडओवर नहीं होने के कारण प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं.

पांच के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज: इसी पत्र के आधार पर संबंधित अधिकारी बेउर जेल पहुंचे और प्रभार हस्तांतरण की प्रक्रिया में शामिल हुए. लेकिन इसके कुछ समय बाद घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया. 28 जुलाई 2026 को जेल अधीक्षक की ओर से बेउर थाना में आवेदन देकर उपाधीक्षक अजय कुमार समेत अभिषेक कुमार, मनीष कुमार ठाकुर, शालिनी और कुंदन कुमारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई.

महत्वपूर्ण दस्तावेजों से छेड़छाड़ करने का आरोप: एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि निलंबन के बावजूद इन अधिकारियों ने बिना वैध अनुमति जेल परिसर में प्रवेश किया. साथ ही सरकारी अभिलेखों का अवलोकन करने और महत्वपूर्ण दस्तावेजों से छेड़छाड़ करने का प्रयास किया, जिससे जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था और गोपनीय अभिलेखों की सुरक्षा प्रभावित हुई. आवेदन में बिहार कारा हस्तक-2012 के प्रावधानों के उल्लंघन का भी उल्लेख किया गया है.

क्या कहते हैं अधिकारी: वहीं एफआईआर में नामजद अधिकारियों ने इन आरोपों को निराधार बताया है. उनका कहना है कि वे जेल प्रशासन के लिखित आदेश के आधार पर ही बेउर जेल पहुंचे थे और प्रभार हस्तांतरण की विभागीय प्रक्रिया का हिस्सा बने थे. उनका दावा है कि उन्होंने न तो किसी सरकारी अभिलेख से छेड़छाड़ की और न ही बिना अनुमति जेल परिसर में प्रवेश किया. अधिकारियों का आरोप है कि पहले उन्हें विभागीय कार्य के लिए बुलाया गया और बाद में उसी उपस्थिति को आधार बनाकर उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करा दिया गया.

क्या है दो दस्तावेजों की कहानी: दो अलग-अलग आधिकारिक दस्तावेज सामने आने के बाद पूरे घटनाक्रम को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं. एक दस्तावेज में निलंबित अधिकारियों को प्रभार सौंपने के लिए बुलाने की बात कही गई है, जबकि दूसरे दस्तावेज के आधार पर उन्हीं अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. ऐसे में अब इस पूरे मामले की सच्चाई पुलिस जांच और आगे की कानूनी प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी. फिलहाल बेउर जेल का यह विवाद प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है.

मधुबनी में एसवीयु की बड़ी कार्रवाई, पूर्व एसडीओ गुलाम मुस्तफा अंसारी की 49.03 लाख की संपत्ति जब्त

एजेंसी

4. बिहार : बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है. इसी कड़ी में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (SVU) ने विशेष अदालत के आदेश पर जयनगर (मधुबनी) के पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) गुलाम मुस्तफा अंसारी की आय से अधिक अर्जित करीब 49.03 लाख की संपत्ति को जब्त कर लिया है.

2016 में दर्ज हुआ था मामला

एसवीयू ने वर्ष 2016 में गुलाम मुस्तफा अंसारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था. शुरूआती जांच में उनकी घोषित आय और संपत्ति के बीच बड़ा अंतर मिला. इसके बाद मामले की विस्तृत जांच की गई.

अदालत ने दिया संपत्ति जब्त करने का आदेश

जांच पूरी होने के बाद ब्यूरो ने विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया. वर्ष 2021 में आरोपी की चल और अचल संपत्तियों को जब्त करने के लिए आवेदन भी दिया गया. मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद विशेष अदालत ने 1 अगस्त को 49,03,963 रुपये मूल्य की संपत्ति राज्य सरकार के नाम जब्त करने का आदेश दिया.

भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी

अदालत के आदेश के तहत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने गुलाम मुस्तफा अंसारी की संपत्ति जब्त कर ली. एसवीयू का कहना है कि जिन सरकारी अधिकारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के पुख्ता सबूत मिलेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ अवैध संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी.

खबर संक्षेप

ट्राई ने 'माईकॉल' मोबाइल ऐप को फिर से किया पेश

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को 'माईकॉल' मोबाइल ऐप को नए अंदाज में पेश किया। इसकी मदद से उपभोक्ता अपने वॉयस-कॉलिंग अनुभव और गुणवत्ता का मूल्यांकन कर सकेंगे तथा इसके बारे में जानकारी दे सकेंगे। यह ऐप 1 से 5 स्टार तक फीडबैक के जरिये वॉयस कॉल की रेटिंग करने जैसी सुविधाएं देता है।

सारदा एनर्जी के लाभ में 10 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (एसईएमएल) का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग 10 प्रतिशत बढ़कर 478 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 437 करोड़ रुपये था।

एनबीसीसी को सेशेल्स में मिला आवास बनाने का बड़ा ठेका

नई दिल्ली। एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने सेशेल्स में 1,008 किफायती आवास विकसित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सेशेल्स गणराज्य की सरकार के साथ 'इले ऑरोर हाउसिंग परियोजना' के निर्माण के लिए समझौता किया है। परियोजना में संबंधित बुनियादी ढांचे के साथ 1,008 किफायती आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जाएगा।

रुपया 12 पैसे चढ़कर 95.31 प्रति डॉलर पर

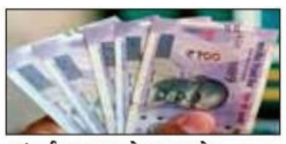

मुंबई। रुपया सोमवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में मजबूत बने रहने के साथ ही 12 पैसे की बढ़त के साथ 95.31 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले टालने के फैसले के बाद डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला।

वन मोबिक्विक ने 7.6 करोड़ रुपए का लाभ कमाया

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.6 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी को 419.2 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। तिमाही आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ 73.7 प्रतिशत बढ़ा जबकि राजस्व 2.5 प्रतिशत घटा।

रुपए में मजबूती से सोने में 900 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोमवार को रुपये की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सुस्त हलचल के कारण सोने की कीमतें 900 रुपये गिरकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 900 रुपये टूटकर 1,47,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 1,48,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

वाहनों के बीच 'आपसी संवाद' से टलेंगे सड़क हादसे, वी2वी का प्रस्ताव

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए वाहन-से-वाहन (वी2वी) संचार प्रणाली को चरणबद्ध ढंग से लागू करने का प्रस्ताव रखा है। यह उन्नत प्रौद्योगिकी वाहनों के बीच सीधा संवाद स्थापित करती है, जिससे संभावित खतरों की समय रहते जानकारी मिल सके और दुर्घटनाओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

- आसपास चल रहे वाहन आपस में वास्तविक-समय में जानकारी साझा करेंगे

मंत्रालय की मसौदा अधिसूचना के मुताबिक, वी2वी प्रणाली के तहत आसपास चल रहे वाहन आपस में वास्तविक-समय में जानकारी साझा करेंगे। इसमें वाहन की गति, स्थिति, दिशा और ब्रेक लगाने या गति बढ़ाने जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। इन आंकड़ों के आधार पर वाहन या चालक को संभावित खतरे के बारे में पहले ही चेतावनी मिल सकेगी।

उन्नत प्रौद्योगिकी से दुर्घटना को कम करने में मदद मिल सकती है

सड़क सुरक्षा में बड़ा बदलाव ला सकती है

विशेषज्ञों के मुताबिक, वी2वी संचार प्रणाली भारत में सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकती है, खासकर उन स्थितियों में जहां ड्राइवर को खतरे का अंदाजा देर से होता है। हालांकि, इसके व्यापक उपयोग के लिए वाहनों में जरूरी हार्डवेयर, मानकीकरण और डेटा सुरक्षा जैसे पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा।

प्रणाली समय रहते सावधान करेगी

उदाहरण के तौर पर, यदि आगे चल रहा वाहन अचानक ब्रेक लगाता है या किसी वाहन के साथ टक्कर का खतरा बनता है, तो पीछे आ रहे वाहन को तुरंत अलर्ट मिल जाएगा। इसी तरह, असुरक्षित ढंग से लेन बदलने, ड्राइवर को नजर न आने वाले ब्लाइंड स्पॉट या एंबुलेंस/फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन वाहनों के पास आने पर भी यह प्रणाली समय रहते सावधान कर सकती है।

बैंड के इस्तेमाल को पहले ही छूट मिल चुकी : मसौदे में वी2वी और अन्य बुद्धिमान परिवहन प्रणाली (आईटीएस) के लिए 5.875 गीगाहर्ट्ज से 5.925 गीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी बैंड के उपयोग का प्रस्ताव किया गया है। दूरसंचार विभाग पहले ही इस बैंड के इस्तेमाल को लाइसेंस की जरूरत से छूट दे चुका है, जिससे इस प्रौद्योगिकी को लागू करना आसान होगा।

प्रणाली को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा : परिवहन मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन के जरिये इस प्रणाली को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की रूपरेखा भी पेश की है। इसके तहत अलग-अलग श्रेणी के वाहनों में इस प्रौद्योगिकी को समय के साथ अनिवार्य किया जा सकता है।

प्रणाली लगाया जाना होगा अनिवार्य

मसौदा अधिसूचना के तहत प्रस्तावित समय-सीमा के मुताबिक, एक अक्टूबर, 2027 या उसके बाद निर्मित एल, एम और एन श्रेणी के वे वाहन जिनमें वी2वी संचार प्रणाली लगी है तो उन्हें वी2वी संचार प्रणाली के लिए निर्धारित मानदंड एआईएस-230 का अनुपालन करना होगा। वहीं, एक अक्टूबर, 2028 या उसके बाद निर्मित एल, एम और एन श्रेणी के सभी वाहनों में एआईएस-230 मानक के अनुरूप वी2वी संचार प्रणाली का लगाया जाना अनिवार्य होगा।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में घटकर निचले स्तर पर

देश में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि जुलाई में पांच साल के निचले स्तर पर

- नए कारोबारी ऑर्डर की रफ्तार धीमी पड़ने से वृद्धि कम
- पीएमआई जुलाई में घटकर 53.5 पर आ गया

नई दिल्ली

देश में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि जुलाई में घटकर पांच साल के निचले स्तर पर आ गई। मुख्य रूप से चुनौतीपूर्ण बाजार परिस्थितियों के बीच नए कारोबारी ऑर्डर की रफ्तार धीमा पड़ने से वृद्धि कम रही। यह जानकारी सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में घटकर 53.5 पर आ गया जो जून में 54.2 था। यह अगस्त, 2021 के बाद का सबसे निचला स्तर है और दीर्घकालिक औसत 54.2 से भी कम है। एचएसबीसी इंडिया क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ताओं की डिलिवरी अवधि और खरीदे गए माल भंडार जैसे संकेतकों के आधार पर स्थिति का आकलन करता है।

प्रमुख उत्पादों में घट रही ग्राहकों की रूचि

क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में 50 से ऊपर का स्तर गतिविधियों में विस्तार और 50 से नीचे का स्तर गिरावट को दर्शाता है। नए ऑर्डर में वृद्धि की दर जुलाई में चार वर्षों से अधिक समय में दूसरी सबसे कमजोर रही। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने बताया कि विज्ञापन और मांग में मजबूती से बिक्री को कुछ सहारा मिला, लेकिन चुनौतीपूर्ण बाजार परिस्थितियों और प्रमुख उत्पादों में ग्राहकों की घटती रुचि ने इसे प्रभावित किया।

विज्ञापन और मांग में मजबूती से बिक्री को कुछ सहारा मिला

रोजगार सृजन लगातार तीसरे महीने कमजोर रहा

सर्वेक्षण में रोजगार के मोर्चे पर कहा गया कि भारत के विनिर्माण उद्योग में रोजगार सृजन लगातार तीसरे महीने कमजोर रहा। रोजगार वृद्धि की दर मौजूदा 29 महीने की निरंतर वृद्धि अवधि में सबसे धीमी रही। जुलाई में कंपनियों ने आपूर्ति श्रृंखला की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखा। वास्तव में कच्चे माल की डिलिवरी में लगने वाला समय सर्वेक्षण के इतिहास में लगभग रिकॉर्ड तेजी से घटा। इससे आपूर्ति श्रृंखला में उल्लेखनीय सुधार का संकेत मिला।

कच्चे माल व तैयार माल का भंडार बढ़ा

भंडारी ने कहा कि विनिर्माता कंपनियां संभावित व्यवधानों से बचाव के लिए तैयारी कर रही हैं। कच्चे माल और तैयार माल दोनों का भंडार बढ़ा है और खरीदारी की मात्रा में भी वृद्धि हुई है। इससे संकेत मिलता है कि कंपनियां आपूर्ति सुनिश्चित कर संभावित जोखिम को सीमित करने का प्रयास कर रही हैं।

मूल्य दबाव के रुख में भी बदलाव आया

भंडारी ने कहा, ''इस बीच उत्पादन और नए निर्यात ऑर्डर में मजबूती आई है। यह विशेष रूप से विदेशी बाजारों से मजबूत मांग का संकेत देती है। मूल्य दबाव के रुख में भी बदलाव आया है। कच्चे माल की मुद्रास्फीति कम हुई, लेकिन उत्पादों की बिक्री कीमतों के मामले में महंगाई तेज हुई। इससे संकेत मिलता है कि कंपनियां अपने मार्जिन की सुरक्षा के लिए लागत वृद्धि ग्राहकों पर डाल रही हैं।'

कंपनियों ने परिवहन लागत में वृद्धि की जानकारी दी

इस बीच, लागत का दबाव घटकर पांच महीने के सबसे निचले स्तर पर आ गया। हालांकि, कंपनियों ने विशेष रूप से परिवहन लागत में वृद्धि की जानकारी दी। वहीं बिक्री कीमतों में मध्यम स्तर की वृद्धि दर्ज की गई, जो जून के स्तर के लगभग समान रही। सर्वेक्षण में कहा गया, ''नए निर्यात ऑर्डर में तेज वृद्धि एक सकारात्मक संकेत है। साथ ही कारोबारी भरोसे में भी हल्का सुधार देखने को मिला।''

कारोबारी भरोसा मजबूत हुआ

विदेशी ऑर्डर में उल्लेखनीय और तेज वृद्धि दर्ज की गई। कंपनियों ने कनाडा, मिस्र, इंडोनेशिया, केन्या, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, थाइलैंड और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों से ऑर्डर बढ़ने की जानकारी दी। जून के हाल के निचले स्तर की तुलना में कारोबारी भरोसा मजबूत हुआ। कंपनियों ने मांग, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और नए ग्राहकों की पूछताछ को लेकर सकारात्मक रुख जताया।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक हुई शुरू

मुंबई

- रेपो दर में बदलाव की उम्मीद कम
- फैसले की घोषणा पांच अगस्त को

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक सोमवार को शुरू हो गई।

एमपीसी अपने फैसले की घोषणा पांच अगस्त यानी बुधवार को करेगी। वैश्विक अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति से जुड़े जोखिमों के बने रहने के बीच अधिकतर विशेषज्ञों का मानना है कि छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति के बावजूद सतर्क रुख अपनाएगी। समिति द्वारा नीतिगत रेपो दर में कोई बदलाव नहीं करने की उम्मीद की जा रही है। रिजर्व बैंक ने जून में अपनी प्रमुख नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था और पश्चिम एशिया में संघर्ष के प्रभाव का आकलन करने के लिए स्थिति के अनुसार कदम उठाने का रुख अपनाया था।

वैश्विक ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि

इसका मुख्य कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि का पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर असर पड़ने से लागत बढ़ना बताया गया था। आरबीआई ने 2026-27 के लिए जीडीपी की वृद्धि दर का अनुमान भी अप्रैल में जताए गए 6.9 प्रतिशत के अनुमान से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया था। केंद्रीय बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा पांच अगस्त को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के फैसलों की घोषणा करेंगे।

जुलाई अंत तक खरीफ बुवाई का रकबा घटा

नई दिल्ली

- रकबा तीन प्रतिशत घटकर 894 लाख हेक्टेयर पर
- सामान्य क्षेत्र के 81 प्रतिशत हिस्से में बुवाई का काम पूरा

चालू सत्र में जुलाई के आखिर तक धान जैसी खरीफ फसलों की बुवाई का रकबा तीन प्रतिशत घटकर 894.22 लाख हेक्टेयर रह गया है। हालांकि, सामान्य क्षेत्र के 81 प्रतिशत हिस्से में बुवाई का काम पूरा हो चुका है।

पिछले साल इसी अवधि में बुवाई का रकबा 920.71 लाख हेक्टेयर था। पूरे 2025-26 सत्र में खरीफ का कुल रकबा 1,143.27 लाख हेक्टेयर था। खरीफ की बुवाई जून में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत के साथ होती है और कटाई अक्टूबर से शुरू होती है। मुख्य खरीफ फसल धान की बुवाई 31 जुलाई तक 301.49 लाख हेक्टेयर में हुई, जो एक साल पहले 308.39 लाख हेक्टेयर थी। इसमें कमी मुख्य रूप से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, ओडिशा, हरियाणा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में देखी गई। दलहन का रकबा भी पहले के 101.60 लाख हेक्टेयर से घटकर 95.18 लाख हेक्टेयर रह गया। अरहर की बुवाई पहले के 38.44 लाख हेक्टेयर के मुकाबले घटकर 34.91 लाख हेक्टेयर और मूंग की बुवाई पहले के 32.23 लाख हेक्टेयर के मुकाबले घटकर 29.22 लाख हेक्टेयर रह गई।

नकदी फसलों में गन्ने का रकबा बढ़ा

नकदी फसलों में, गन्ने का रकबा 56.72 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 57.58 लाख हेक्टेयर हो गया, जबकि कपास का रकबा 106.06 लाख हेक्टेयर से घटकर 103.54 लाख हेक्टेयर रह गया। जूट या मेस्टा का रकबा पहले के 6.21 लाख हेक्टेयर से थोड़ा बढ़कर 6.33 लाख हेक्टेयर हो गया। कपास के रकबे में कमी महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, कर्नाटक और पंजाब में देखी गई।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा ने 385.93 करोड़ रुपए का लाभ कमाया

नई दिल्ली। कृषि और निर्माण उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड ने सोमवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 385.93 करोड़ रुपये रहा है। एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,397.1 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था। 2025-26 की पहली तिमाही में बंद किए गए परिचालन से कंपनी का शुद्ध लाभ 1,027.63 करोड़ रुपये था। ऐसे में बंद किए गए परिचालन सहित वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के साथ सीधे तौर पर तुलना योग्य नहीं है।

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी से सेंसेक्स 544 अंक चढ़ा

- वैश्विक तनाव कम होने से कच्चे तेल के दाम में नरमी
- विदेशी संस्थागत निवेशकों ने निवेश जारी रखा

मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे।

वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने के बीच कच्चे तेल के दाम में नरमी से बीएसई सेंसेक्स 544 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी 391 अंक के लाभ में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 544.39 अंक चढ़कर 78,639.03 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 800.46 अंक यानी एक प्रतिशत चढ़कर 78,895.10 अंक तक पहुंच गया था। निफ्टी 390.70 अंक यानी 1.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,774.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, इटर्नल, आईटीसी और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से बढ़त में रहीं।

बाजार को मिली राहत

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट से बाजार को राहत मिली है। इससे मुद्रास्फीति और कंपनियों की आय को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। उन्होंने कहा, एफआईआई निवेश में सुधार और रुपये की मजबूती से भी बाजार धारणा को समर्थन मिला।

जिंदल स्टेनलेस का शुद्ध लाभ 7.6 फीसदी बढ़ा ...

नई दिल्ली। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत बढ़कर 769 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 715 करोड़ रुपये था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 10.5 प्रतिशत बढ़कर 11,279 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 10,207 करोड़ रुपये थी। अप्रैल-जून तिमाही के अंत में कंपनी का एकीकृत शुद्ध ऋण 2,950 करोड़ रुपये था।

सेबी के प्रतिबंध के बाद जी एंटरटेनमेंट का शेयर टूटा

नई दिल्ली

- शेयर में 15 प्रतिशत की गिरावट आई
- कंपनी के जमीन गिरवी रखने का मामला

जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के शेयर में सोमवार को 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

हैदराबाद स्थित कंपनी की जमीन को गिरवी रखने के मामले में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज पर दो महीने तथा उसके मानद चेयरमैन सुभाष चंद्रा और प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एमडी एवं सीईओ) पुनीत गोयनका पर एक वर्ष के लिए प्रतिभूति बाजार में प्रतिबंध लगाने के बाद कंपनी के शेयर में गिरावट आई। बीएसई में कंपनी का शेयर 14.98 प्रतिशत लुढ़ककर 98.15 रुपये पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 17.19 प्रतिशत टूटकर 95.60 रुपये तक आ गया। एनएसई में भी कंपनी का शेयर 14.32 प्रतिशत गिरकर 98.14 रुपये पर बंद हुआ। पूंजीकरण 1,661.69 करोड़ रुपये घटकर 9,427.50 करोड़ रुपये रह गया। सेबी ने शुक्रवार देर रात जारी 150 पृष्ठ के अंतिम आदेश में एस्सेल समूह की इकाइयों द्वारा लिए गए ऋण को सुरक्षित करने के लिए जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) की हैदराबाद स्थित भूमि को अनधिकृत रूप से गिरवी रखने के मामले में कंपनी को दो महीने और इसके मानद चेयरमैन चंद्रा तथा प्रबंध निदेशक एवं सीईओ गोयनका को एक साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है।

नियामक ने 1.48 करोड़ का लगाया जुर्माना

इसके अलावा, बाजार नियामक ने उन पर कुल 1.48 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसमें से जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड पर 30 लाख रुपये, सुभाष चंद्रा पर 60 लाख रुपये और पुनीत गोयनका पर 58 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार नागेश्वरन ने दी चेतावनी

सार्वजनिक नीति में 'मुफ्त' सबसे महंगा शब्द

चेन्नई

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि 'सार्वजनिक नीति में मुफ्त' सबसे महंगा शब्द है। उन्होंने चेतावनी दी कि लागत से कम कीमत पर सेवाओं के वादे के आधार पर बुनियादी ढांचे का निर्माण करना एक ऐसा विरोधाभास है, जो आखिर में आर्थिक संतुलन को बिगाड़ देता है।

- लागत से कम कीमत पर बुनियादी ढांचे का निर्माण विरोधाभारी

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के तमिलनाडु अवसंरचना सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए नागेश्वरन ने कहा कि उपयोगिता दरों, शहरी विकास और बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण से जुड़ी मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था भारी नुकसान पहुंचा रही है।

मुफ्त पानी संपन्न परिवारों को सब्सिडी देता है

सीईए ने इस धारणा को पूरी तरह से खारिज किया कि इस तरह से कम कीमतें तय करना एक सामाजिक सुरक्षा के रूप में काम करता है। इसके विपरीत, नागेश्वरन ने तर्क दिया कि मुफ्त पानी प्रभावी रूप से उन संपन्न परिवारों को सब्सिडी देता है जिनके पास पहले से ही पाइप से पानी का कनेक्शन है।

किसी न किसी को अंत में भुगतान करना पड़ेगा

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, ''किसी न किसी को तो अंत में भुगतान करना ही पड़ेगा।'' उन्होंने बताया कि इसके केवल तीन ही वास्तविक परिणाम होते हैं- या तो उपभोक्ता उचित शुल्क दे, या करदाता इस बोझ को उठाए, अथवा रखरखाव की कमी से सार्वजनिक संपत्ति धीरे-धीरे जर्जर होकर खुद इसकी कीमत चुकाये।

शून्य दर तय करने से समाज उसे असीमित मानता है

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने रेखांकित किया कि पानी जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं की शून्य दर तय करने से समाज उन्हें असीमित मानने लगता है, जिसके चलते आखिर में बर्बादी और विनाश ही होता है। ''जिस चीज को हम मुफ्त कहते हैं, उसी को हम नष्ट करते हैं। यह कोई विरोधाभास नहीं है, बल्कि यह एक नीतिगत विकल्प है और इसे अलग तरीके से भी चुना जा सकता है।''

उचित दर तय करने से वंचितों की रक्षा होगी

वहीं दूसरी ओर वास्तव में वंचित वर्ग, जिनके पास अक्सर ऐसे कनेक्शन नहीं होते, वे निजी टैंकर से मानक दर से कई गुना अधिक कीमत पर पानी खरीदने के लिए मजबूर हैं।

टेक्नोक्राफ्ट वेंचर्स का आईपीओ सात अगस्त को खुलेगा

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी टेक्नोक्राफ्ट वेंचर्स लिमिटेड का 252 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सात अगस्त को खुलेगा। नोएडा स्थित कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि उसके पहले सार्वजनिक निर्गम के लिए मूल्य दायरा 200-212 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

खबर संक्षेप

वीनस की जीत का इंतजार बढ़ा, कामिला से हारी

टोरंटो। वीनस विलियम्स का वापसी के बाद पहली जीत के लिए इंतजार और बढ़ गया क्योंकि उन्हें नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। वीनस को कामिला रखिमोवा ने 6-4, 6-1 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। बारिश के कारण यह मैच देर से खेला गया। इस डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली 46 वर्षीय वीनस जुलाई 2025 से लगातार 12 मैच हार चुकी हैं। 24 वर्षीय रखिमोवा उज्बेकिस्तान की रहने वाली हैं। वह विश्व रैंकिंग में 82वें स्थान पर काबिज हैं।

एनआरएआई ने पांच दिन का आईएसएसएफ शॉटगन रेफरी कोर्स शुरू किया

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने सोमवार को यहां आईएसएसएफ शॉटगन रेफरी पाठ्यक्रम शुरू किया जिसका लक्ष्य निशानेबाजी के खेल के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के तकनीकी अधिकारी तैयार करना है। तीन से सात अगस्त तक चलने वाला यह पांच दिन का पाठ्यक्रम मैच अधिकारियों के लिए एक बेहतरीन ट्रेनिंग मंच का काम करता है। यह पाठ्यक्रम बहरीन के आईएसएसएफ से नामित इंस्ट्रक्टर नूरुद्दीन अलयासी चला रहे हैं जिनकी मदद भारत के अमर जंग सिंह कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में भारत के अलावा सऊदी अरब और श्रीलंका के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच बने स्मिथ

लाहौर। बल्लेबाजों के लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया है। वह आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ जुड़ेंगे। लेवल चार के बल्लेबाजी कोच स्मिथ को टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट के साथ काफी अनुभव है, विशेषकर पाकिस्तान सुपर लीग की कई टीम के साथ काम करने का।

टेस्ट : पाक के खिलाफ वेस्टइंडीज मजबूत

पोर्ट ऑफ स्पेन। जस्टिन ग्रीव्स के नाबाद अर्धशतक और रोस्टन चेज़ के साथ उनकी 66 रन की अटूट साझेदारी की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन 5 विकेट पर 239 रन बनाए। खराब रोशनी के कारण 74 ओवरों के बाद दिन का खेल समाप्त होने के समय ग्रीव्स 64 और चेज़ 36 रन पर खेल रहे थे। इससे पहले ग्रीव्स ने शाई होप (29) के साथ पांचवें विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की थी। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग ने उसे आक्रामक शुरुआत देते हुए 50 गेंदों में 46 रन बनाए। बारिश के कारण सुबह के सत्र में केवल 9.5 ओवर ही फेंके जा सके, जिसमें किंग ने तेगनारायण चंद्रपॉल (15) के साथ पहले विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की।

चोटिल बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ खेलेंगे सीरीज

औकिब बने कश्मीर घाटी के पहले टेस्ट क्रिकेटर, श्रीलंका दौरे पर दिखाएंगे दम

नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी को चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया।

इस तरह से वह भारत की टेस्ट टीम में जगह बनाने वाले कश्मीर घाटी के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। नबी को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर बुमराह

बुमराह को फिटनेस के आधार पर टेस्ट टीम में शामिल किया गया था लेकिन वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान बाएं घुटने में लगी चोट से अभी तक पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने कहा, 'पुरुष चयन समिति ने बुमराह के स्थान पर औकिब नबी को टीम में शामिल किया है। जम्मू और कश्मीर के इस तेज गेंदबाज को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है।'

श्रीलंका ए के खिलाफ चटका चुके हैं 6 विकेट

आकिब नबी ने हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 6 विकेट चटकाए थे, जिसमें एक ही पारी में 4 विकेट हॉल लेना शामिल था। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में आकिब नबी ने कुल 43 मैच खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 71 पारियों में 18.63 की बेहतरीन औसत और 2.90 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ 162 विकेट हासिल किए हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उन्होंने 16 बार 5 विकेट हॉल और 4 बार 10 विकेट हॉल लेने का कीर्तिमान अपने नाम किया है।

रणजी ट्रॉफी के दो सत्रों में 104 विकेट

कश्मीर के बारामूला के गांव के रहने 29 वर्षीय नबी जम्मू कश्मीर के तीसरे खिलाड़ी हैं, जिन्हें भारत की सीनियर टीम में चुना गया है। उनसे पहले परवेज रसूल और उमरान मलिक को सीमित ओवरों के लिए सीनियर राष्ट्रीय टीम में चुना गया था। रसूल और मलिक सीमित ओवरों के प्रारुप में भारत के लिए खेल चुके हैं। नबी ने पिछले दो रणजी ट्रॉफी सत्र में कुल 104 विकेट लिए थे, जिनमें 2025-26 सत्र में लिए गए 60 विकेट भी शामिल हैं। उन्होंने जम्मू कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। वह बल्लेबाजी में भी उपयोगी योगदान देने में सक्षम हैं। वह हाल ही में श्रीलंका दौरे पर गई भारत ए टीम का भी हिस्सा थे, जहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मैचों में 6 विकेट लिए थे। श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला 15 अगस्त को गॉल में शुरू होगी।

भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, औकिब नबी।

दलीप ट्रॉफी

नार्थ जोन के लिए खेलेंगे अर्शदीप वधावन संभालेंगे टीम की कमान

नई दिल्ली

भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 23 अगस्त से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी के लिए जम्मू कश्मीर के विकेटकीपर कन्हैया वधावन की अगुवाई वाली उत्तर क्षेत्र की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

- उत्तर क्षेत्र के लिए टीम का ऐलान, बदोनी को बनाया गया उपकप्तान

हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भी उत्तर क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया है। जम्मू कश्मीर की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत के बाद चयनकर्ताओं ने वहां के छह खिलाड़ियों को टीम में जगह देकर उनके प्रदर्शन को सम्मान दिया है। वधावन के अलावा सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल, हरफनमौला अब्दुल समद, बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक, तेज गेंदबाज सुनील कुमार और युधवीर सिंह को भी टीम में शामिल किया गया है। दिल्ली के आयुष बदोनी को उपकप्तान बनाया गया है।

दिल्ली के 4 खिलाड़ियों को टीम में जगह

चयनकर्ताओं का मानना है कि दलीप ट्रॉफी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी दावेदारी मजबूत करने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण मंच है। जम्मू कश्मीर के बाद दिल्ली के सबसे अधिक चार खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है। इनमें सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान, पूर्व कप्तान यश ढुल, मध्यक्रम के बल्लेबाज आयुष दोसेजा और उपकप्तान बदोनी शामिल हैं। स्पिन और हरफनमौला विकल्प के रूप में निशांत सिंधू, आबिद मुश्ताक और अर्जुन शर्मा को टीम में शामिल किया गया है।

'टूर डी फ्रांस फेम्स'

रेस में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला बनीं हर्षिता

एगल

भारत की युवा साइकिलिस्ट हर्षिता जाखड़ ने प्रतिष्ठित 'टूर डी फ्रांस फेम्स' का हिस्सा बनने वाली पहली भारतीय महिला बन कर इतिहास रच दिया है।

राजस्थान की 19 साल की खिलाड़ी ने रविवार को इस कठिन बहु-चरणीय साइकिल रेस के दूसरे चरण के औपचारिक शुभारंभ (सेरेमोनियल स्टार्ट) में आठ प्रतिभाशाली साइकिलिस्ट के दल का नेतृत्व किया। इस दल में अफगानिस्तान, अल्जीरिया, चिली, इथियोपिया (दो साइकिलिस्ट), नामीबिया और युगांडा की खिलाड़ी शामिल थीं। प्रतियोगिता की शुरुआत एक अगस्त को लुसान से हुई और इसका समापन 9 अगस्त को नीस में होगा।

सपना हुआ पूरा : हर्षिता

हर्षिता ने कहा, 'बचपन में अपने पिता की प्रेरणा से मुझे साइकिलिंग से लगाव हुआ और तभी से टूर डी फ्रांस में भाग लेना मेरा सपना रहा है। मैं यूसीआई की आभारी हूं कि उसने मुझे महिला रेस के दूसरे चरण की शुरुआत में दुनिया की अन्य प्रतिभाशाली साइकिलिस्टों के साथ सवारी करने का अवसर दिया।' जूनियर स्तर पर विभिन्न टूर्नामेंटों में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाली हर्षिता का लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में शीर्ष 10 में जगह बनाना और 2030 में पदक जीतना है। 'टारगेट एशियाई खेलों' समूह की खिलाड़ी हर्षिता भारतीय खेल प्राधिकरण के पटियाला स्थित राष्ट्रीय उतकृष्टता केन्द्र में अपने पिता और कोच राकेश जाखड़ की देख-रेख में अभ्यास करती है।

कॉमनवेल्थ की पदक विजेता ज्ञानेश्वरी बनीं डीएसपी, मिलेंगे 30 लाख रुपये

रायपुर। ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल-2026 में महिला वर्ग की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव का मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ज्ञानेश्वरी को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए उन्हें 30 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा, यह सम्मान प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प का सम्मान है। मुख्यमंत्री ने कहा, ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर आठ साल का बैन

नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (यूएसए) के क्रिकेटर बोडुगम अखिलेश रेड्डी पर सभी तरह के क्रिकेट से 8 साल का बैन लगाया है। उन्हें एंटी-करप्शन ट्रिब्यूनल ने एंटी-करप्शन कोड के तीन नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया है। 26 वर्षीय रेड्डी पर ये कार्रवाई संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट के 2025 एडिशन से जुड़ी भ्रष्ट गतिविधियों के कारण की गई है। आईसीसी को एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस लीग के लिए 'डेजिग्नेटेड एंटी-करप्शन ऑफिशियल' (डीएसीओ) के तौर पर नियुक्त किया था। आईसीसी के मुताबिक रेड्डी का 8 साल का सस्पेंशन 21 नवंबर 2025 से लागू माना जाएगा, जब उन्हें पहली बार अस्थायी रूप से सस्पेंड किया गया था। ट्रिब्यूनल की औपचारिक कार्रवाई के बाद, रेड्डी को एंटी-करप्शन कोड के तहत तीन मुख्य नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है।

आईसीसी ने कहा, आर्टिकल 2.1.1: एडीटी10 2025 में मुकाबलों के नतीजे, प्रगति, आचरण या किसी अन्य पहलू को फिक्स करने, उसकी साजिश रचने या गलत तरीके से प्रभावित करने की कोशिश करना, या किसी भी तरह से फिक्सिंग या साजिश या गलत तरीके से प्रभावित करने के समझौते या प्रयास में शामिल होना है।

कोरिया ओपन आज से, तन्वी के प्रदर्शन पर नजरें

तन्वी और श्रीकांत संभालेंगे भारतीय चुनौती की कमान

आसन

ताइपे ओपन की चैंपियन तन्वी शर्मा और किदांबी श्रीकांत मंगलवार से शुरू हो रहे कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। पंजाब की 17 वर्षीय तन्वी पर कोरिया ओपन में प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। वह महिला एकल में क्वालीफायर के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

पुरुष एकल में तीसरे वरीय श्रीकांत पर नजर रहेगी, जो फिटनेस समस्या के कारण कनाडा ओपन में नहीं खेल पाए थे। वह अब पूरी तरह से फिट हैं और इजरायल के डैनियल डुबोवेंको के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे।

तान्या को मिलेगी हिना अकेची से कड़ी चुनौती

महिला एकल में सातवीं वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड़ को भी पहले दौर में क्वालीफायर का सामना करना है लेकिन तान्या हेमंत को जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त हिना अकेची की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी कश्यप का मुकाबला दक्षिण कोरिया की किम मिन जी से, जबकि श्रेयांशी वालिशेट्टी का चीनी ताइपे की पाइ यू पो से होगा। रक्षिता श्री संतोष रामराज और अश्मिता चालिहा दोनों क्वालीफायर के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

आठवीं वरीयता प्राप्त अनमोल खरब का मुकाबला हांगकांग की लो सिन यान हैप्पी से और मानसी सिंह का सामना दक्षिण कोरिया की किम जू यून से होगा। पांचवीं वरीयता प्राप्त इशारानी बरुआ दक्षिण कोरिया की ली सो यूल से भिड़ेंगी।

युगल जोड़ियों को दिखाना होगा दम

महिला युगल में सोनाली सिंह और रितिका ठाकर का सामना क्वालीफायर से होगा, जबकि प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा दूसरी वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी रिरीना हिरामोटो और कोकोना इशीकावा से भिड़ेंगी। पुरुष युगल में कृष्णा प्रसाद गरगा और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय पहले दौर में थाईलैंड के चालोम्पोन चारोएनकितामोर्न और वोर्रापोल थोंगसा का सामना करेंगे। भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरु का मुकाबला मलेशिया के आरोन चिया और आरोन ताई से होगा, जबकि अच्युतादित्य राव डोड्डावरपु और पोचना अर्जुन रेड्डी दक्षिण कोरिया के चोई सोल ग्यू और मलेशिया के गोह वी शेम की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेल : भारत का उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन, जूडो में चमके, मुक्केबाजों ने दिखाया दम

ग्लास्गो

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे, जिनमें भारत का रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन इसके बावजूद देश ने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया तथा मुक्केबाजों, जूडो खिलाड़ियों और पैरा एथलीटों के दमदार प्रदर्शन के बलबूते पर 39 पदकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में केवल 10 खेल शामिल थे। कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे खेल इसमें शामिल नहीं थे, जिनमें भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है। खेलों के शुरू होने से पहले नहीं लग रहा था कि भारत शीर्ष पांच में जगह बना पाएगा। लेकिन भारत का 122 सदस्यीय दल 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक लेकर लौटा, जिससे पता चलता है कि देश अन्य खेलों में भी अच्छी प्रगति कर रहा है। भारत को चौथा स्थान दिलाने में मुक्केबाजी की भूमिका अहम रही।

मुक्केबाजों ने किए रिकॉर्ड 10 पदक हासिल

भारतीय मुक्केबाजों ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड सात स्वर्ण पदक और कुल मिलाकर 10 परक हासिल किए। जहां महिला मुक्केबाजों ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए शानदार प्रदर्शन किया, वहीं पुरुषों ने भी अपना पूरा दम दिखाया। इस प्रदर्शन को हालांकि इस संदर्भ में देखना जरूरी है कि कई यूरोपीय और एशियाई देशों की अनुपस्थिति के कारण प्रतियोगिता ओलंपिक या विश्व चैंपियनशिप जितनी कठिन नहीं थी। फिर भी भारत ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया।

जूडो में पहली बार मिला गोल्ड

इसके अलावा जूडो भी भारत के लिए एक और बड़ा सकारात्मक पहलू था। लंबे समय से हाशिये पर रहने वाले इस खेल में राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अपने पिता के निधन के कुछ महीनों बाद अस्मिता डे का स्वर्ण पदक और हर्ष सिंह का खिताब पिछले कुछ वर्षों में इस खेल में देश की निरंतर प्रगति का पता चलता है।

पैरा खेलों में बढ़ी ताकत

भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने भी बड़े मंच पर अपनी प्रगति जारी रखी। पावरलिफ्टिंग से लेकर एथलेटिक्स तक, भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पैरालंपिक खेलों में उनकी सफलता कोई संयोग नहीं थी। विभिन्न खेलों में मिले पदकों से देश की पैरा खेलों में बढ़ती ताकत का पता चलता है।

एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन मिश्रित

एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन मिश्रित रहा। चोट से उबरकर लौटे ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को रजत पदक से संतोष करना पड़ा और पदक के कुछ अन्य दावेदार भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। लेकिन एथलेटिक्स में कुछ यादगार प्रदर्शन भी देखने को मिले। तेजस्विन शंकर ने घुटने की चोट से उबरते हुए डेकाथलॉन में पदक जीता, गुलवीर सिंह ने लंबी दूरी की दौड़ में अपनी छाप छोड़ी और वह दो पदक जीतने वाले भारत के एकमात्र खिलाड़ी रहे।

हिमाचल में 6 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद, अंतरराज्यीय नशा तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

शिमला: हिमाचल प्रदेश में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शिमला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. शिमला पुलिस की ओर से जारी बयान के अनुसार, जिला पुलिस ने वर्ष 2026 की अब तक की सबसे बड़ी हेरोइन की खेप बरामद करते हुए करीब 1 किलो 120 ग्राम हेरोइन जब्त की है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 6 करोड़ रुपये बताई गई है. मामले में हरियाणा के एक 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई प्रदेश में सक्रिय अंतरराज्यीय नशा तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता मानी जा रही है.

नाकेबंदी के दौरान पकड़ी नशे की खेप

शिमला पुलिस ने बताया कि 3 अगस्त (सोमवार) को जिला शिमला की स्पेशल सेल ने गुप्त सूचना के आधार पर जिला सीमा शोघी के पास नाकेबंदी की. इस दौरान विजय कुमार (22) निवासी तहसील नारायणगढ़, जिला अंबाला (हरियाणा) को गिरफ्तार किया गया. तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1.120 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई. पुलिस के अनुसार, आरोपी हरियाणा से यह खेप शिमला में सप्लाई करने आया था और तारा देवी क्षेत्र में अपने संपर्कों तक इसे पहुंचाने की तैयारी में था, लेकिन उससे पहले ही उसे पकड़ लिया गया.

पुलिस ने दर्ज किया मामला

आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हैं तथा हेरोइन की यह खेप कहां से लाई गई थी और किन लोगों तक पहुंचाई जानी थी. मामले की जांच में तकनीकी और वित्तीय पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है.

नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही सरकार

शिमला पुलिस ने अपने बयान में कहा कि वर्ष 2026 में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान की रणनीति में बड़ा बदलाव किया गया है. अब केवल अधिक मामले दर्ज करने के बजाय बड़ी बरामदगी, मुख्य सप्लायरों की गिरफ्तारी, बैकवर्ड लिंकेज, तकनीकी जांच और पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क को ध्वस्त करने पर फोकस किया जा रहा है. साथ ही आदतन नशा तस्करों के खिलाफ ढक्ळ-ठउ्ढर अू३ के तहत भी कार्रवाई की जा रही है. शिमला पुलिस के अनुसार, मार्च में करीब 1 करोड़ रुपये मूल्य की 562 एलएसडी स्टैम्प बरामद कर एक बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया था. अप्रैल में करीब 11.5 किलोग्राम अफीम और उससे जुड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ. मई, जून और जुलाई में भी बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद कर कई सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया. शिमला पुलिस के मुताबिक, वर्ष 2026 में अब तक जिले में 4 किलोग्राम से अधिक हेरोइन, 14 किलोग्राम अफीम, 15 किलोग्राम चरस, 5 किलोग्राम से अधिक डोडा पोस्त, 11.6 ग्राम एलएसडी, करीब 60 ग्राम मेथामफेटामाइन (आईस) तथा 10 लाख से अधिक अवैध भांग के पौधे बरामद और नष्ट किए जा चुके हैं. पुलिस का कहना है कि 1.120 किलोग्राम हेरोइन की यह बरामदगी वर्ष 2026 की सबसे बड़ी कार्रवाई है और भविष्य में भी नशा तस्करी के खिलाफ अभियान इसी तरह जारी रहेगा.

तमिलनाडु : उदयनिधि स्टालिन पुलिस कस्टडी में, अभिनेत्री तृषा को लेकर अभद्र बयान देने का आरोप

एजेंसी

तमिलनाडु: तमिलनाडु में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन एक रैली में कथित तौर पर अभिनेत्री तृषा को लेकर दिये गये एक अभद्र बयान को लेकर घिर गये हैं. खबर है कि पुलिस ने उदयनिधि को अपनी कस्टडी में ले लिया है. उनके खिलाफ पुलिस द्वारा छह धाराओं में मामला दर्ज किया गया है. तमिलनाडु पुलिस ने उदयनिधि के कथित बयान पर एफआईआर की है.बीएनएस की धारा 196, 192, 352, 79, 296 (बी), 61 और 351 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है. जानकारी के अनुसार स्टालिन ने अग्रिम जमानत के लिए मद्रास हाईकोर्ट में गुहार लगाई है. दरअसल उदयनिधि

स्टालिन कावेरी जल विवाद को लेकर जारी आदोलन के दौरान भीड़ को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने सीएम विजय पर निशाना साधा, इसी दौरान भीड़ ने तृषा, तृषा चिल्लाना शुरू कर दिया. आरोप है कि इसी क्रम में स्टालिन ने भीड़ से पूछा कि वह तृषा के नारे क्यों लगा रहे हैं, साथ ही द्विअर्थी बयान देते हुए अभद्र इशारा किया. उदयनिधि स्टालिन द्वारा दिये गये बयान को लेकर सत्तारूढ़ टीवीके पार्टी ने हल्ला बोला है, टीवीके नेता अधव अर्जुन ने उदयनिधि के भाषण को अश्लील और द्विअर्थी करार देते हुए कहा कि डीएमके नेता अपनी अश्लील भाषा और डबल मीनिंग भाषणों से अन्नादुरई के आंदोलन को और उनकी प्रतिष्ठा को नष्ट कर रहे हैं.टीवीके नेता ने कहा कि उदयनिधि के बयान महिलाओं के प्रति उनकी घटिया सोच को दशार्ने वाले हैं. टीवीके नेता ने कहा कि तमिलनाडु में कोई मां, बहन या माता-पिता सार्वजनिक जीवन में इस तरह की भाषा स्वीकार नहीं करेंगे. टीवीके प्रवक्ता फेलिक्स जेराल्ड ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया. क्या विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन अपनी खुद की बेटी या बेटे को लेकर ऐसा कह सकते हैं.

हरिद्वार में सीएम धामी ने हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर की पुष्पवर्षा, चरण धोकर लिया आशीर्वाद, पप्पू यादव पर कसा तंज

एजेंसी

हरिद्वार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को हरिद्वार पहुंचकर कांवड़ मेले में शामिल शिवभक्त कांवड़ियों का भव्य स्वागत किया. उन्होंने हेलीकॉप्टर से कांवड़ यात्रा मार्ग पर पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया. मुख्यमंत्री के स्वागत से कांवड़ियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला और उन्होंने हर हर महादेव के जयघोष लगाए.पुष्पवर्षा के बाद मुख्यमंत्री धामी ने कांवड़ियों के बीच पहुंचकर उनका अभिनंदन किया. उन्होंने शिवभक्तों के चरण धोकर उनका सम्मान किया और कांवड़ यात्रा की सकुशल एवं सफल संपन्नता की कामना की. इसके बाद मुख्यमंत्री होटल अलकनंदा

में आयोजित कार्यक्रम में कांवड़ियों के लिए लगाए गए भंडारे का शुभारंभ किया. साथ ही बेहतर कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का सम्मान भी किया.कार्यक्रम में हरिद्वार मेयर किरन जैसल, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, रानीपुर विधायक आदेश चौहान सहित भाजपा के कई जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे. इस मौके पर सीएम धामी ने कहा कि कांवड़ियों में भगवान शिव का रूप है. कांवड़ यात्रा में हमें इनके रूप में भगवान शिव की सेवा करने का अवसर मिलता है. पिछले पांच सालों से उन्हें कांवड़ियों के लिए सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है. अभी तक कांवड़ मेले में लगाए गए स्वास्थ्य शिविरों में 48 हजार कांवड़ियों का इलाज किया जा चुक है.सीएम धामी ने कहा कि भगवान भोले, वास्तव में भोले हैं, जो अपने भक्तों के समस्त पापों को नष्ट कर देते हैं. भगवान भोलेनाथ एक लोटा जल से अपने भक्तों की सभी परेशानियों को दूर कर देते हैं. कांवड़ यात्रा केवल आस्था का ही पर्व नहीं है, बल्कि सेवा और समर्पण का भी उत्सव है. इस वर्ष एक करोड़ से अधिक शिवभक्त गंगाजल लेकर अपने गंतव्यों को लौट चुके हैं.सीएम धामी ने कहा कि आज भाजपा सरकार के राज में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, अयोध्या राम मंदिर जैसे सांस्कृतिक और पुनर्जागरण के कार्य हो चुके हैं. पीएम मोदी के नेतृत्व में केदारनाथ धाम में 2013 की आपदा के बाद फिर से भव्य और दिव्य केदार बनाने का कार्य हुआ है. वहां आस्था पथ, भगवान शंकराचार्य की प्रतिमा जैसे अनेको काम वहां हुए हैं. बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान का कार्य चल रहा है. आदि कैलाश में हजारों श्रद्धालु रोजाना जा रहे हैं. हरिद्वार गंगा कॉरिडोर और शारदा कॉरिडोर भी मिला का पत्थर साबित हो रहे हैं. हरिद्वार हरि का द्वार है.पप्पू यादव पर कसा तंजः सीएम धामी ने तंज कसते हुए कहा कि पप्पू यादव और उनके साथियों ने संसद में हमारे संतों को बदनाम करने का कार्य किया है. इनकी सनातन के प्रति नीची सोच है. ये लोग सनातन और आस्था के मार्ग में विघ्न डालने का कार्य करते हैं. फिर भी वो मां गंगा से ऐसे लोगों की सद्बुद्धि की कामना करते हैं. भगवान, पप्पू यादव और उनके साथियों को भी सद्बुद्धि देने का आशीर्वाद प्रदान करें.कांवड़ मेले में होटल ढाबों में मिलावटी भोजन न मिले, उसकी सघन जांच की जा रही है. वाटर एम्बुलेंस चलाई गई है. कांवड़ मेले में कुछ अनुशासनहीन घटनाएं सामने आई हैं, लेकिन वो सबसे अपील करते हैं कि सब नियमों का पालन करें और भगवान शिव की इस यात्रा को अनुशासन का पालन करते हुए पूर्ण करें. उन्होंने कहा कि सभी विभाग मिलकर शिवभक्तों की सेवा कर रहे हैं. इसलिए सभी शिवभक्त सरकारी दिशानिर्देश का पालन करें. सीएम धामी ने छोटी मोटी कमियों के लिए शिवभक्तों से क्षमा करने की प्रार्थना भी की.

संक्षिप्त खबर

हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को जमानत, शेख हसीना कार्यक्रम को संबोधित करेंगी ! बांग्लादेश ने चिंता जताई

ढाका : बांग्लादेश के हिंदू संत ने चिन्मय कृष्ण दास को लेकर बड़ी खबर आयी है. बांग्लादेश हाईकोर्ट की दो जजों की बेंच को उनके खिलाफ दर्ज दो मामलों (हत्या का प्रयास और तोड़फोड़) में जमानत दे दी है.हालांकि अभी उनकी रिहाई नहीं होगी. क्योकि उनके खिलाफ देशद्रोह और हत्या सहित चार अन्य मामले अभी भी लंबित हैं, वे फिलहाल जेल में ही रहेंगे, शेष मामलों पर सुनवाई 16 अगस्त को होगी.एक और खबर है कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने भारत से सहयोग मांगा है कि वह पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग के नेताओं को भारत की धरती से राजनीतिक गतिविधियां या बयान देने से रोकें.बांग्लादेश के अखबार प्रोथोम आलो के अनुसार यह मामला सोमवार को ढाका में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी और तारिक रहमान के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर के बीच हुई शिष्टाचार मुलाकात में उठा.बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार बैठक में सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों पर भी मंथन किया गया, जिनमें दावा किया गया है कि शेख हसीना 5 अगस्त को कार्यक्रम को संबोधित कर सकती हैं. जैसी कि खबर है कि शेख हसीना 5 अगस्त को दिल्ली में वर्चुअल माध्यम को एक कार्यक्रम में संबोधित करेंगी. भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार भारतीय उच्चायुक्त नेबांग्लादेश की चिंता को गंभीरता से लेने का आश्वासन दिया है.

5 अगस्त को दिल्ली से क्या बड़ा ऐलान करेंगी शेख हसीना? भड़क गए तारिक रहमान

ढाका: वो शेख हसीना जो कभी बांग्लादेश की सबसे ताकतवर नेता थी। करीब 15 साल तक देश की सत्ता पर उनका दबदबा रहा। लेकिन फिर 5 अगस्त 2024 आया और कुछ ही घंटों में पूरा राजनीतिक समीकरण बदल गया। सत्ता गई, देश छूटा और शेख हसीना भारत आ गई। तब से वह भारत में हैं और बांग्लादेश की राजनीति से लगभग पूरी तरीके से दूरी बनाए हुए हैं। लेकिन अब करीब 2 साल बाद शेख हसीना एक बार फिर सार्वजनिक मंच पर अपनी आवाज बुलंद करने जा रही हैं और वो तारीख है 5 अगस्त 2026। दिलचस्प बात यह है कि जिस तारीख ने शेख हसीना की सत्ता का अंत किया था उसी तारीख को अब उनकी राजनीतिक वापसी का संकेत दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शेख हसीना 5 अगस्त को नई दिल्ली से एक वर्चुअल कार्यक्रम में शामिल होंगी। यह कार्यक्रम फॉरेन कॉरेस्पोंडेंस क्लब ऑफ साउथ एशिया से जुड़ा बताया जा रहा है। कार्यक्रम में बांग्लादेश की राजनीति और शेख हसीना के भविष्य को लेकर चर्चा होने की उम्मीद है और इस कार्यक्रम की टाइमिंग बेहद महत्वपूर्ण है। 5 अगस्त 2024 को छात्र आंदोलन ने ऐसा रूप ले लिया था कि शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद छोड़कर बांग्लादेश से भागना पड़ा था, निकलना पड़ा था। इसके बाद उनकी सरकार गिर गई और देश की राजनीति पूरी तरह बदल गई। लेकिन अब सवाल यह है कि 2 साल बाद शेख हसीना अचानक सामने क्यों आ रहे हैं? क्या यह सिर्फ एक राजनीतिक या फिर सार्वजनिक संबोधन है या फिर इसके पीछे कोई बड़ी राजनीतिक रणनीति है? शेख हसीना के लिए यह जो मामला है सिर्फ राजनीति का नहीं है। बांग्लादेश में उनके खिलाफ गंभीर कानूनी कारवाई हो चुकी है और नवंबर 2025 में एक ट्रिब्यूनल ने उन्हें मौत की सजा सुना दी। बांग्लादेश लगातार भारत से उनके प्रत्यार्पण की मांग भी कर रहा है। यानी अगर शेख हसीना वापस बांग्लादेश जाती हैं तो मामला बेहद गंभीर हो सकता है। और खुद शेख हसीना ने हाल ही में कहा है कि वह इस साल के अंत तक बांग्लादेश लौटने और अदालत के सामने आत्मसमर्पण करने की योजना रखती हैं। हालांकि उनकी वापसी की कोई निश्चित तारीख अभी सामने नहीं आई है। शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद देश में अंतरिम व्यवस्था आई। बाद में राजनीतिक परिस्थितियां बदली और अब बांग्लादेश की सत्ता में नई राजनीतिक ताकतें हैं। वहीं शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर भी बड़ा राजनीतिक दबाव है। ऐसे में 5 अगस्त का उनका संबोधन सिर्फ एक भाषण नहीं माना जा रहा। क्योंकि अगर शेख हसीना अपनी पार्टी के भविष्य बांग्लादेश लौटने की योजना या फिर वहां के राजनीतिक हालात पर खुलकर बोलती हैं तो इसका असर ढाका से लेकर नई दिल्ली तक दिखाई दे सकता है और भारत के लिए यह मामला आसान नहीं है। बांग्लादेश पहले ही भारत से शेख हसीना के प्रत्यार्पण की मांग कर चुका है। भारत कह रहा है कि प्रत्यार्पण से जुड़ा मामला कानूनी प्रक्रिया के तहत देखा जाएगा। अब बांग्लादेश ने शेख हसीना के 5 अगस्त के कार्यक्रम को लेकर भारत से अपनी स्थिति स्पष्ट करने को भी कह दिया है। ढाका का कहना है कि भारत की जमीन से उनकी राजनीतिक गतिविधियां दोनों देशों के रिश्तों पर असर डाल सकती है। यानी कि साफ-साफ धमकी कह सकते हैं। एक तरफ शेख हसीना है जो करीब 2 साल से भारत में है। दूसरी तरफ बांग्लादेश की नई राजनीतिक व्यवस्था है जो उन्हें वापस लाना चाहती है। तीसरी तरफ भारत है जिसके सामने कानून, कूटनीति और पड़ोसी देश के साथ रिश्तों तीनों को संतुलित करने की चुनौती है। तो 5 अगस्त का दिन सिर्फ शेख हसीना के लिए नहीं बल्कि भारत बांग्लादेश संबंधों के लिए भी बेहद अहम होने वाला है। क्या शेख हसीना इस मंच से अपनी राजनीतिक वापसी का रोड मैप देंगी? क्या वह बांग्लादेश लौटने की तारीख का संकेत देंगी? क्या आवामी लीग को फिर से खड़ा करने की रणनीति सामने आएगी? या फिर यह सिर्फ अपनी बात दुनिया तक पहुंचाने की एक कोशिश होगी। इन सवालों के जवाब 5 अगस्त को मिलने के लिए। एक बात जरूर साफ है।

लोकसभा-राज्यसभा स्थगित, किरेन रिजिजू खड़गे के बीच राम मंदिर मामले में जमकर बहस

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद के मानसून सत्र का आज 12वां दिन था. हर दिन की तरह लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा मचाना शुरू कर दिया. अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरा. लोकसभा की कार्यवाही 3 मिनट भी नहीं चल पायी.लोकसभा दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गयी. राज्यसभा की कार्यवाही हंगामे के कारण शुरू में 12 बजे तक स्थगित कर दी गयी.12 बजे कार्यवाही शुरू होने पर फिर वही नजारा दिखा. इसके बाद राज्यसभा भी 2 बजे तक स्थगित कर दी गयी.आज राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच भिड़ंत देखने को मिला. दोनों के बीच जम कर बहस हुई. श्री खड़गे ने याद दिलाया कि राम जन्मभूमि

तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था. 70 एकड़ से ज्यादा जमीन ट्रस्ट के हवाले की गयी.कहा कि पीएम मोदी राम मंदिर से जुड़े हर आयोजन में शामिल हुए. राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर तंज कसा कि एऊ उइक सहित अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियां कहां हैं, क्या कर रही है, सरकारसदन में इसका जवाब दे.मल्लिकार्जुन खड़गे पर पलटवार करते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सालों तक भगवान राम और राम मंदिर का विरोध करती रही है. याद दिलाया कि राम मंदिर के निर्माण पर काली पट्टी बांधकर विरोध किया था रिजिजू ने कहा, मंदिर का विरोध करने वाले घड़ियाली आंसू बहाकर देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, किरेन रिजिजू ने खड़गे से कहा, पहले आप लोग भगवान राम का अपमान करने के लिए देश से माफी मांगिए, उसके बाद आप सरकार से जवाब मांग सकते है. सदन स्थगित होने के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे संसद परिसर में पत्रकारों से कहा कि हम चाहते हैं कि लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के चेयरमैन दोनों सदनों में चर्चा की इजाजत दें, कहा कि एक बार बहस शुरू हो जाये, तो सारे तथ्य सामने आ जाएंगे. हम बस चर्चा की मांग कर रहे हैं, चाहे वह राम जन्मभूमि ट्रस्ट पर हो या छात्रों के साथ हुए अन्याय और अत्याचार पर. हमें समझ नहीं आ रहा कि वे इतनी हिचकिचाहट क्यों दिखा रहे हैं, हम सरकार से एक बयान और उसके बाद चर्चा की मांग कर रहे हैं. वे अपना पक्ष रख सकते हैं और हम अपना पक्ष रखेंगे.

कर्नाटक-झारखंड में जारी छात्र आंदोलनों पर राहुल की चुप्पी, भाजपा ने डबल स्टैंडर्ड अपनाने का आरोप लगाया

एजेंसी

नयी दिल्ली: भाजपा ने आज मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस और राहुल गांधी पर छात्रों के मुद्दों पर डबल स्टैंडर्ड (दोहरी नीति) अपनाने का आरोप लगाया. लोकसभा सांसद और पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विपक्ष सलेक्टीव नाराजगी दिखा रहा है.आरोप लगाया कि एक तरफ भाजपा राज्यों में छात्रों के मुद्दों पर शोर मचाया जाता है, लेकिन कर्नाटक और झारखंड जैसे मामलों में कांग्रेस चुप्पी साध लेती है. संबित पात्रा ने कर्नाटक की पुलिस कांस्टेबल भर्ती के पेपर लीक और अनियमितताओं का जिक्र करते हुए याद दिलाया कि जब छात्रों द्वारा आंदोलन किये जाने पर जब पत्रकारों ने गृह मंत्री प्रियंक खड़गे से पूछा कि क्या वह इसकी जिम्मेदारी लेंगे. उन्होंने अहंकार से कहा, पहले छात्रों को 25 दिन

उपवास करने दो, हंगर स्ट्राइक करने दो, फिर हम लाठीचार्ज करेंगे उसके बाद मैं अपने इस्तीफे के विषय में सोचूंगा. संबित पात्रा ने प्रियंक खड़गे बयान को अमानवीय करार दिया..कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में घंटों भाषण देते हैं, लेकिन उसी विषय पर अपने बेटे के इस बयान पर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी की तरह पूरी तरह से चुप हैं.संबित पात्रा ने झारखंड में जारी छात्रों के आंदोलन का जिक्र किया. कहा कि वहां हजारों छात्र आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस उनके पक्ष में कुछ भी नहीं बोल रही है संबित पात्रा ने कहा, मकर द्वार पर किसी कांग्रेस सांसद के हाथ में झारखंड की जेपीएससी परीक्षा में पेपर लीक को लेकर कोई तख्ती नजर नहीं आयी.संबित पात्रा ने कहा कि पार्लियामेंट में लगातार बाधाएं डाली जा रही हैं. कांग्रेस और इंडिया अलायंस में शामिल कुछ दलों के रवैये के कारण बिलों पर चर्चा नहीं हो पा रही है. संबित पात्रा ने कहा कि कुछ बिल लोकसभा में पास हो गए, लेकिन उन पर एक मिनट की भी चर्चा नहीं हुई. उन्होंने कहा कि ये जनता से जुड़े काम थे, इसलिए बिल पास होना जरूरी था।

मध्यस्थ ही संदिग्ध...अमेरिका-ईरान डील में पाकिस्तान आउट, ट्रंप को सऊदी पर भरोसा

एजेंसी

अमेरिका : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने वाले अमेरिका के एक रिटायर्ड जनरल और डिफेंस एनालिस्ट ने पाकिस्तान और कतर पर आरोप लगाया है कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच मध्यस्थ के तौर पर उनकी भूमिका प्रभावित रही है। उनका आरोप है कि दोनों देश अमेरिका के बजाय ईरान का पक्ष लेते हैं। रिटायर्ड जनरल जैक कीन ने फॉक्स न्यूज को बताया कि मध्यस्थ के तौर पर पाकिस्तान और कतर को चुनने से ईरान के साथ अमेरिका की कूटनीति पर असर पड़ा है और इससे तेहरान के इरादों को समझने में गलतफहमी पैदा हुई है। कीन की ये टिप्पणियां तब आई हैं जब ट्रंप ने तेहरान के साथ कूटनीतिक कोशिशों को फिर से शुरू करने के लिए ईरान पर बड़े सैन्य हमले की योजना को रोकने का फैसला किया है।कीन 'इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर' के चेयरमैन हैं, 'सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस पॉलिसी

बोर्ड' के सदस्य हैं, चार अमेरिकी रक्षा मंत्रियों को सलाह दे चुके हैं और 'नेशनल डिफेंस स्ट्रैटेजी' पर 2018 और 2022 के कांग्रेसनल कमीशन में भी काम कर चुके हैं। कीन ने कहा मिडिल ईस्ट में हमारी इंटेलिजेंस एजेंसियों और सभी संबंधित पक्षों को यह अच्छी तरह पता है कि पाकिस्तान और कतर की स्थिति संदिग्ध है, क्योंकि वे अमेरिका के बजाय ईरान का पक्ष लेते हैं। यह बात पुरानी है, कोई नई नहीं। फिर भी, वे ही मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि ईरान के असली इरादों के बारे में अमेरिका को गुमराह करने में उनके प्रभाव की भी भूमिका रही है। रिटायर्ड जनरल ने सऊदी अरब के रवैये की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि रियाद ने बार-बार वॉशिंगटन को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई न करने की सलाह दी थी। कीन के मुताबिक, सऊदी अरब ने अमेरिका को अपने एयरबेस और एयरस्पेस का इस्तेमाल करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया और तर्क दिया कि ऐसा ऑपरेशन सफल नहीं होगा।उन्होंने आगे दावा किया कि सऊदी अरब ने लगातार अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया। कीन ने कहा सऊदी अरब मध्य पूर्व क्षेत्र को ईरान की आक्रामकता से मुक्त कराने के लिए कोई कुबार्नी देने को तैयार नहीं है। यही वह सच्चाई है जो हम यहां होते हुए देख रहे हैं। कीन ने यह भी आरोप लगाया कि सऊदी अरब ईरान का सामना करने का बोझ अमेरिका और इजराइल पर डालना चाहता था, जबकि वह खुद अपने तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान या जान-माल के नुकसान का जोखिम नहीं उठाना चाहता था।

लश्कर-ए-तैयबा का कबूलनामा, 30 आतंकियों की टारगेट किलिंग हुई, आरोप भारतीय सुरक्षा एजेंसियों पर

पाकिस्तान: पाकिस्तान की धरती पर मौजूद आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के दिन पूरे हो गये हैं. इन आतंकियों को अब मौत का डर सताने लगा है.लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक बड़े आतंकी ने सार्वजनिक रूप से कबूला है कि पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (ढङ्खङ) में अज्ञात हमलावरों (४ल्' ल्ल्ड्द्ल ॠ्लेंल्ल) ने लश्कर-ए-तैयबा के लगभग 30 आतंकियों को चुन-चुनकर मार दिया है. दरअसल लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े भारत के वांटेड आतंकी रिजवान हनीफ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.इस वीडियो में हनीफ दावा कर रहा है कि पिछले 3 -4 वर्षों में पाकिस्तान के पेशावर, कराची, रावलपिंडी, रावलाकोट और मुजफ्फराबाद में लश्कर-ए-तैयबा के 30 से ज्यादा प्रमुख सदस्यों की टारगेट किलिंग की गयी हैं. यह वीडियो प्रामाणिक है, क्योंकि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि की है.पहली बार ऐसा प्रमाण सामने आया है कि लश्कर के आतंकी डरे-सहमे हैं.वीडियो में रिजवान हनीफ आतंकियों की मौत के पीछे भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का हाथ बता रहा है. हनीफ इस वीडियो में हिंदू धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक और जहरीली भाषा बोल रहा है.

एलआईसी एक बार फिर चर्चा में, सरकार का 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने का फैसला...

एजेंसी

नयी दिल्ली : छक्क एक बार फिर चर्चा में हैं.चर्चा में इसलिए कि केंद्र सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) में अपनी हिस्सेदारी बेचने का निर्णय लिया है खबरों के अनुसार सरकार ऑफर फॉर सेल (OFS) प्रोसेस के जरिए पहले स्टेप में 2.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी.जरूरत पड़ी तो ग्रीन शू ऑप्शन के तहत 4 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी सरकार बेच सकती है. कुल मिलाकर 6.5 फीसदी तक हिस्सेदारी बेचे जाने की बात सामने आ रही है. वर्तमान में सरकार की लगभग 96.5 फीसदी हिस्सेदारी LIC में है.सूत्रों के अनुसार सरकारी ऑफर में सर्वप्रथम नॉन-रिटेल निवेशकों को हिस्सा खरीदने का मौका दिया जायेगा. इसके बाद रिटेल निवेशक बोली लगा सकेंगे. सरकार द्वारा OFS के लिए 382 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया गया है.अर्थजगत के लोगों के अनुसार सरकार सिर्फ पैसा जुटाने के लिए

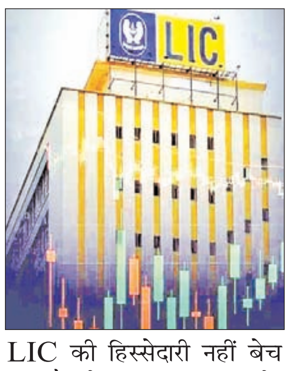

LIC की हिस्सेदारी नहीं बेच रही है. सेबी का नियम इसके पीछे का एक कारण है. सेबी का नियम है कि शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी में कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी आम निवेशकों के पास होनी चाहिए. वर्तमान में LIC में सरकार की हिस्सेदारी बहुत अधिक है, इसलिए पब्लिक शेयरहोल्डिंग बढ़ाना आवश्यक हो गया है.जान ले कि LIC की शेयर बाजार में लिस्टिंग 2022 में हुई थी. इसका आईपीओ देश का सबसे बड़ा आईपीओ करार दिया गया था वर्तमान में सरकार सेबी के नियमों को देखते हुए कंपनी में आम निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है.

टाइगर की नई फिल्म की शूटिंग शुरू, डेब्यू को तैयार एल्विश

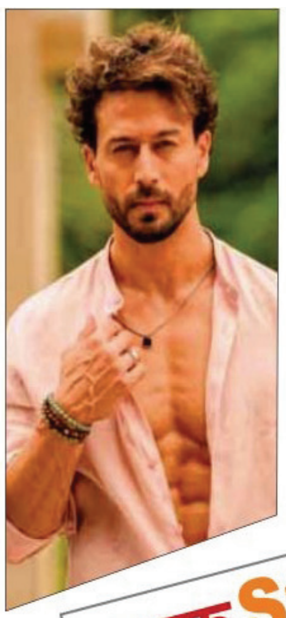

मुंबई। निर्देशक रेमो डिसूजा एक नई फिल्म का निर्देशन करने वाले हैं। इसमें लीड एक्टर के तौर पर टाइगर श्रॉफ होंगे। उनके साथ इस फिल्म में नुसरत भरूचा फीमेल लीड रोल में होंगी। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। यह फिल्म टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरूचा के बीच पहला ऑन-स्क्रीन कोलैबोरेशन है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म से एल्विश यादव बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। खबर यह भी है कि ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन भी इस फिल्म में नजर आएंगी। यह फिल्म आगाज एंटरटेनमेंट, वीजे फ्रेम फिल्म्स और इंसोम्निया फिल्म्स के बैनर तले बनाई जा रही है। यह प्रोजेक्ट प्रोड्यूसर विक्की जैन के लिए भी एक बड़ा माइलस्टोन है।

लाइफ Style

दीया

भूमिका की लंबाई नहीं, आधार होना चाहिए

दीया मिर्जा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो ब्रेक लेकर काम करना पसंद करती हैं। 2026 में वह अब तक 'अल्फा' और 'इक्का' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जल्द ही उनका तीसरा प्रोजेक्ट वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' भी रिलीज होगा।

एक बातचीत में दीया ने अपने अभिनय के उतार-चढ़ाव पर रोशनी डाली। साथ ही बताया कि इन दिनों वह फिल्मों में छोटे रोल क्यों कर रही हैं। फिल्म 'इक्का' और 'अल्फा' में दीया का रोल काफी छोटा था। न्यूज 18 से बातचीत के दौरान उन्होंने इस बारे में अपनी राय साझा की। दीया ने कहा, 'किसी कहानी का हिस्सा बनने का निर्णय कभी भी भूमिका की लंबाई के आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसका निर्धारण उस किरदार के अंदर की गहराई या सच्चाई के आधार पर होना चाहिए।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'अपने करियर के पहले पांच साल में मैं युवा और अनुभवहीन थी और खुद को समझने की कोशिश कर रही थी। हो सकता है कि मैंने कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स को इसलिए ठुकरा दिए हो क्योंकि उनमें स्क्रीन टाइम कम थीं। लेकिन अपने करियर के पिछले 20 साल में मैंने ऐसा कभी नहीं किया।' बताते चलें कि दीया मिर्जा 'ऑपरेशन सफेद सागर' में विंग कमांडर टोनी धनोआ की पत्नी का किरदार निभा रही हैं। यह सीरीज 7 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इसका निर्देशन ओनी सेन ने किया है।

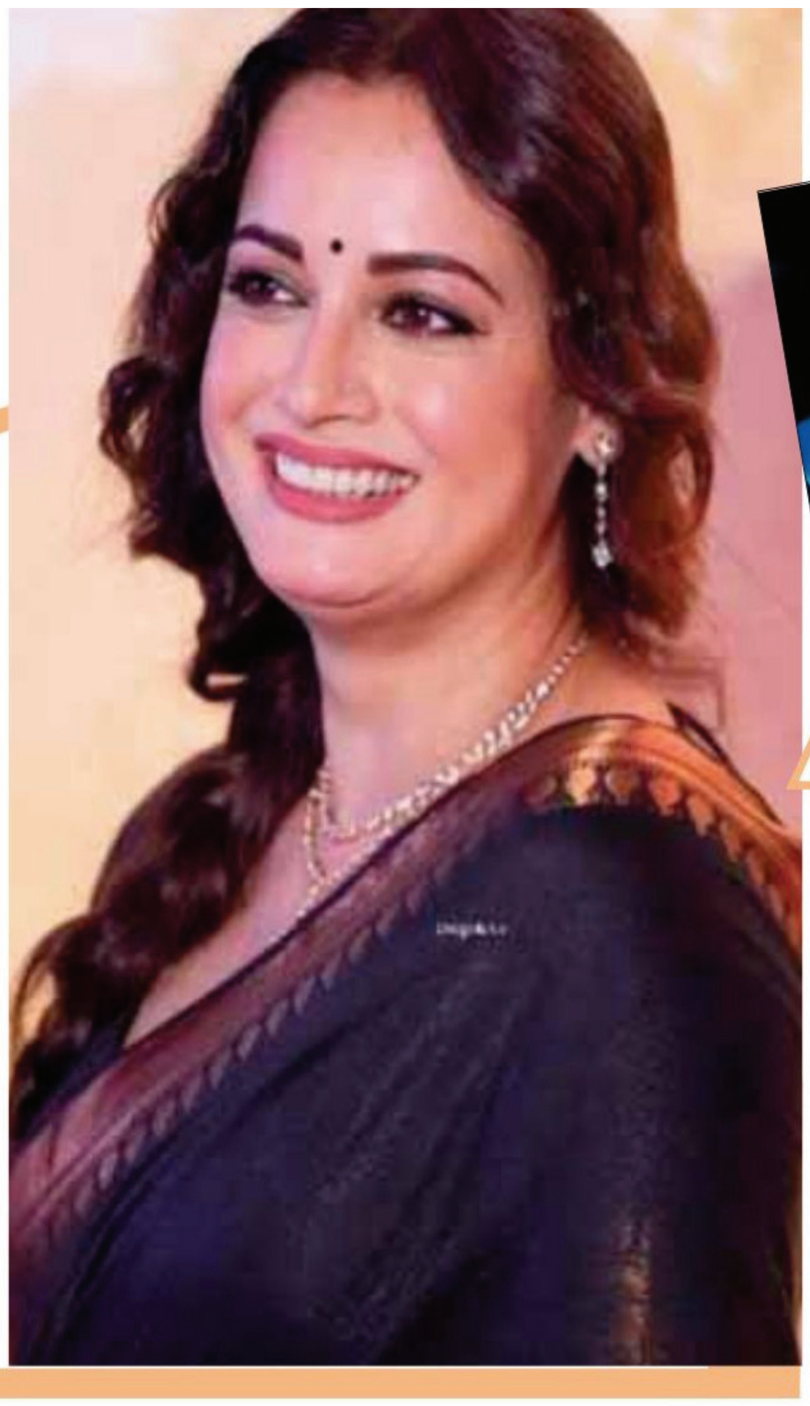

हॉलीवुड मसाला

दशकों बाद पढ़ी इतनी बेहतरीन स्क्रिप्ट

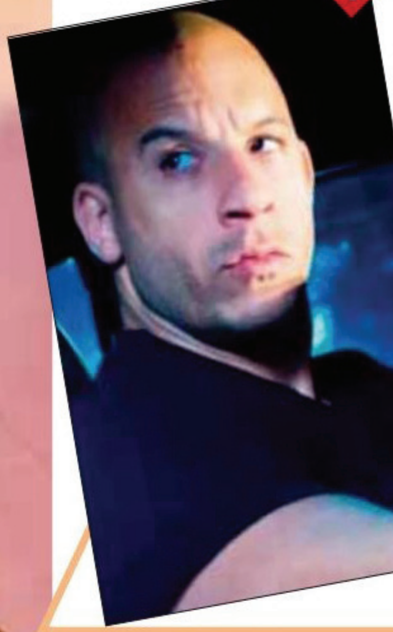

लॉस एंजिल्स। अभिनेता विन डीजल की 'फास्ट एंड फ्यूरियस' फ्रेंचाइजी की संभावित आखिरी फिल्म अगले साल रिलीज होगी। विन ने हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस फिल्म से जुड़ी अहम जानकारी फैंस के साथ साझा की। विन डीजल ने एक वीडियो पोस्ट साझा करते हुए फिल्म की स्क्रिप्ट पर बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने अभी माइक लेस्ली की 'फास्ट फॉरएवर' की स्क्रिप्ट पढ़ी। यह बीते कई दशकों में सबसे बेहतरीन स्क्रिप्ट है, जो मैंने पढ़ी है। मैं अभी तक भावुक हूं।'

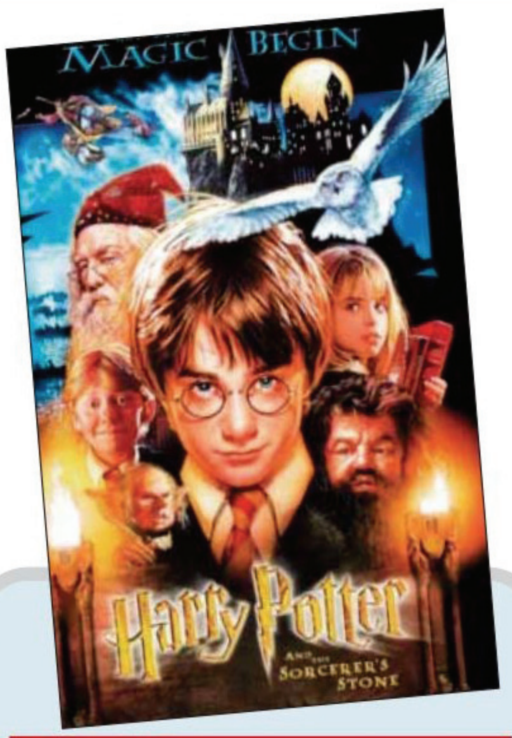

हैरी पॉटर 25 साल बाद भारत में होगी रि-रिलीज

नई दिल्ली। बच्चा, टीनेजर हो या बुजुर्ग सभी हैरी पॉटर के फैन हैं। 25 साल पहले आई इस सीरीज के 8 पार्ट आ चुके हैं और आठों का फैन हर कोई है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हैरी पॉटर के आठ पार्ट ने 581 अरब की कमाई हासिल की थी। हैरी पॉटर बुक सीरीज की लेखिका जेके राउलिंग है। वहीं इस फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म 'हैरी पॉटर एंड द फिलॉसफर्स स्टोन को 2026 में 25 साल पूरे होने वाले हैं, जिसे खास बनाने के लिए आईएमडीबी के मुताबिक फिल्म को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। 4 नवंबर 2001 में रिलीज हुई हैरी पॉटर के पहले पार्ट को भारत में फिर से रिलीज किया जाएगा। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

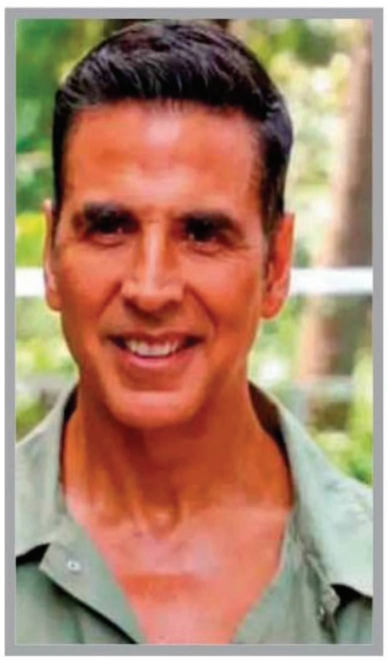

अक्षय की झोली में आ गिरी नई फिल्म

नई दिल्ली। अक्षय कुमार हाल ही में कई फिल्मों में नजर आए हैं। जल्द ही वह 'हैवान' में नजर आने वाले हैं। अब खबर है कि वह फरहान अख्तर की फिल्म में कैमियो करेंगे। अक्षय कुमार, नीरज पांडे के साथ पांचवीं बार एक साथ काम करने जा रहे हैं। इससे पहले दोनों फिल्म स्पेशल 26, बेबी, टॉयलेटः एक प्रेम कथा और नाम शबाना में साथ काम कर चुके हैं। यह जोड़ी फिल्ममेकर की अगली फिल्म के लिए एक साथ आ रही है, जो आरडी बर्मन की बायोपिक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरहान अख्तर अपकमिंग फिल्म में बर्मन का किरदार निभाएंगे। भले ही अक्षय का रोल छोटा है, लेकिन वह बायोपिक का एक अहम हिस्सा होंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय और नीरज इस बायोपिक के लिए लगभग एक दशक बाद फिर से साथ आ रहे हैं।

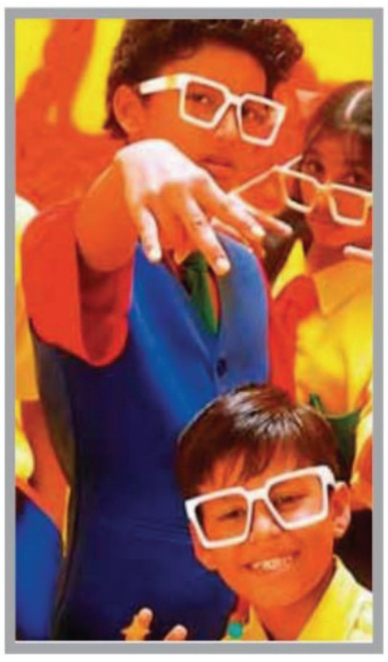

छोटा बच्चा जान के... अब नए अंदाज में

मुंबई। पंकज त्रिपाठी अभिनीत फिल्म 'ओह माय डॉग' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले फिल्म के मेकर्स ने इसका एक गाना 'छोटा बच्चा जान के...' रिलीज किया है। यह एक चर्चित और पुराना गाना है, जिसे नए अंदाज में पेश किया गया है। ओह माय गॉड फेम निर्देशक अमित राय की फिल्म 'ओह माय डॉग' कुछ दिनों में रिलीज होगी। 'छोटा बच्चा जान के...' गाने को मॉडर्न ट्विस्ट दिया गया है। फिल्म की कहानी बच्चों और डॉग की दोस्ती पर है तो गाने में भी बच्चे डांस रहे हैं, वहीं दो डॉग्स भी दिखाई दे रहे हैं। यह गाना टिप्स ने अपने यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्म पर साझा किया है। फिल्म 'ओह माय डॉग' पहले 31 जुलाई को रिलीज हो रही थी, लेकिन बड़ी फिल्मों के आगे पर्याप्त थिएटर स्क्रीन ना मिलने के कारण मेकर्स ने इसे आगे बढ़ा दिया।

टीवी मसाला

शिवांगी- हर्षद की दोस्ती में पड़ी दरार लॉकअप 2 में जमकर हुआ हंगामा

नई दिल्ली। हाल ही में रियलिटी शो 'लॉकअप 2' में हर्षद चोपड़ा से शिवांगी जोशी नाराज हो गईं। इसकी वजह रियलिटी शो में खुद को बचाए रखना था। शिवांगी को अब तक सपोर्ट कर रहे हर्षद चोपड़ा ने खुद के खेल को अहमियत दी। इस वजह से शिवांगी को शो में नुकसान हुआ। बाद में

फाइनलिस्ट श्रेया कालरा ने शिवांगी को शो से बाहर कर दिया। इन सभी बातों का असर शिवांगी और हर्षद चोपड़ा की दोस्ती पर पड़ा है। हर्षद चोपड़ा और शिवांगी एक टास्क कर रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच नोक-झोंक हुई। शिवांगी ने कमरे से बाहर जाने का फैसला लिया। लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि हर्षद चोपड़ा बाकी प्रतियोगियों को कहते थे कि वह शिवांगी के लिए पिछले टास्क में हारे थे। इस पर शिवांगी ने कहा कि वे दोनों खुद के लिए खेल रहे थे।

दोनों बेटों के साथ पीरियड फिल्म प्लान कर रहे सनी निभाना चाहते हैं सम्राट अशोक का किरदार

मुंबई। अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में पटना में प्रमोशनल इवेंट के दौरान उन्होंने अपने अगले प्रोजेक्ट की योजना साझा की। इसके साथ ही एक्टर ने बताया कि वो इस फिल्म में अपने दोनों बेटों को भी शामिल करना चाहते हैं। पटना में फिल्म प्रमोशन के दौरान सनी से पूछा गया कि अब वो किस तरह का किरदार निभाने की इच्छा रखते हैं? इसके जवाब में अभिनेता ने कहा,

'सम्राट अशोक मेरे दिल के बहुत करीब हैं। राजकुमार संतोषी ने मुझे इसकी कहानी सुनाई है और चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने भी मुझे इस कहानी का नरेशन दिया है। मुझे यह भी विश्वास है कि मैं अपने दोनों बेटों को भी इस प्रोजेक्ट में शामिल कर सकता हूं, क्योंकि इसका एक विशाल इतिहास है।'

ऐसी फिल्मों के लिए भारी बजट चाहिए

सनी ने इस प्रोजेक्ट के बारे में आगे कहा, 'ऐसी फिल्मों के लिए भारी बजट की जरूरत होती है। पहले मेरे पास ऐसी कोई फिल्म नहीं आई। हालांकि, 'गदर 2' के बाद हालात बेहतर हुए और मुझे उम्मीद है कि आगे और बेहतर होंगे। मैं जरूर एक ऐसी फिल्म बनाना चाहूंगा।' आपको बता दें कि शाहरुख खान इससे पहले साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'अशोका' में सम्राट अशोक का किरदार निभा चुके हैं। इससे पहले 1992 में रिलीज हुई फिल्म 'सम्राट अशोक' में एनटीरामा राव ने अशोक और चाणक्य दोनों का किरदार निभाया था।

वेब सीरीज चुंबक में कॉमेडी व ड्रामा का मिलेगा भरपूर डोज

मुंबई। नीना गुप्ता की सीरीज 'चुंबक' 28 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें मोहल्ले में आस-पड़ोस के घरों के बीच के पारिवारिक और आत्मीय रिश्तों को दिखाया जाएगा। पड़ोसी किस रह सुख और दुख में साथ देते हैं। सामान के आदान-प्रदान का सिलसिला कैसे चलता है? इसकी झलक दिलचस्प अंदाज में इस सीरीज में देखने को मिलेगी। नेटफ्लिक्स ने 'चुंबक' का दिलचस्प प्रोमो भी जारी किया है, जिसमें पूरी स्ट साथ नजर आ रही है। नीना गुप्ता कहती दिखी हैं, 'नेटफ्लिक्स फैमिली में एक और फैमिली जुड़ रही है। मिलिए 'चुंबक' परिवार से'। चर्चित अभिनेत्री नीना गुप्ता के अलावा इसमें देवेन भोजानी, अमायरा दस्तूर, अर्जुन बिजलानी, अनंत वी जोशी और हेली शाह समेत कई सितारे हैं। सीरीज 'चुम्बक' एक समकालीन शहरी भारतीय पड़ोस

में स्थापित कल्चर को दिलचस्प अंदाज में पेश करेगी। पड़ोस का वह चलन, जहां कोई भी उत्सव छोटा नहीं होता है। कोई भी परेशानी कभी निजी नहीं रहती। राइटर-डायरेक्टर और को-प्रोड्यूसर आतिश कपाड़िया और प्रोड्यूसर जेडी मजेठिया 'चुंबक' को लेकर आ रहे हैं। इससे पहले इस जोड़ी ने कल्ट-क्लासिक्स 'साराभाई वर्सेस साराभाई' और 'खिचड़ी' जैसे शो दिए हैं। सीरीज में एक अच्छे आस-पड़ोस वाली व्यवस्था को दिखाया जाएगा। यह उन लोगों के बारे में है, जो अक्सर बिना बुलाए घर आ जाते हैं। शुभचिंतक होते हैं। यह सीरीज याद दिलाती है कि परिवार हमेशा वह नहीं होता, जिसमें आप पैदा होते हैं। कभी-कभी वह भी होता है, जो ठीक बगल में रहता है।

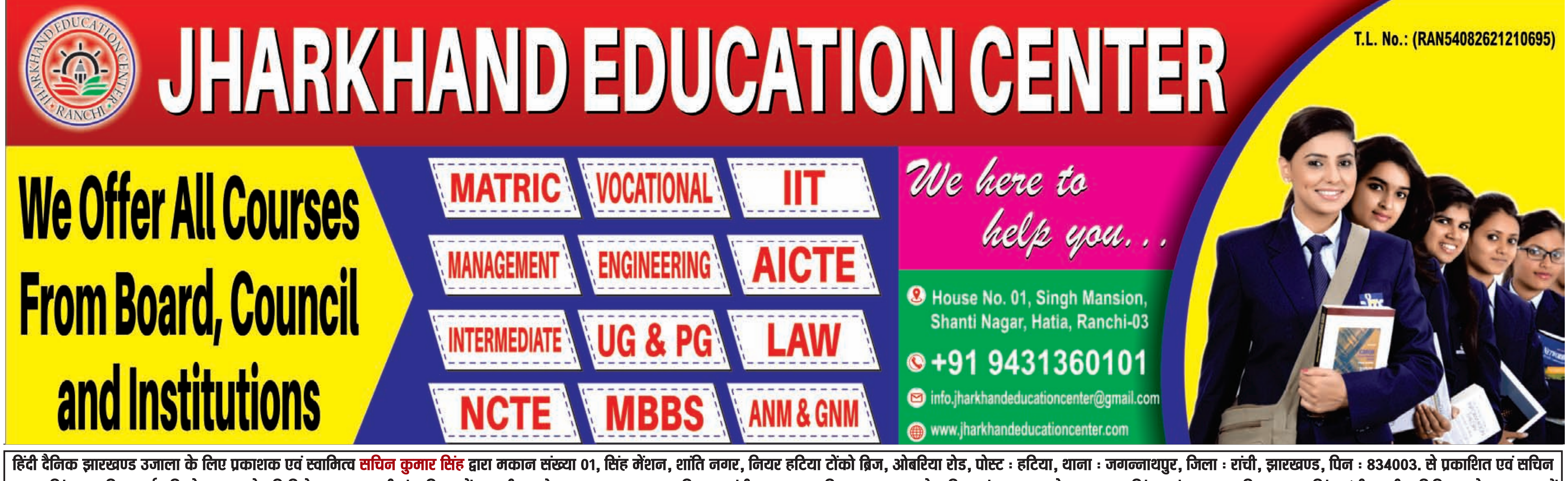

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रनेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.